अध्याय 4

पुस्तकालय सूचना एवं प्रलेखीकरण सेवाएँ

परिसंचरण काउंटर

पुस्तकालय वाचन कक्ष

संस्थान की पुस्तकालय द्वारा प्रलेखीकरण एवं सूचना प्रसार सेवाएँ प्रदान की गईं। पुस्तकालय में पुनर्वास क्षेत्र से संबंधित विषय पुस्तकों एवं शोध पत्रिकाओं का अच्छा संग्रह उपलब्ध है। पुस्तकालय एवं सूचना संबंधी सुविधाएँ अन्य संस्थानों/विश्वविद्यालयों के शोधार्थियों के उपयोग हेतु भी उपलब्ध कराई गईं। संस्थान के सूचना केंद्र में लगभग 14,229 विषय पुस्तकों तथा 60 सीडी/डीवीडी का संग्रह है। इसमें भारत सरकार अथवा राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाओं, पुनर्वास सहायक उपकरणों एवं दिव्यांगजन से संबंधित अधिनियमों से जुड़े सूचना फोल्डर भी सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त, सूचना सामग्री का अनुवाद क्षेत्रीय भाषाओं में भी किया गया। संस्थान ने प्रतिवेदन अवधि के दौरान चालू जागरूकता सेवाओं के माध्यम से पुस्तकालय सेवाएँ प्रदान की।

पुस्तकालय भंडार कक्ष

पुस्तकालय संग्रह :	2022-23	2023-24	2024-25
अंग्रेजी पुस्तकों की कुल संख्या	11308	11308	11523
हिन्दी पुस्तकों की कुल संख्या	722	722	722
बाउंड वॉल्यूम जर्नल्स की कुल संख्या	1984	1984	1984
पुस्तकालय संग्रह की कुल संख्या	**14014**	**14014**	**14229**
सीडी/डीवीडी की कुल संख्या	60	60	60
दैनिक समाचार पत्र	10	10	10
साप्ताहिक समाचार पत्र	03	03	03
समाचार पत्रों की कुल संख्या	13	13	13
सदस्यता			
आंतरिक सदस्यता की कुल संख्या	1005	1045	1066
उपयोगकर्ता			
कुल पाठक/उपयोगकर्ता संख्या	28306	26241	20046
सेवाएँ			
पुस्तकों एवं जर्नल्स का निर्गमन/वापसी/नवीनीकरण	21784	14495	10062
चालू जागरूकता सेवाएँ	810	354	1975
दिव्यांगता संबंधी समाचार कटिंग	94	33	39
संदर्भ सेवा	288	1428	1009
प्रतिलिपि सेवा	346	499	--
ई-संसाधन एवं इंटरनेट सेवा	120	372	367
उपयोगकर्ता सेवाओं की कुल संख्या	**23442**	**17181**	**13452**

अध्याय 5

सुदूरवर्ती सेवा विस्तार अनुभाग

कोलकाता स्थित रागदिसं का आउटरीच विभाग दिव्यांगजनों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह विभाग स्थानीय संगठनों और सरकारी निकायों के सहयोग से आवश्यक सेवाएँ और समर्थन प्रदान करता है, ताकि सेवाएँ सीधे उन व्यक्तियों तक पहुँच सकें जिन्हें उनकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

आउटरीच विभाग यह सुनिश्चित करता है कि उसकी सेवाएँ विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध हों। इसके अंतर्गत दिव्यांगजनों को उनकी व्यक्तिगत आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण और उपकरण (Aids & Appliances) प्रदान किए जाते हैं। विभाग के पेशेवर दिव्यांगजनों को थेरेप्यूटिक सेवाएँ उपलब्ध कराते हैं और दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों को लाइव डेमोंस्ट्रेशन और प्रशिक्षण के माध्यम से जागरूक करते हैं।

सुदूरवर्ती सेवा विस्तार का कार्यकलाप-2024-25

आउटरीच विभाग द्वारा मूल्यांकन एवं पहचान शिविर तथा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। ये गतिविधियाँ दिव्यांग व्यक्तियों को सहायक उपकरण/उपकरण खरीद एवं फिटिंग हेतु सहायता (एडिप) योजना के अंतर्गत संचालित होती हैं, जिसे दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

वर्ष 2024-25 में एडिप योजना के अंतर्गत पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पुडुचेरी (केंद्र शासित प्रदेश) में शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों के माध्यम से कुल 1,647 दिव्यांगजनों ने लाभ प्राप्त किया, जिन्हें 2,111 सहायक उपकरण एवं उपकरण प्रदान किए गए।

1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 (2024-25) के दौरान कुल शिविरों का सारांश

राज्य का नाम	शिविरों की कुल संख्या	पहचान शिविरों की कुल संख्या	वितरण शिविरों की कुल संख्या
पश्चिम बंगाल	22	09	13
आंध्र प्रदेश	05	अप्रयोज्य	05
तेलंगाना	01	अप्रयोज्य	01
पुडुचेरी (केंद्र शासित प्रदेश)	01	अप्रयोज्य	01
कुल	**29**	**09**	**20**

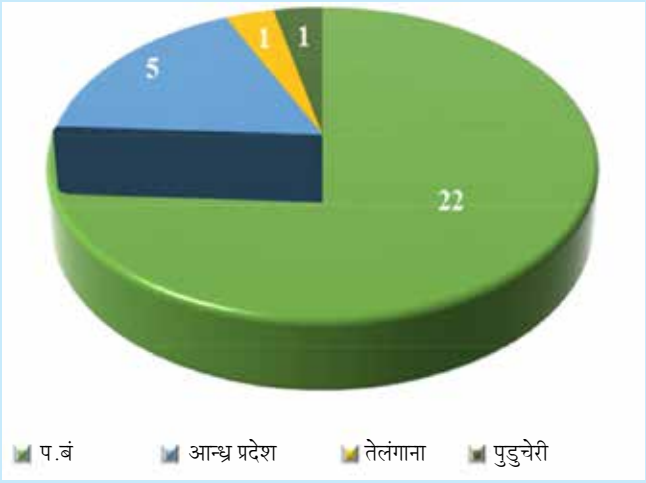

1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के दौरान कुल शिविर

1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के दौरान राज्यवार वितरण शिविर (2024-25)

राज्य का नाम	शिविरों की कुल संख्या	सहायता एवं उपकरण प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की संख्या	वितरित सहायता एवं उपकरणों की संख्या
पश्चिम बंगाल	13	1161	1477
आंध्र प्रदेश	05	311	393
तेलंगाना	01	163	228
पुडुचेरी (केंद्र शासित प्रदेश)	01	12	13
कुल	**20**	**1647**	**2111**

20 मार्च 2025 को रागदिसं परिसर में एक सीएसआर समर्थित शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. विनोद अग्रवाल, रागदिसं के अधिकारीगण, एलिम्को के प्रतिनिधि, एवं आरसीआई फाउंडेशन के सदस्य उपस्थित रहे।

30.12.2024 को पनिहाटी, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल में आयोजित शिविर में एनआईएलडी के निदेशक द्वारा दिव्यांगजनों के लिए शीघ्र हस्तक्षेप, सुगम्यता और सशक्तिकरण वार्ता करते हुए।

दिनांक 04.07.2024 आईआरसीएस कृष्णानगर प.बं. शिविर

19.11.2024 को काकिनाडा ए.पी.-I, पश्चिम बंगाल में शिविर

09.08.2024 को यानम, पुडुचेरी (यूटी) में शिविर

पहचान शिविरों का सारांश रिपोर्ट (1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025)

राज्य का नाम	पहचान शिविरों की संख्या	पहचान शिविर में उपस्थित दिव्यांगजन लाभार्थियों की संख्या	सहायक उपकरण/उपकरण के लिए चयनित दिव्यांगजन की संख्या	आवश्यक सहायक उपकरण/उपकरण की संख्या
पश्चिम बंगाल	09	1219	985	1229
कुल	**09**	**1219**	**985**	**1229**

वितरण शिविर के तहत दिव्यांगजनों की श्रेणीवार लाभार्थी विवरण

लाभार्थियों की कुल संख्या	पुरुष	महिला	वरिष्ठ नागरिक	समूह बच्चे	अ.जा.ससी	अ ज.जा	अ.पि.व	सामान्य
1647	1228	419	221	59	246	75	351	975

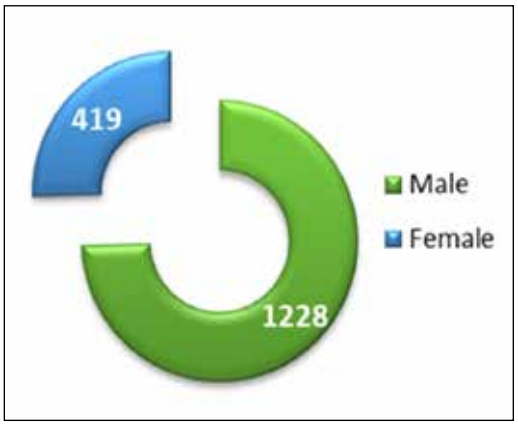

लाभार्थियों का लिंगानुसार विवरण

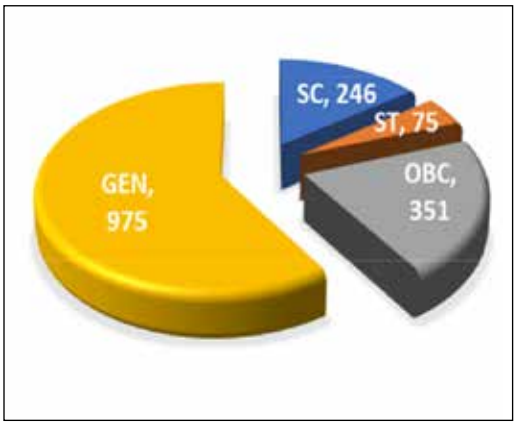

जातिवार लाभार्थियों का विवरण

विगत तीन वर्षो का वितरण शिविर:

वर्ष	शिविरों की संख्या	लाभार्थियों की संख्या	सहायक उपकरणों की संख्या
2022-23	27	1711	2341
2023-24	12	670	974
2024-25	20	1647	2111

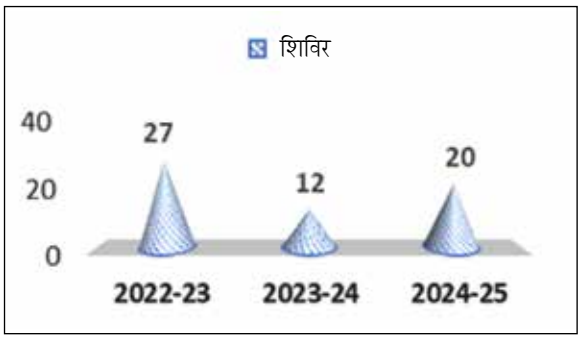

वर्षवार वितरण शिविर

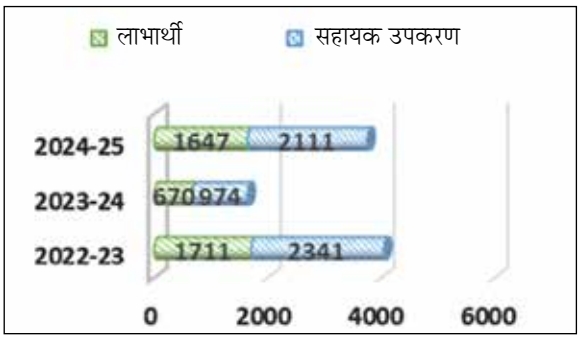

वर्षवार लाभार्थी और वितरित सहायक सामग्री

आउटरीच अनुभाग के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम

क्रम.	तिथि	कार्यक्रम का स्थान	विषय	प्रतिभागी
1	25 जुलाई 2024	मुरारई-I बीरभूम, पश्चिम बंगाल	दिव्यांगजन पुनर्वास और दिव्यांगजनों के दैनिक जीवन में सहायक उपकरणों और प्रौद्योगिकी की भूमिका पर हितधारकों की क्षमता निर्माण	47

जागरूकता कार्यक्रम – मुरारई, पश्चिम बंगाल (25.07.2024)

अध्याय 6

सफलता की कहानियाँ

सफलता की कहानी 1: कब्या हरी – प्रगति की ओर एक प्रेरणादायक यात्रा

काब्या हरी, 5 वर्ष और 5 महीने का एक लड़का, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र से प्रभावित पाया गया। निदान के समय, काब्या में कई चुनौतीपूर्ण व्यवहार देखे गए, जैसे आवेगपूर्ण प्रतिक्रियाएँ, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, अटेन्शन की कमी, अति सक्रियता, आत्म-हानिकारक प्रवृत्तियाँ, जिद्दीपन और आक्रामकता। ये व्यवहार उसके शैक्षणिक प्रगति और दैनिक जीवन में गंभीर बाधाएँ उत्पन्न कर रहे थे।

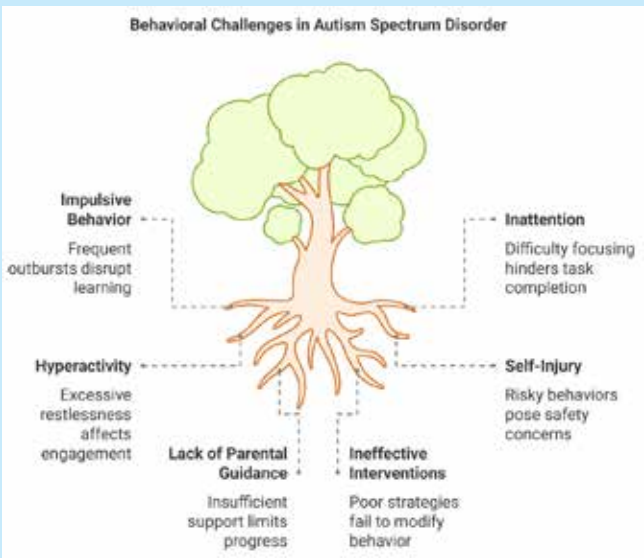

संगठित और लक्षित हस्तक्षेप की आवश्यकता को देखते हुए, कब्या के माता-पिता ने शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र से सहायता प्राप्त की। यहाँ उसके लिए एक व्यापक, बहु-विषयक योजना तैयार की गई। इस योजना की आधारशिला व्यवहार सुधार थेरेपी थी, जिसमें सकारात्मक सुदृढीकरण, टोकन अर्थव्यवस्था प्रणाली, दृश्य सहायक उपकरण और कार्यों का चरणबद्ध विभाजन शामिल था। इच्छित व्यवहारों को स्टिकर और स्टार जैसे पुरस्कारों के माध्यम से प्रोत्साहित किया गया, जबकि अच्छे व्यवहार के लिए अर्जित टोकन विशेषाधिकारों में परिवर्तित किए गए। चार्ट और चेकलिस्ट जैसे दृश्य उपकरण कब्या को व्यवस्थित रहने और तनाव कम करने में मदद करते थे, जिससे वह कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा कर पाता था।

सिर्फ काब्या के लिए ही नहीं, बल्कि उसके माता-पिता के लिए भी मनोवैज्ञानिक परामर्श और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। इस सहायता ने उनके तनाव और चिंता को कम किया और उन्हें कब्या के व्यवहार को अधिक समझदारी और धैर्य के साथ प्रबंधित करने में सक्षम बनाया। इसके साथ ही, कब्या ने शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र के अन्य विभागों की सेवाओं का लाभ भी उठाया, जिनमें ऑक्यूपेशनल थेरेपी, स्पीच थेरेपी और विशेष शिक्षा शामिल हैं। ये सभी हस्तक्षेप मिलकर उसकी संचार क्षमता, मोटर कौशल और शैक्षणिक तैयारी को विकसित करने में सहायक रहे। दो वर्षों की मेहनत और सहयोगात्मक प्रयासों के परिणामस्वरूप, कब्या ने शानदार प्रगति की। उसके आवेगपूर्ण व्यवहारों में स्पष्ट कमी आई और उसने बोलने के लिए हाथ उठाना शुरू कर दिया। उसकी ध्यान केंद्रित करने और निर्देशों का पालन करने की क्षमता बेहतर हुई, जिससे उसका शैक्षणिक प्रदर्शन भी सुधरा। बेचैनी में कमी आने से वह शांत और स्थिर गतिविधियों में भाग लेने में सक्षम हुआ, और उसके स्टेरियोटाइपिकल व्यवहार में भी उल्लेखनीय सुधार देखा गया। आज कब्या नियमित रूप से स्कूल जा रहा है और अपने आयु-उपयुक्त विकासात्मक मील के पत्थर हासिल कर रहा

है। उसकी यात्रा बहु-विषयक, सहयोगात्मक हस्तक्षेप और माता-पिता की प्रतिबद्धता की शक्ति का जीवंत उदाहरण है। शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र को गर्व है कि उसने कब्या की सफलता की कहानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और यह अनेक परिवारों के लिए आशा और प्रेरणा का स्रोत बन रही है।

सफलता की कहानी 2: अत्रयी जाना – स्वतंत्रता और समावेशन की दिशा में एक प्रेरणादायक यात्रा

अत्रयी जाना, पाँच वर्ष की एक लड़की, पहली बार 2023 में शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र आई थी, जब उसके माता-पिता उसकी अति सक्रियता और विकास में देरी को लेकर चिंतित थे। निदान के समय उसे शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र पाया गया और वह सामाजिककरण, शैक्षणिक प्रगति और संचार में गहरी चुनौतियों का सामना कर रही थी। उसकी व्यवहारिक समस्याएँ और दैनिक जीवन की गतिविधियाँ गंभीर रूप से प्रभावित थीं।

शून्य बैठने की सहनशीलता, ध्यान की कमी और निर्देशों का पालन न कर पाने के कारण, अत्रयी को बार-बार स्कूलों द्वारा अस्वीकृत किया गया। उसकी अति सक्रियता के कारण सार्वजनिक परिवहन में उसे संभालना कठिन था, और उसके माता-पिता को उसकी स्थिति के बारे में सीमित जानकारी थी।

शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र में अत्रयी ने व्यापक, बहु-विषयक हस्तक्षेपों का लाभ लिया, जिनमें ऑक्यूपेशनल थेरेपी, स्पीच थेरेपी, व्यवहार सुधार, विशेष शिक्षा सत्र और माता-पिता परामर्श शामिल थे। समय के साथ, उसकी स्थिति में सुधार दिखाई देने लगा। उसने नियमित रूप से सत्रों में भाग लेना शुरू किया, और उसके माता-पिता भी उसकी आवश्यकताओं को समझने और उसका समर्थन करने में सक्षम हो गए।

12 दिसंबर 2023 को, अत्रयी को स्कूल रेडीनेस प्रोग्राम में नामांकित किया गया। यहाँ से उसकी प्रगति अभूतपूर्व रही। उसने स्वतंत्र रूप से A-Z अक्षरों (बड़े और छोटे दोनों) को पहचानना और लिखना सीख लिया। इसके साथ ही उसने पांच फल, पाँच सब्जियाँ, पाँच जानवरों के नाम, सभी मूल रंग और सभी आकार लिखने में दक्षता हासिल की। उसने सप्ताह के सात दिन और वर्ष के बारह महीने भी सही ढंग से नामित करना सीख लिया।

शैक्षणिक कौशल में भी उसका विकास उल्लेखनीय रहा। उसने संख्याएँ गिनना, जोड़ और घटाव करना और पहले और बाद में जैसी संख्यात्मक अवधारणाएँ समझना सीखा। उसकी संचार क्षमता में सुधार हुआ, जिससे वह आत्मविश्वास के साथ अपनी बात व्यक्त करने लगी। साथ ही, वह अब अपने दैनिक कार्यों में स्वतंत्र हो गई है और बिना किसी सहायता के अपने कार्यों को संभालने लगी है।

आज अत्रयी नियमित रूप से सामान्य स्कूल में पढ़ रही है। वह कक्षा की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेती है और पाठ्यक्रम एवं सह-पाठ्यक्रम दोनों कार्यक्रमों में सफलता पूर्वक संलग्न रहती है। उसकी यह यात्रा प्रारंभिक हस्तक्षेप, बहु-विषयक समर्थन और उसके माता-पिता व चिकित्सकों की अडिग प्रतिबद्धता की शक्ति का सजीव प्रमाण है।

अत्रयी की कहानी उन परिवारों के लिए आशा और प्रेरणा का संदेश है, जो समान चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। यह इस बात की पुष्टि करती है कि सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र वाले बच्चों को विकसित होने, सीखने और सफल होने का अवसर प्रदान किया जा सकता है।

अध्याय 7

रागदिसं की मीडिया कवरेज और सोशल मीडिया पर मौजूदगी

क. इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया : पूरे वर्ष रागदिसं ने दिव्यांगजनों के लिए संस्थान की सेवाओं और गतिविधियों को उजागर करने के लिए स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ सक्रिय रूप से कार्य किया। इस रणनीतिक दृष्टिकोण का उद्देश्य समाज में रागदिसं के महत्वपूर्ण योगदान पर लगातार ध्यान आकर्षित करना था।

– व्यापक कवरेज: दूरदर्शन, राजस्थान पत्रिका, प्रभात खबर, दैनिक स्टेट्समैन, आजकल, विश्वामित्र और सन्मार्ग आदि सहित प्रमुख मीडिया चैनलों ने रागदिसं की गतिविधियों का व्यापक कवरेज प्रदान किया। इन मीडिया आउटलेट्स ने संस्थान की पहलों को उजागर करने, इसके मिशन और उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

– सफल दिव्यांगजन की कहानियाँ: रागदिसं की मीडिया ने सफल दिव्यांगजनों की कहानियों को अपनी मीडिया चैनल में साझा किया। इन कहानियों ने रागदिसं के सुदूरगामी प्रयासों को उजागर करने के साथ दिव्यागों के जीवन में आने वाली परिवर्तनों को दर्शाया ।

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता में विश्व सेरेब्रेल पाल्सी दिवस का किया गया भव्य आयोजन

विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

कोलकाता. हर वर्ष छह अक्तूबर को विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस मनाया जाता है. इस अवसर पर राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता द्वारा सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों के साथ एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के सचिव राजेश अग्रवाल ने किया. उन्होंने सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए सीपी चेयर और डीलक्स सीपी चेयर की उपलब्धता और निरामया बीमा योजना का लाभ सभी दिव्यांगजनों तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया. इस अवसर पर सेरेब्रल पाल्सी पीड़ित बच्चों के लिए सीट एंड डॉ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मास्टर अपूर्व कुमार घोष और बेबी रितिक अधिकारी सहित अन्य बच्चों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया संस्थान के निदेशक डॉ ललित नारायण ने अपने स्वागत संबोधन में सेरेब्र पाल्सी और इस विशेष दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला. उप-निदेश (प्रशासन) सौगत बनर्जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान का कार्यक्रम आयोजित

छात्रों ने प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान की ओर से आयोजित दो दिवसीय किनेसिस का उद्घाटन करते अतिथि।

कोलकाता @ पत्रिका. राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता की ओर से दो दिवसीय किनेसिस-2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि और पश्चिम बंगाल महिला एवं बाल विकास तथा सामाजिक कल्याण विभाग के अपर सचिव [illegible], विशेष अतिथि डॉ. नितेश सिंह, एडिशनल प्रोफेसर, बीएमएचआरएस और उप चिकित्सा अधीक्षक एवं बैरकपुर पुलिस के आयुक्त अजय कुमार ठाकुर की उपस्थिति में किया गया। संस्थान के निदेशक, डॉ. ललित नारायण ने संस्थान के अतिथियों का स्वागत करते हुये संस्थान की उपलब्धियों एवं गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के स्नातक एवं परास्नातक मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। संस्थान के छात्र ने विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह जानकारी संस्थान के निदेशक डॉ. ललित नारायण ने दी।

বিশেষভাবে সক্ষমদের কর্মসংস্থান মেলা

Kolkata Hosts Five-Day Faculty Development Program for Disability Rehabilitation

Kolkata: The National Institute for Locomotor Disabilities (NILD), Kolkata, is organizing a five days residential Faculty Development Program (FDP) from March 24 to 28, 2025. The event is funded and recognized by the Rehabilitation Council of India ... New Delhi. Dr. Lalit Narayan, Director of NILD, stated in his inaugural address that the institute, under the Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India, is conducting a series of FDPs in collaboration with RCI to enhance rehabilitation services for ... with disabilities. Professor Bishnupad Nanda from Jadavpur University was the esteemed guest. The program aims to enhance teaching methods and professional skills for 83 RCI-registered rehabilitation professionals from Eastern and Northeastern India. It includes 18 expert sessions focusing on advanced rehabilitation techniques, inclusive education, and skill enhancement. Mr. Alendra Tripathi delivered the keynote address, while Ms. Riya Roy gave the vote of ...

ন্যাশনাল ইনস্টিটিউট ফর লোকোমোটর ডিজেবিলিটিজ (এনআইএলডি), কলকাতার উদ্যোগে দুদিন ধরে হল 'লো-টেম্পারেচার থার্মোপ্লাস্টিক হ্যান্ড স্প্লিন্ট তৈরির জাতীয় কর্মশালা'। প্রধান প্রশিক্ষক হিসেবে উপস্থিত ছিলেন মণিপাল কলেজ অফ হেল্থ প্রোফেশনস-এর ওটি বিভাগের সহযোগী অধ্যাপক ডাঃ শোভন সাহা। উপস্থিত ছিলেন ফিজিওথেরাপি বিভাগের প্রধান প্রবীণ কুমার ও সহকারী পরিচালক (প্রশিক্ষণ) ডাঃ আমিন ইকবাল। কর্মশালার সমন্বয়কারীর দায়িত্বে ছিলেন অকুপেশনাল থেরাপি বিভাগের লেকচারার জিতেন্দ্র মহাপাত্র।

एनआईएलडी, कोलकाता ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

कोलकाता प्रतिनिधि। एनआईएलडी, कोलकाता ने 10 मार्च, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया कार्यक्रम की शुरुआत एनआईएलडी के निदेशक डॉ. ललित नारायण ने मंत्री श्री सौगाता बनर्जी, डिप्टी डायरेक्टर (एडमिनिस्ट्रेशन), और मुख्य अतिथि डॉ. पायल राय चौधरी दत्त की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन करके की। इस अवसर पर डॉ. ललित नारायण ने महिला कर्मचारियों के लिए एक प्रेरक भाषण दिया, और श्री सौगाता बनर्जी, डीडीए, एनआईएलडी ने मुख्य भाषण दिया। श्रीमती शुभ्रा श्रीमानी, लेक्चरर कम एएनएस, एचओडी विभाग नर्सिंग ने उद्घाटन भाषण दिया। डॉ. पायल राय चौधरी ने विषय पर एक सत्र प्रस्तुत किया। डॉ. ललित नारायण ने महिला कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान करके इस दिन को विशेष बनाया। एनआईएलडी कर्मचारियों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

प्रतिभागियों को संवेदनशील बनाने के लिए उद्धरण लिखित गुब्बारे भी प्रदर्शित किए गए और समाज से बुराइयों को दूर करने के लिए प्रतीकात्मक रूप से फोड़े गए। कुल 120 एनआईएलडी कर्मचारी और छात्रों ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का समन्वय एसईआर विभाग और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समिति द्वारा किया गया था।

दिव्यांगजनों के लिए लगाया गया योग शिविर

कोलकाता : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर शुक्रवार को राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता ने दिव्यांगजनों को योग के महत्त्व को समझाने एवं दिव्यांगजनों उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से डॉ अमरेंदु दास, कार्यकारी सदस्य एवं प्रदीप हाजरा, पश्चिम बंगाल योग नेचुरोपैथी काउंसिल एवं उनकी टीम के निर्देशन में एक विशेष योग शिविर का आयोजन किया। इस मौके पर योग प्रशिक्षकों ने ना केवल योग के लाभों और तकनीकियों के बारे में बताया बल्कि विभिन्न योग आसनों के अभ्यास में प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। संस्थान के निदेशक डॉ ललित नारायण सहित लगभग 700 दिव्यांगजनों एवं संस्थान के छात्रों एवं कर्मचारियों ने योग शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया और योग गतिविधियों को सीखने और योगासन करने में गंभीरता से भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व कार्यक्रम श्रंखला के अंतर्गत संस्थान ने बीते 12 जून को दिव्यांग बच्चों हेतु विशेष योग सत्र एवं दिनांक 19 जून को संस्थान के छात्रों एवं कर्मचारियों हेतु योग के आसनों एवं ध्यान पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य वक्ता डॉ. स्वामीनाथन, मेडिकल विंग, ... माउंट आबू ...

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान का आयोजन

दिव्यांगजनों को रोजगार प्रदान करने के लिए लगा मेगा रोजगार मेला

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस मनाया गया

कोलकाता, 8 सितम्बर (नि.प्र.)। राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थानद्वारा दिनांक 5 से 8 सितम्बर, 2024 को विश्व फिजियोथेरेपी दिवस मनाया गया। इस वर्ष का विषय कमर दर्द एवं भौतिक चिकित्सा की भूमिका है। संस्थान के निदेशक डॉ. ललित नारायण ने दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। फिजियोथेरेपी विभाग के विभागाध्यक्ष श्री प्रवीण ... सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। आज कोलकाता ... बारानगर स्थित एक वृद्धाश्रम में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे कमर के दर्द एवं भौतिक चिकित्सा की भूमिका के बारे में जागरूक कराया गया। कमर दर्द मरीजो में फिजियोथेरेपी के महत्व पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। फिजियोथेरेपी विभाग द्वारा छात्रों के लिये प्रश्नोत्तरी, फोटोग्राफी, रील एवं पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। संस्थान में भर्ती मरीजों के प्रोत्साहन हेतु कार्यक्रम में प्रतिभाग कराया गया। लगभग 450 मरीजो एवं छात्रों ने उत्साहपूर्वक इस कार्यक्रम में भाग लिया। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया।

कुमार गुप्ता ने सभा का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित की।

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान द्वारा 78वां स्वतंत्रता दिवस गर्व एवं हर्षोल्लास के साथ गुरुवार 15 अगस्त को मनाया गया। कार्यक्रम का आरम्भ सुरक्षा कर्मियों के जोशीले मार्च पास्ट से हुआ एवं ध्वजारोहण संस्थान के निदेशक डॉ ललित नारायण ने किया। संस्थान के निदेशक ने कर्मचारियों एवं छात्रों को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता के महत्व पर जोर दिया और सभी को संस्थान एवं देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। सौगत बनर्जी, उप. निदेशक (प्रशा.), डॉ. अमीद इकबाल, सहायक निदेशक (प्रशिक्षण), संस्थान के अन्य अधिकारियों और छात्रों ने इस महत्वपूर्ण अवसर पर अपने विचार और भावनाएं व्यक्त कीं।

दिव्यांगजनों को प्रदत्त योजनाओं–सुविधाओं पर जानकारी के लिए जागरूकता रैली

कोलकाता, 3 दिसम्बर (नि.प्र.)। राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान कोलकाता द्वारा दिव्यांगजनों के लिए प्रदत्त योजनाओं एवं सुविधाओं के बारे में आम लोगों को जानकारी देने के उद्देश्य से एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन डॉ.ललित नारायण, निदेशक रा.ग.दि.सं. कोलकाता ने किया, रैली में राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान कोलकाताके लगभग 1,000 दिव्यांगजनों, छात्रों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता ने दिनांक 02 एवं 03 दिसम्बर को दिव्यांगजनो, रोगीजनो तथा छात्रों के लिए वाद–विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर, स्लोगन, प्रश्नोत्तरी, निबन्ध, खेल एवं चित्रकला आदि प्रतियोगिताओं एवं नुक्कड़ नाटक तथा पैनल चर्चा का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस विशेष दिवस परश्री राजीव शर्मा,संयुक्त सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रधानमन्त्री जन औषधि केंद्र का आभासी उद्घाटन किया गया। डॉ ललित नारायण ने कहा कि दिव्यांगजनों के पुनर्वास में पुनर्वास संस्थान के कर्मचारियों एवं विशेषज्ञों के योगदान को सराहा एवं भविष्य में संस्थान की दिव्यांगजनों की सेवाओं को उत्कृष्ट बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ अमीद इकबाल सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) ने कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुये कार्यक्रम की सफलता के लिये दिव्यांगजनों एवं कार्यक्रम आयोजन की पूरी टीम को श्रेय दिया। पैनल चर्चा में डॉ. शांता सेन, राज्य सचिव, आई.एम.ए. एवं पूर्व सांसद मुख्य अतिथि थे एवं डॉसुभाष चक्रवर्ती, डॉ सुजॉय चक्रवर्ती, हावड़ा म्युनिसिपलिटी कार्पोरेशन एवं अन्य चिकित्सा जगत के चिकित्सक उपस्थित थे। कार्यक्रम में एम्स कल्याणी के निदेशक डॉ राम जी सिंह, निदेशक एम्स, कल्याणी भी उपस्थित थे। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता श्री कोरोक विश्वास, रुपांजन सेन एवं अन्य प्रतिभावान दिव्यांगजनों को सम्मानित किया गया एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को संस्थान के निदेशक द्वारा पुरस्कृत किया गया कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन श्री सौगात बनर्जी, उप निदेशक (प्रशासन) ने दिया।

हैंड स्प्लिंट बनावट पर कार्यशाला

कोलकाता, 8 फरवरी (नि.प्र.)। राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता द्वारा व्यावसायिक चिकित्सकों, छात्रों और ओटी इंटर्न के लिए कम तापमान वाले थर्मोप्लास्टिक हैण्ड स्प्लिंट की बनावट पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ शोभन साहा, एसोसिएट प्रोफेसर ओ.टी., एम.सी.एच.पी., एम.ए.एच.ई., मणिपाल, भारत कार्यशाला के लिए सम्मानित विशेषज्ञ थे। उन्होंने व्यावहारिक सत्रों और स्लाइड प्रोजेक्शन के माध्यम से अपने अनुभवों को साझा किया एवं कम तापमान थर्मोप्लास्टिक सामग्री का उपयोग करके हाथ की स्प्लिंटिंग में नवीनतम तकनीकियों और सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान की। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को हाथ की स्प्लिंटिंग में नवीनतम तकनीक के बारे में अवगत कराना एवं प्रभावी पुनर्वास सेवाएं प्रदान करके उनके कौशल को बढ़ाना था। प्रतिभागियों ने व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर अपनी प्रवीणता में वृद्धि की। कार्यशाला के दौरान, चोट के कारण ऊपरी भुजा और हाथ प्रभावित चार व्यक्तियों की नैदानिक स्थिति पर भी चर्चा की गई तथा उनके हाथ की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए आवश्यकता आधारित स्प्लिंट का निर्माण किया गया। उद्घाटन सत्र में डॉ अमीद इकबाल, सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) और श्री प्रवीण कुमार, विभागाध्यक्ष, भौतिक चिकित्सा उपस्थित थे। कार्यशाला के समन्वयक श्री जीतेंद्र मोहापात्रा, व्याख्याता, व्यावसायिक चिकित्सा विभाग थे। निदेशक, डॉ ललित कुमार का योगदान रहा।

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान कोलकाता द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

कोलकाता प्रतिनिधि। राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता द्वारा दिनांक 7 एवं 8 फरवरी, 2025 को व्यावसायिक चिकित्सकों, छात्रों और ओटी इंटर्न के लिए कम तापमान वाले थर्मोप्लास्टिक हैण्ड स्प्लिंट की बनावट पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ शोभन साहा, एसोसिएट प्रोफेसर ओ.टी., एम.सी.एच.पी., एम.ए.एच.ई., मणिपाल, भारत कार्यशाला के लिए सम्मानित विशेषज्ञ थे। उन्होंने व्यावहारिक सत्रों और स्लाइड प्रोजेक्शन के माध्यम से अपने अनुभवों को साझा किया एवं कम तापमान थर्मोप्लास्टिक सामग्री का उपयोग करके हाथ की स्प्लिंटिंग में नवीनतम तकनीकियों और सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान की। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को हाथ की स्प्लिंटिंग में नवीनतम तकनीक के बारे में अवगत कराना एवं प्रभावी पुनर्वास सेवाएं प्रदान करके उनके कौशल को बढ़ाना था। प्रतिभागियों ने व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर अपनी प्रवीणता में वृद्धि की। उद्घाटन सत्र में डॉ अमीद इकबाल, सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) और श्री प्रवीण कुमार, विभागाध्यक्ष, भौतिक चिकित्सा उपस्थित थे। कार्यशाला के समन्वयक श्री जीतेंद्र मोहापात्रा, व्याख्याता, व्यावसायिक चिकित्सा विभाग थे।

NILD Kolkata celebrated International Day of Persons with Disabilities 2024

NILD, Kolkata celebrated International Day of Persons with Disabilities-2024 on 2nd & 3rd December, 2024. On this occasion Debate, Poster, Slogan, Quiz, Essay and Sit & Draw competitions, Panel Discussion, Street Play, Fete, Mega Sports were organized for PwDs (Divyangjan), Patients & Students on 2nd and 3rd December, 2024. In awareness Rally approx. more than 1,500 nos. of Divyangjan, students and staff from participated and Cricket Match was also organized for Locomotor & Visual Impaired from Uttar Pradesh and West Bengal.Sri Rajeev Sharma, Joint Secretary, Department of Empowerment of Persons with Disabilities, Ministry of Social Justice and Empowerment, Govt of India virtually inaugurated Pradhan Mantri Bharty Janaushadhi Kendra at NILD campus.Programme was inaugurated by Dr. Lalit Narayan, Director, NILD, Kolkata and Key note address delivered by Dr. Amzed Equebal Asstt. Director (Training). In Panel Discussion Dr. Shantanu Sen, State Secretary, Bengal IMA was Chief Guest and Dr. Sujoy Chakraborty Chairperson, Howrah Municipality Corporation, Dr. Subhash Chakraborty Secretary, IMA, Dumdum and Medical Doctors were present. During the program Prof. (Dr.) Ramji Singh, Director, AIIMS, KALYANI as Chief Guest was also present and at the end of the program a cultural programme was presented by the PwDs (Divyangjan) & students. Director, NILD awarded to winners of the competitions. On the occasion National Award winner Divyang Mr. Koruk Biswas and Mr. Rupanja Sen and other Talented Divyangjan also felicitated by the Director, NILD. Mr. Sougato Banerjee, Dy. Director (Admin.) delivered vote of thanks to the participants and guests of the program.

ख. सोशल मीडिया: वर्तमान परिदृश्य में सोशल मीडिया सूचना प्रसारित करने का सशक्त माध्यम है। रागदिसं ने सूचना को प्रभावी और कुशलतापूर्वक प्रसारित करने में सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्थान ने ट्विटर, फेसबुक और यूट्यूब जैसे प्लेटफार्मों पर सक्रियता से सोशल मीडिया अकाउंट बनाए रखी हैं।

गतिविधियों को सामने लाना- रागदिसं की सोशल मीडिया उपस्थिति अपनी गतिविधियों, कार्यक्रमों और आयोजनों को व्यापक दर्शकों तक पहुँचाने के लिए प्रभावी चैनल के रूप में कार्य करती है। संस्थान के विभिन्न पहलों के बारे में लगातार पोस्ट करके, संस्थान समस्त जनों तक अपनी गम्यता और जुड़ाव को व्यापक बनाता है, ताकि इसे व्यापक दर्शक देख सकें और इसके मिशन को समझ सके।

सहयोगात्मक जुड़ाव: रागदिसं की सोशल मीडिया की रणनीति आम जनता और पुनर्वास पेशेवरों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ी हुई है। संस्थान न केवल अपने कार्यक्रमों और आयोजनों के बारे में अपडेट साझा करता है, बल्कि मंत्रालय के ट्वीट और पोस्ट को साझा और रीट्वीट करके सहयोग भी करता है, जिससे पुनर्वास समुदाय के भीतर एक गहरा संबंध बनता है।

पीआईबी कोलकाता ने एक्स और फेसबुक पर रागदिसं के पोस्ट को साझा और रीपोस्ट किया। रागदिसं की प्रेस विज्ञप्ति पीआईबी कोलकाता की वेबसाइट पर पोस्ट की गई।

PIB in West Bengal
101K posts
320 Following 18.9K Followers
Posts
Replies
Media
NILD @nildkol · 1h
NILD observed National Doctors' Day on 1st July, 2024. On the occasion the institute organised a webinar on "Ethics in Medical Practice". Dr Firoz Chowdhury, MS (Gen. Surgery) was the speakers of the webinar. Program coordinated by the Medical Rehabilitation Department of NILD.
Divyang Empowerment and PIB Kolkata
Promote

PIB in West Bengal
108K posts
Posts
Replies
Media
NILD @nildkol · 14h
NILD, Kolkata is organizing 5-Days Residential Faculty Development Program funded and accredited by the Rehabilitation Council of India (RCI), New Delhi from 3rd to 7th March, 2025.
Shri Samik Bhattacharya, Hon'ble Member of Parliament (Rajya Sabha), inaugurated the program.
Promote
MoEF&CC @moefcc · 16h
A dedicated Centre under the Wildlife Institute of India will be established at the

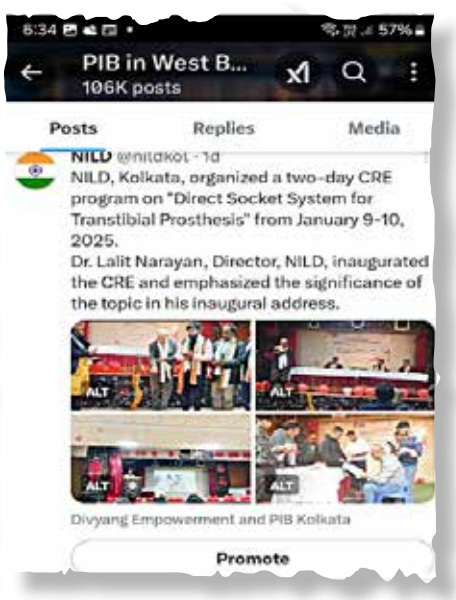
PIB in West B...
106K posts
Posts
Replies
Media
NILD @nildkol · 1d
NILD, Kolkata, organized a two-day CRE program on "Direct Socket System for Transtibial Prosthesis" from January 9-10, 2025.
Dr. Lalit Narayan, Director, NILD, inaugurated the CRE and emphasized the significance of the topic in his inaugural address.
Divyang Empowerment and PIB Kolkata
Promote

PIB in West Bengal
103K posts
Posts
Replies
Media
NILD @nildkol · 7h
NILD, Kolkata celebrated International Sign language Day, on the occasion awareness and orientation programs were organised on 23rd and 24th September, 2024 on the theme of "Sign Up for Sign Language Rights".
Divyang Empowerment and PIB Kolkata
Promote
Who to follow

PIB in West Bengal
102K posts
Posts
Replies
Media
PIB in West Bengal @PIBKolkata · 2d
#NSpDay2024 #NationalSpaceDay
The following media may contain sensitive material.
This media might include sensitive content
View · Always show me sensitive media
NILD @nildkol · 1h
NILD, Kolkata organised Identification cum Assessment camp under ADIP scheme in collaboration with Danton Manav Kalyan Kendra on 21/08/2024 at Egra-I, Purba Medinipur, West Bengal.
During the camp an Awareness program was also conducted for Divyangjan and their attendants.

PIB in West Bengal
102K posts
Joined August 2015
322 Following 18.8K Followers
Followed by PIB-SJ&E, CENTRAL BUREAU OF COMMUNICATION, SILIGURI, DD Bangla News, and 2 others
Posts
Replies
Media
PIB in West Bengal reposted
NILD @nildkol · 9h
NILD organised a distribution camp under ADIP scheme in collaboration with Uma Educational and Technical society, Uma Manovikas nagar , Kakinada, Andhra Pradesh at Kakinada District, Andhra Pradesh. Total 61 Divyangjan received 75 Aids and Appliances during the camp.

101K posts
Posts
Replies
Media
PIB in West Bengal reposted
NILD @nildkol · 2h
NILD organized one day "Workshop on Basic Life Support" in collaboration with Institute of Post Graduate Medical Education and Research- Seth Sukhlal Karnani Memorial Hospital on 19/07/2024 for Rehabilitation and Nursing Professionals. Total 36 professionals attended workshop.
Divyang Empowerment and PIB Kolkata
Promote
PIB in West Bengal reposted
PIB -Jal Shakti Ministry- #Am...
6th Meeting of Steering Committ
Ken-Betwa Link Project held in N
Delhi today.

PIB in West Bengal
104K posts
Joined August 2015
322 Following 18.8K Followers
Posts
Replies
Media
PIB in West Bengal reposted
NILD @nildkol · 1h
NILD, Kolkata organized an awareness program on the occasion of White Cane Day on 15/10/2024. Program inaugurated by Dr. Lalit Narayan, Director, NILD, Kolkata.
During the program a sensitization program and awareness rally organised for Visual impaired persons.
pib kolkata

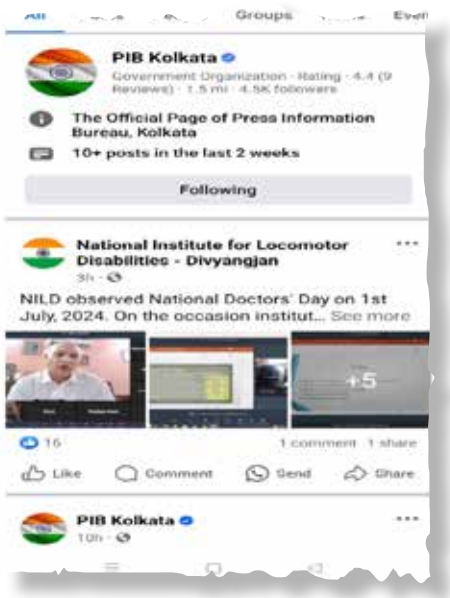
PIB Kolkata
Government Organization
The Official Page of Press Information Bureau, Kolkata
10+ posts in the last 2 weeks
Following
National Institute for Locomotor Disabilities - Divyangjan
3h
NILD observed National Doctors' Day on 1st July, 2024. On the occasion institut... See more
+5
16
1 comment 1 share
Like
Comment
Send
Share
PIB Kolkata
10h

PIB Kolkata's posts
PIB Kolkata
National Institute for Locomotor Dis...
NILD observed YOUTH SKILLS DAY-2024 on 15th July , 2024 on the theme "Yout... See more

National Institute for Locomotor Disabilities - Divyangjan
NILD observing Swachhta Pakhwada from 16th to 31st July, 2024, an awareness program *Street Play* performed by NILD student on 26th July, 2024. NILD students staged a thought-provoking street play, highlighting the importance of cleanliness and hygiene. Through their energetic performance, they conveyed the message of keeping our surroundings clean and encouraged the audience to take responsibility for a healthier environment."
Department of Empowerment of Persons with Disabilities, MSJE
Comment as National Institute for Locomotor Disabilities - Divyangjan

During this period, poster and slogan competitions will be organized for the students and employees of the institute, and awareness videos and posters will be displayed for the employees and visitors.
Department of Empowerment of Persons with Disabilities, MSJE
PIB Kolkata
Vigilance Awareness Week 2024
Comment as National Institute for Locomotor Disabilities - Divyangjan

National Institute for Locomotor Disabi...
Dr. Lalit Narayan, Director, NILD Kolkata, inaugurated the first batch of skill training program on 12th August, 2024 on "Employability Skills" for persons with locomotor disabilities in presence of Dr. Ameed Equibal, Assistant Director (Training) and Mr. Alendra Tripathi, Incharge SER, at NILD campus. A step towards inclusive growth and enhanced opportunities."
Department of Empowerment of Persons with Disabilities, MSJE
PIB Kolkata

Posts
About
Photos
More
PIB Kolkata
National Institute for Locomotor Disabilities - Divyangjan
National Institute for Locomotor Disabilities, Kolkata is organizing 5-Days Reside... See more
Like
Comment
Send
Share

National Institute for Locomotor Disabi...
On the occasion of World Braille Day on 4th January, 2024 National Institute for Lo... See more
+15

Posts
About
Videos
More
PIB Kolkata's posts
PIB Kolkata
National Institute for Locomotor Dis...
NILD observed YOUTH SKILLS DAY-2024 on 15th July , 2024 on the theme "Yout... See more

National Institute for Locomotor Disabilities - Divyangjan
NILD, Kolkata, observed International Wheelchair Day with a series of eve... See more
+8
Like
Comment
Send
Share
Pib Kolkata

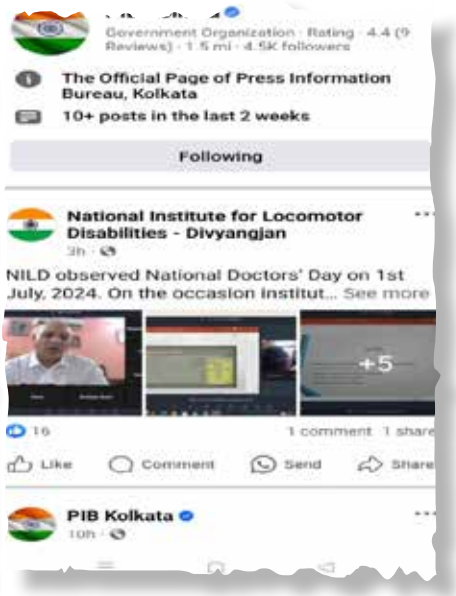
The Official Page of Press Information Bureau, Kolkata
10+ posts in the last 2 weeks
Following
National Institute for Locomotor Disabilities - Divyangjan
NILD observed National Doctors' Day on 1st July, 2024. On the occasion Institut... See more
+5
Like
Comment
Send
Share
PIB Kolkata

PIB Kolkata
21m
National Institute for Locomotor Dis...
3h
NILD observed YOUTH SKILLS DAY-2024 on 15th July , 2024 on the theme "Yout... See more

National Institute for Locomotor Disabilities - Divyangjan
10h
NILD observing Swachhta Pakhwada from 16th to 31st July, 2024, an awareness program "Street Play" performed by NILD student on 26th July, 2024. NILD students staged a thought-provoking street play, highlighting the importance of cleanliness and hygiene. Through their energetic performance, they conveyed the message of keeping our surroundings clean and encouraged the audience to take responsibility for a healthier environment."
Department of Empowerment of Persons with Disabilities, MSJE
Comment as National Institute for Locomotor Disabilities - Divyangjan

institute.
During this period, poster and slogan competitions will be organized for the students and employees of the institute, and awareness videos and posters will be displayed for the employees and visitors.
Department of Empowerment of Persons with Disabilities, MSJE
PIB Kolkata
Comment as National Institute for Locomotor Disabilities - Divyangjan

National Institute for Locomotor Disabi...
2h
Dr. Lalit Narayan, Director, NILD Kolkata, inaugurated the first batch of skill training program on 12th August, 2024 on "Employability Skills" for persons with locomotor disabilities in presence of Dr. Ameed Equibal, Assistant Director (Training) and Mr. Alendra Tripathi, Incharge SER, at NILD campus. A step towards inclusive growth and enhanced opportunities."
Department of Empowerment of Persons with Disabilities, MSJE
PIB Kolkata

Posts
About
Photos
More
PIB Kolkata
10h
National Institute for Locomotor Disabilities - Divyangjan
1d
National Institute for Locomotor Disabilities, Kolkata is organizing 5-Days Reside... See more
Like
Comment
Send
Share

National Institute for Locomotor Disabi...
17h
On the occasion of World Braille Day on 4th January, 2024 National Institute for Lo... See more

PIB Kolkata's posts
PIB Kolkata
21m
National Institute for Locomotor Dis...
3h
NILD observed YOUTH SKILLS DAY-2024 on 15th July , 2024 on the theme "Yout... See more

Pib Kolkata
6h
National Institute for Locomotor Disabilities - Divyangjan
11h
NILD, Kolkata, observed International Wheelchair Day with a series of eve... See more
Like
Comment
Send
Share
Pib Kolkata

भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2024

भारत मंडपम, नई दिल्ली

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता ने 14 से 27 नवम्बर, 2024 तक आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में भाग लिया। यह कार्यक्रम इंडियन ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन) द्वारा आयोजित किया गया था। 15 नवम्बर, 2024 को भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के स्टॉल का उद्घाटन किया।

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार द्वारा डीईपीडब्ल्यूडी (DEPwD) के स्टॉल का उद्घाटन।

रागदिसं, कोलकाता ने भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2024 में अपनी उपस्थिति को अत्यंत आकर्षक और जानकारीपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। रागदिसं के स्टॉल पर आगंतुकों को संस्थान की विभिन्न गतिविधियों, सेवाओं एवं पहलों के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई। प्रदर्शनी स्टॉल पर पुनर्वास विशेषज्ञों ने दिव्यांगजन एवं रोगियों को नि:शुल्क परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान किया तथा उनकी शंकाओं व समस्याओं का समाधान किया। स्टॉल पर *दैनिक जीवन की गतिविधियों (एडीएल) के सहायक उपकरण, कृत्रिम अंग प्रत्यंग, पोस्टर, बैनर, ऑडियो-विजुअल और मुद्रित जन-जागरूकता सामग्री* प्रदर्शित की गई। साथ ही, संस्थान की सेवाओं एवं गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी प्रस्तुत की गई।

श्री राजेश अग्रवाल, आईएएस, सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, सुश्री ऋचा शंकर, उप महानिदेशक, सहित अन्य गणमान्य अतिथि, तथा विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने रागदिसं, कोलकाता के स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने संस्थान की पहल एवं गतिविधियों की सराहना करते हुए आगंतुक-पंजी में अपने बहुमूल्य विचार एवं सुझाव दर्ज किए।

श्री राजेश अग्रवाल (आईएएस), सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, रागदिसं के स्टॉल पर।

अन्य राष्ट्रीय संस्थान, एल्मिको तथा कई सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों ने भी दिव्यांगजन से संबंधित सामग्री एवं उत्पादों की जानकारी प्रदर्शित की। यह आईआईटीएफ दिव्यांगजन एवं पुनर्वास विशेषज्ञों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ।

रागदिसं और पीडीयूएनआईपीपीडी स्टॉल की झलकियाँ

महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रमों का पालन:

ऑक्यूपेशनल थेरेपी विभाग ने विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस कार्यक्रम का समन्वयन 02/04/2024 को किया। यह कार्यक्रम ऑटिज्म के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं इसके उपचार के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

पार्किंसंस रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से, फिजियोथेरेपी विभाग द्वारा 11 अप्रैल 2024 को विश्व पाकिंसन दिवस के अवसर पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वर्चुअल दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके पश्चात श्री प्रवीन कुमार, विभागाध्यक्ष (फिजियोथेरेपी), एनआईएलडी, कोलकाता द्वारा स्वागत भाषण दिया गया।

एनआईएलडी के निदेशक, डॉ.ललित नारायण ने वक्ताओं को संबोधित किया और पार्किंसंस रोग के बारे में तथा इस रोग से पीड़ित व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता सुधार ने में पुनर्वास विशेषज्ञों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस वेबिनार के विशेषज्ञ वक्ता थे– डॉ. सस्वतो मजुमदार, सीनियर रेजिडेंट, पीएम एंड आर विभाग, नीलरतन सरकार मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, कोलकाता, एवं श्री नईमयू. जिया, वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट, स्वास्थ्य सेवाएं निदेशालय, जम्मू और कश्मीर।

कार्यक्रम में कुल 65 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें पुनर्वास विशेषज्ञ, छात्र एवं संस्थान एवं सीआरसी के स्टाफ शामिल थे। श्री सरसिज बित्त, क्लिनिकल ट्यूटर, ...

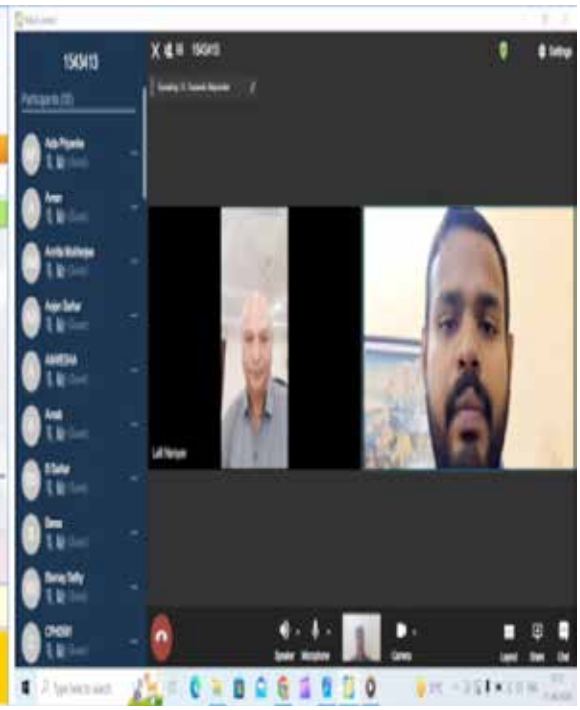

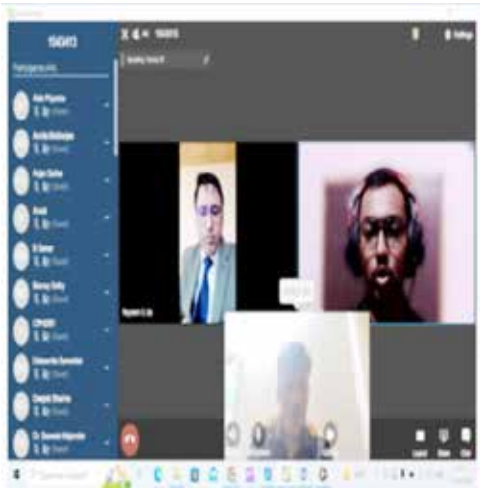

विश्व हीमोफीलिया दिवस, 2024 का आयोजन 17 अप्रैल 2024 को एनआईएलडी के बाह्यरोगी विभाग (ओपीडी) और सीडीईआईसी में किया गया। इस वर्ष की थीमथी– सभी के लिए समान पहुंच: सभी रक्तस्राव संबंधी विकारों की पहचान।

यह कार्यक्रम पुनर्वास नर्सिंग विभाग एवं मेडिकल पुनर्वास विभाग द्वारा आयोजित किया गया। इस आयोजन में लगभग 110 मरीजों और उनके परिवार के सदस्यों ने भाग लिया।

मरीजों को हीमोफीलिया, उसके कारण, लक्षण, चिकित्सा उपचार और रोकथाम से संबंधित जानकारी स्वास्थ्यवार्ता (Health Talk) के माध्यम से प्रदान की गई।

पुनर्वास नर्सिंग विभाग द्वारा विश्व थैलेसीमिया दिवस, 2024 का आयोजन 8 मई, 2024 को एनआईएलडी के बाह्यरोगी विभाग (ओपीडी) एवं सीडीईआईसी में किया गया। इस वर्ष की थीम थी–

जीवन को सशक्त बनाना, प्रगति को अपना ना: सभी के लिए समान और सुलभ थैलेसीमिया उपचार।

इस कार्यक्रम में लगभग 100 मरीजों एवं उनके परिवार के सदस्यों ने भाग लिया। मरीजों को थैलेसीमिया, उसके कारण, लक्षण, उपचार एवं रोकथाम से संबंधित जानकारी स्वास्थ्यवार्ता (Health Talk) के माध्यम से दी गई। (नोट: अंतिम पंक्ति में हीमोफीलिया की जगह थैलेसीमिया होना चाहिए था, जिसे यहां सुधार दिया गया है।)

कार्यक्रम के पश्चात इस थीम पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिस में प्रो. (डॉ.) प्रण्तर चक्रवर्ती, पूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, एनआरएस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ने व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कुल 200 प्रतिभागियों – जिनमें मरीज, पेशेवर एवं संस्थान के कर्मचारी शामिल थे– ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस, 2024 का आयोजन 13 मई 2024 को एनआईएलडी में किया गया। इस वर्ष की थीम थी–

हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। देखभाल की आर्थिक शक्ति। सुबह के सत्र का आयोजन बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में तथा दोपहर के सत्र का आयोजन प्रेक्षागृह (ऑडिटोरियम) में किया गया। यह कार्यक्रम पुनर्वास नर्सिंग विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

सुबह के सत्र में मरीजों एवं उनके परिजनों के साथ एक इंटर एक्टिव सत्र आयोजित किया गया, जिसके पश्चात आंतरिक मरीजों को फल वितरित किए गए। दोपहर के सत्र में फ्लोरेंस नाइटिंगेल के चित्र पर माल्यार्पण किया गया एवं नर्सों के महत्व एवं नर्स दिवस के उत्सव पर अतिथियों द्वारा उद्बोधन दिया गया। अतिथिगण थे: डॉ.

ए. इकबाल, सहायक निदेशक (प्रशिक्षण), एनआईएलडी श्रीमती संचित बनर्जी, कार्यकारी सदस्य, ट्रेंड नर्सेज एसोसिएशन ऑफ इंडिया (TNAI)

प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स विभाग द्वारा वैश्विक सुलभता जागरूकता दिवस - 2024 के अवसर पर दिनांक 16 मई 2024 को दिव्यांगजन एवं मरीजों के लिए उभरती डिजिटल सुलभता एवं समावेशन विषय पुनर्वास परिषद भारत (RCI) द्वारा मान्यता प्राप्त सीआरई वेबिनार एवं क्विज प्रतियोगिता का समन्वयन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 106 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

विश्व मल्टिपल स्क्लेरोसिस दिवस 2024 का आयोजन फिजियोथेरेपी विभाग, राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन (रागदिसं), कोलकाता द्वारा 30 मई 2024 को किया गया। जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से, 30 मई 2024 को एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार के मुख्य वक्ता थे: डॉ. अमीद इकबाल, सहायक निदेशक (प्रशिक्षण), रागदिसं, कोलकाता। डॉ. प्रभात रंजन, फिजियोथेरेपिस्ट, न्यूरोलॉजी विभाग, AIIMS, नई दिल्ली

इस वेबिनार में कुल 72 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संस्थान के विभिन्न विभागों के स्टाफ, पुनर्वास विशेषज्ञ एवं छात्रों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन पत्रलिका नाथ, प्राध्यापक रागदिसं, कोलकाता द्वारा किया गया।

विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर, मेडिकल पुनर्वास विभाग, राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन, कोलकाता द्वारा प्रगति के माध्यम से आशा: सिकल सेल देखभाल को वैश्विक स्तर पर बढ़ाना विषय पर एक वेबिनार का आयोजन 19 जून, 2024 को किया गया।

इस वेबिनार के मुख्य वक्ता थे:

डॉ. तुफान कांति डोलाई, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, रक्तविज्ञान विभाग, एनआरएस मेडिकल कॉलेज, कोलकाता

डॉ. सुभाषिश पाटी, सहायक प्रोफेसर, नॉर्थ बंगाल मेडिकल कॉलेज

एनआईएलडी के निदेशक डॉ. ललित नारायण ने 27 जून 2024 को दृष्टिबाधित इकाई द्वारा आयोजित हेलेन केलर दिवस कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस कार्यक्रम में कुल 51 दृष्टिबाधित दिव्यांगजन प्रतिभागियों ने भाग लिया।

मेडिकल पुनर्वास विभाग, एनआईएलडी, कोलकाता द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस 2024 का आयोजन 1 जुलाई 2024 (सोमवार) को किया गया। इस अवसर पर हीलिंग हैंड्स, केयरिंगहार्ट्स थीम पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का उद्घाटन डॉ. ललित नारायण, निदेशक, एनआईएलडी द्वारा किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता थे डॉ. फिरोजचौधरी, एम.एस. (सामान्य शल्यचिकित्सा), जिन्होंने चिकित्सा प्रथा में नैतिकता विषय पर व्याख्यान दिया।

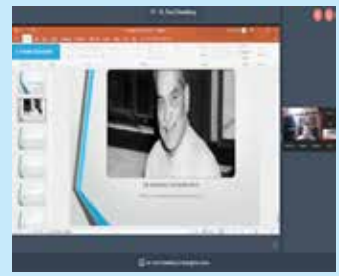

फिजियोथेरेपी विभाग, एनआईएलडी, कोलकाता द्वारा 5 सितंबर 2024 को विश्व स्पाइनल कॉर्ड इंजरी दिवस का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम थी– हिंसा समाप्त करें – स्पाइनल कॉर्ड की सुरक्षा करें। इस अवसर पर विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें शामिल थे:

सड़क नाटक मरीजों की सहभागिता वाली गतिविधियाँ व्हीलचेयर रेस स्पाइनल कॉर्ड इंजरी मरीजों एवं छात्रों के लिए प्रतियोगिताएं एवं मरीजों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम मरीजों एवं छात्रों को पुरस्कार वितरण।

फिजियोथेरेपी विभाग, एनआईएलडी, कोलकाता द्वारा 7 सितंबर 2024 को विश्व डुचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी दिवस के अवसर पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार के मुख्य वक्ता थे: डॉ. शंकरडे, रेजिडेंट, आईपीजीएमईआर एवं एसएसकेएम अस्पताल, कोलकाता, श्री बिनय कुमार पांडे, सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, फिजियोथेरेपी विभाग, आईजीआईएमएस, पटना, श्री नीरज मिश्रा, ऑक्यूपेशनलथैरेपिस्ट, न्यूरोलॉजीविभाग, जीआईपीएमईआर, नई दिल्ली।

इस वेबिनार में 70 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के विभिन्न विभागों के स्टाफ, पुनर्वास विशेषज्ञ जैसेकि फिजियोथेरेपिस्ट, ऑक्यूपेशनलथैरेपिस्ट, प्रोस्थेटिस्ट एवं ऑर्थोटिस्ट, विशेष शिक्षक, तथा छात्र शामिल थे।

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर, फिजियोथेरेपी विभाग ने 05 से 09 सितम्बर 2024 तक एनआईएलडी, कोलकाता में विभिन्न कार्यक्रमों एवं जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया। इस वर्ष का विषय लो बैक पेन (कमर दर्द) था। जागरूकता कार्यक्रम में एनआईएलडी, कोलकाता में वीडियो प्रदर्शन तथा वृद्धाश्रम में वार्ता शामिल थी। आयोजनों में 5 सितम्बर 2024 को स्ट्रीट प्ले, रील्स, पोस्टर, क्विज जैसी प्रतियोगिताएँ और 8 सितम्बर 2024 को सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्मिलित थे।

कार्यक्रम का समापन विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता छात्रों को पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ हुआ। इस अवसर पर लगभग 450 लोगों ने भाग लिया, जिनमें कर्मचारी, छात्र-छात्राएँ और मरीज शामिल थे।

एनआईएलडी, कोलकाता ने अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस मनाया। इस अवसर पर जागरूकता एवं अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका विषय था सांकेतिक भाषा का अधिकार। दिनांक 23 सितम्बर 2024 को संस्थान द्वारा ओपीडी क्षेत्र में बैनर एवं सांकेतिक भाषा से संबंधित जागरूकता सामग्री के माध्यम से कर्मचारियों, विद्यार्थियों, दिव्यांगजन एवं आगंतुकों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में वक्ता श्रीमती इंदिरा घोष (आईएसएल इंटरप्रेटर एवं समन्वयक) ने सांकेतिक भाषा का बुनियादी ज्ञान समझाया और विभिन्न संवादात्मक शब्दों का प्रदर्शन किया। दो श्रवणबाधित व्यक्तियों – श्री रवींद्रनाथ सरकार (मास्टर ट्रेनर) एवं श्री आकाश सोनी (ट्रेनर), ईआरसी-एजेजेएनआईएसएचडी, कोलकाता – ने अपनी सफलता की कहानियाँ साझा कीं। इस कार्यक्रम का समन्वयन मिस एम. श्रीयालक्ष्मी (विशेष शिक्षक, एसईआर विभाग, एनआईएलडी) ने किया। सभी

प्रतिभागियों ने शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया तथा मौखिक एवं सांकेतिक भाषा में राष्ट्रीय गान प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में कुल 108 प्रतिभागी उपस्थित थे।

ऑक्यूपेशनल थेरेपी विभाग ने 06 अक्टूबर 2024 को विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस कार्यक्रम का समन्वय किया। यह कार्यक्रम इस स्थिति के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

ऑक्यूपेशनल थेरेपी विभाग ने 08 अक्टूबर 2024 को विश्व डिस्लेक्सिया दिवस कार्यक्रम का समन्वय किया। यह कार्यक्रम इस स्थिति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

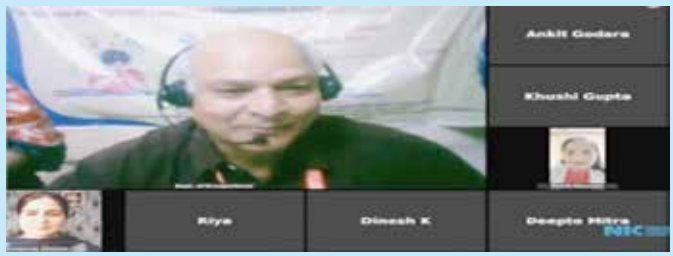

रागदिसं 10 अक्टूबर 2024 को 'विश्व दृष्टि दिवस' के अवसर पर एक वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. ललित नारायण, निदेशक, एनआईएलडी कोलकाता द्वारा किया गया। इस वेबिनार में श्री प्रियंबद लश्कर (कंसल्टेंट ऑप्टोमेट्रिस्ट) मुख्य वक्ता रहे। उनके प्रस्तुतीकरण का विषय था – 'नेत्र स्वास्थ्य और देखभाल बनाए रखना'। कार्यक्रम में दृष्टिबाधित व्यक्तियों, उनके अभिभावकों, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

एनआईएलडी कोलकाता के निदेशक डॉ. ललित नारायण ने 15 अक्टूबर 2024 को व्हाइट केन डे के अवसर पर वीआई यूनिट द्वारा आयोजित जागरूकता रैली में भाग लिया। इस रैली में 39 दृष्टिबाधित दिव्यांगजन ने भी सहभागिता की।

एनआईएलडी के पी एंड ओ विभाग ने 25 अक्टूबर 2024 को अंतर्राष्ट्रीय बौनापन जागरूकता दिवस के अवसर पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का उद्घाटन एनआईएलडी के निदेशक डॉ. ललित नारायण ने किया तथा पोस्टर प्रतियोगिता के विजेता को पुरस्कार प्रदान किया। इस वेबिनार में संसाधन व्यक्ति के रूप में डॉ. नंदिनी घोष (सहायक प्रोफेसर, इंस्टिट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, कोलकाता) एवं श्री आनंद भौमिक (सोशल वर्कर, लव जस्टिस इंटरनेशनल) उपस्थित रहे। वेबिनार के दौरान संसाधन व्यक्तियों ने बौनापन से ग्रसित व्यक्तियों के जीवन की चुनौतियों तथा फिल्म उद्योग और सोशल मीडिया में उनके प्रतिनिधित्व एवं योगदान पर प्रकाश डाला।

ऑक्यूपेशनल थेरेपी विभाग ने 27 अक्टूबर 2024 को विश्व ऑक्यूपेशनल थेरेपी दिवस कार्यक्रम का समन्वय किया। यह कार्यक्रम ऑक्यूपेशनल थेरेपी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

एनआईएलडी, कोलकाता के फिजियोथेरेपी विभाग ने 29 अक्टूबर 2024 को विश्व स्ट्रोक दिवस का आयोजन किया। इस वर्ष का विषय था-'ग्रेटर देन स्ट्रोक'। कार्यक्रम में विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें स्ट्रीट प्ले, रोगियों की गतिविधियाँ और जागरूकता सत्र शामिल थे। कार्यक्रम में रोगियों के लिए जागरूकता व चर्चा सत्र आयोजित किया गया, जिसमें रोगियों के अनुभव साझा किए गए। सत्र में स्ट्रोक रोगियों के लिए चिकित्सा एवं पुनर्वास उपचार पर प्रकाश डाला गया। इस सत्र के वक्ता थे: डॉ. अमीद इकबाल, सहायक प्रोफेसर एवं सहायक निदेशक (प्रशिक्षण), श्री प्रवीन कुमार, सहायक प्रोफेसर एवं HOD (PT) श्री जीतेंद्र मोहापात्र, लेक्चरर (OT), श्री प्रकाश साहू, डिमोंस्ट्रेटर (PO), एनआईएलडी, कोलकाता कार्यक्रम का समापन रोगियों के लिए पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ।

पी एंड ओ विभाग ने 05 नवम्बर 2024 को अंतर्राष्ट्रीय कृत्रिम अंग प्रत्यंग दिवस-2025 का समन्वय किया। इस कार्यक्रम में कुल 108 प्रोफेशनल्स ने सहभागिता की।

सीडीईआईसी, एनआईएलडी ने 14 नवम्बर 2024 को बाल दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर बहुदिव्यांग बच्चों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मैजिक शो का आयोजन किया गया।

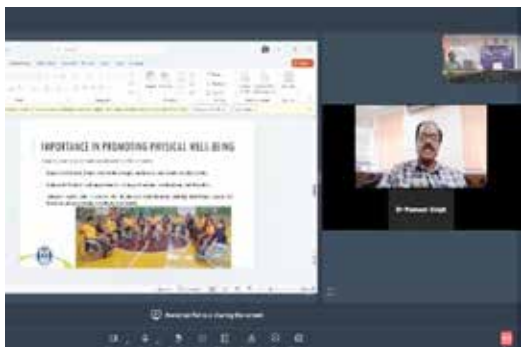

पी एंड ओ विभाग ने 23 नवम्बर 2024 को यूथ स्पोर्ट्स फेस्टिवल-2024

के अवसर पर दिव्यांगजन के शारीरिक एवं मानसिक जीवन गुणवत्ता पर अनुकूली खेल विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

एनआईएलडी ने 26 नवम्बर 2024 को संविधान दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर लगभग 100 अधिकारियों ने संविधान का पालन करने की शपथ ली, जिसका संचालन डॉ. ललित नारायण, निदेशक, एनआईएलडी द्वारा किया गया। एनआईएलडी के अधिकारियों ने इस महत्वपूर्ण अवसर को चिह्नित करने के लिए ऑनलाइन शपथ भी ली। कार्यक्रम का समन्वयन एस्टेट विभाग ने किया।

12 दिसंबर 2024 को रागदिसं, कोलकाता में यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे, 2024 मनाया गया। इस कार्यक्रम का समन्वयन पुनर्वास नर्सिंग (शैक्षणिक) विभाग, रागदिसं द्वारा किया गया और कार्यक्रम में डॉ. ललित नारायण, निदेशक, रागिदसं ने भाग लिया। कार्यक्रम में सरकारी स्वास्थ्य कवरेज योजनाओं के बारे में जागरूकता सत्र शामिल था। इसके अंतर्गत रागिदसं के आउटडोर में 70 रोगियों और उनके परिचरकों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की गई।

दृ.बा. यूनिट द्वारा 4 जनवरी 2025 को विश्व ब्रेल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 53 दृष्टिबाधित दिव्यांगजन बिड़ला इंडसाट्रयल एंड टेक्नोलॉजिकल म्यूजियम का दौरा करने गए।

साआपु विभाग ने 13 जनवरी 2025 को राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन किया, जिसका विषय था: दिव्यांगजन के लिए सहानुभूति, शक्ति और सेवा की भूमिका: समावेशी समाज के लिए युवाओं को सशक्त बनाना।मुख्य अतिथि एवं संसाधन व्यक्ति के रूप में स्वामी कालेशानंद, रजिस्ट्रार, रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थान उपस्थित रहे, और ब्रह्मचारी मानस दीप महाराज ने भी कार्यक्रम को गौरवान्वित किया। इस कार्यक्रम में कुल 137 शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे। कार्यक्रम ने सभी को स्वामी विवेकानंद द्वारा प्रतिपादित सहानुभूति, शक्ति और सेवा के सिद्धांतों को अपनाकर समावेशी समाज के निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा दी।

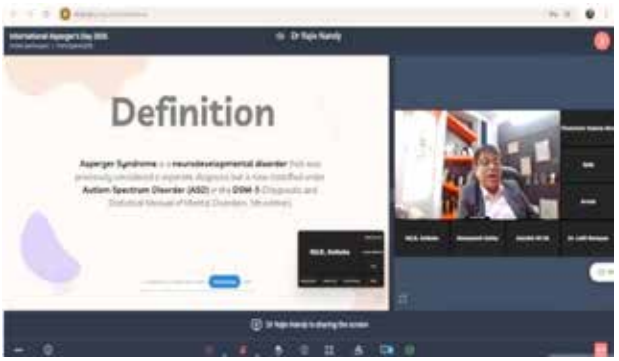

ऑक्यूपेशनल थेरेपी विभाग ने 18 फरवरी 2025 को विश्व एस्पर्जर्स दिवस कार्यक्रम का समन्वय किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एस्पर्जर्स सिंड्रोम के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

एनआईएलडी, कोलकाता ने 20 फरवरी 2025 को एनआईएलडी ऑडिटोरियम में विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाया। कार्यक्रम के संसाधन व्यक्ति के रूप में प्रोफेसर अनिल कुमार सरकार ने लगभग 90 मिनट का प्रस्तुतीकरण दिया, जिसमें कार्यक्रम के विषय पर चर्चा की गई। उद्घाटन भाषण डॉ. ललित नारायण, निदेशक, एनआईएलडी ने दिया। इस कार्यक्रम में लगभग 150 प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी की, जिनमें दिव्यांगजन, अभिभावक, परिचरक, शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएँ शामिल थे।

पी एंड ओ विभाग ने 1 मार्च 2025 को विश्व व्हीलचेयर दिवस के अवसर पर व्हीलचेयर तकनीक में नवाचार और व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं के लिए खेल एवं मनोरंजन विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कुल 190 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस 21 मार्च 2025 को मनाया गया। इस अवसर पर क्रॉस डिसएबिलिटी अर्ली इंटरवेंशन फॉर चिल्ड्रेन विद डिसएबिलिटीज विषय पर 50 प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही सीडीईआईसी में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

रागदिसं, कोलकाता ने 21 जून 2024 को 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिव्यांगजन, एनआईएलडी के छात्रों एवं कर्मचारियों के लिए योग सत्र का आयोजन किया। यह सत्र योग विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। लगभग 700 दिव्यांगजन, कर्मचारी और छात्र इस सत्र में उपस्थित हुए, जिन्होंने योग करने में गहरी रुचि दिखाई और योग गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2024 की काउंटडाउन श्रृंखला के हिस्से के रूप में संस्थान ने 12 जून 2024 को दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष योग सत्र और 19 जून 2024 को संस्थान के छात्रों एवं कर्मचारियों के लिए योग आसनों एवं ध्यान पर वेबिनार का आयोजन भी किया। कार्यक्रम का समन्वयन पुनर्वास नर्सिंग विभाग द्वारा किया गया।

स्वतंत्रता दिवस

संस्थान ने 15 अगस्त 2024 को स्वतंत्रता दिवस मनाया। समारोह की शुरुआत सुरक्षा कर्मचारियों द्वारा मार्च पास्ट से हुई। डॉ. ललित नारायण, निदेशक, रागिदसं ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। संस्थान के अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय गान गाया गया। कर्मचारी, छात्र और रोगियों ने स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग को याद किया और अपने कर्तव्यों एवं संस्थान के प्रति योगदान के लिए प्रेरित हुए। स्वतंत्रता दिवस के उत्सव में कर्मचारी, छात्र और दिव्यांगजन/रोगियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

राष्ट्रीय एकता दिवस

संस्थान ने 31 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया, जो सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर रागदिसं के अधिकारी, छात्र और दिव्यांगजन ने एकता की शपथ ली, रैली में भाग लिया और सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके पद पूजा की। कार्यक्रम का समन्वयन एस्टेट विभाग ने किया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

संस्थान ने 28 अक्टूबर से 3 नवम्बर 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया, जिसका विषय था: भ्रष्टाचार को ना कहें; राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध रहें। 28 अक्टूबर 2024 को संस्थान के कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से ईमानदारी की शपथ ली। सप्ताहभर में कर्मचारियों और छात्रों के लिए वाक्चातुर्य, नारा और पोस्टर प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। जागरूकता कार्यक्रम के तहत वीडियो और पोस्टर प्रदर्शन के माध्यम से कर्मचारियों, छात्रों और दिव्यांगजन/रोगियों को भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस

कोलकाता में 2 से 3 दिसंबर 2024 तक अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे डॉ. रामजी सिंह, निदेशक, एम्स, कल्याणी थे। इस अवसर पर संस्थान ने जागरूकता रैली, वाद-विवाद, पोस्टर, नारा, क्विज, निबंध, फेयर, सिट एंड ड्रॉ प्रतियोगिता, मेगा स्पोर्ट्स और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को रागदिसं के निदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता दिव्यांग श्री रुपांजा सेन और श्री कोरोक बिस्वास को निदेशक, रागदिसं द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन साआपु विभाग द्वारा किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा

संस्थान ने 16 से 31 जुलाई 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया। इस दौरान रागदिसं के अधिकारियों ने स्वच्छता शपथ, पोस्टर प्रतियोगिता और नुक्कड़ नाटक में भाग लिया। स्वच्छता पखवाड़े के अतिरिक्त, वर्षभर स्वच्छ भारत मिशन के तहत विशेष सफाई अभियान भी समय-समय पर आयोजित किए गए। कर्मचारी और छात्र-छात्राएँ सफाई में उत्साहपूर्वक भाग लेने के साथ संस्थान के विभिन्न हिस्सों की सफाई में सक्रिय रहे।

गणतंत्र दिवस

संस्थान ने 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस मनाया। समारोह की शुरुआत सुरक्षा कर्मचारियों द्वारा मार्च पास्ट से हुई। डॉ. ललित, निदेशक ने संस्थान के अधिकारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रीय गान गाया गया। अपने संबोधन में निदेशक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने कर्मचारियों को संस्थान के विकास में योगदान और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में उप-निदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा संस्थान में भर्ती रोगियों को स्नैक्स पैकेट वितरित किए गए।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

रागिदसं, कोलकाता ने 10 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. ललित नारायण, निदेशक, रागदिसं ने दीप प्रज्वलन करके किया, जिसमें श्री सौगाता बनर्जी, उप-निदेशक (प्रशासन) मुख्य अतिथि और डॉ. पायल राय चौधरी दत्त, समन्वयक, मानवाधिकार और मानव विकास विभाग, रवींद्र भारती विश्वविद्यालय मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। डॉ. पायेल राय चौधरी ने कार्यक्रम के विषय पर सत्र प्रस्तुत किया। इसके अलावा, एनआईएलडी के कर्मचारियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

अध्याय 8

संगठनात्मक चार्ट

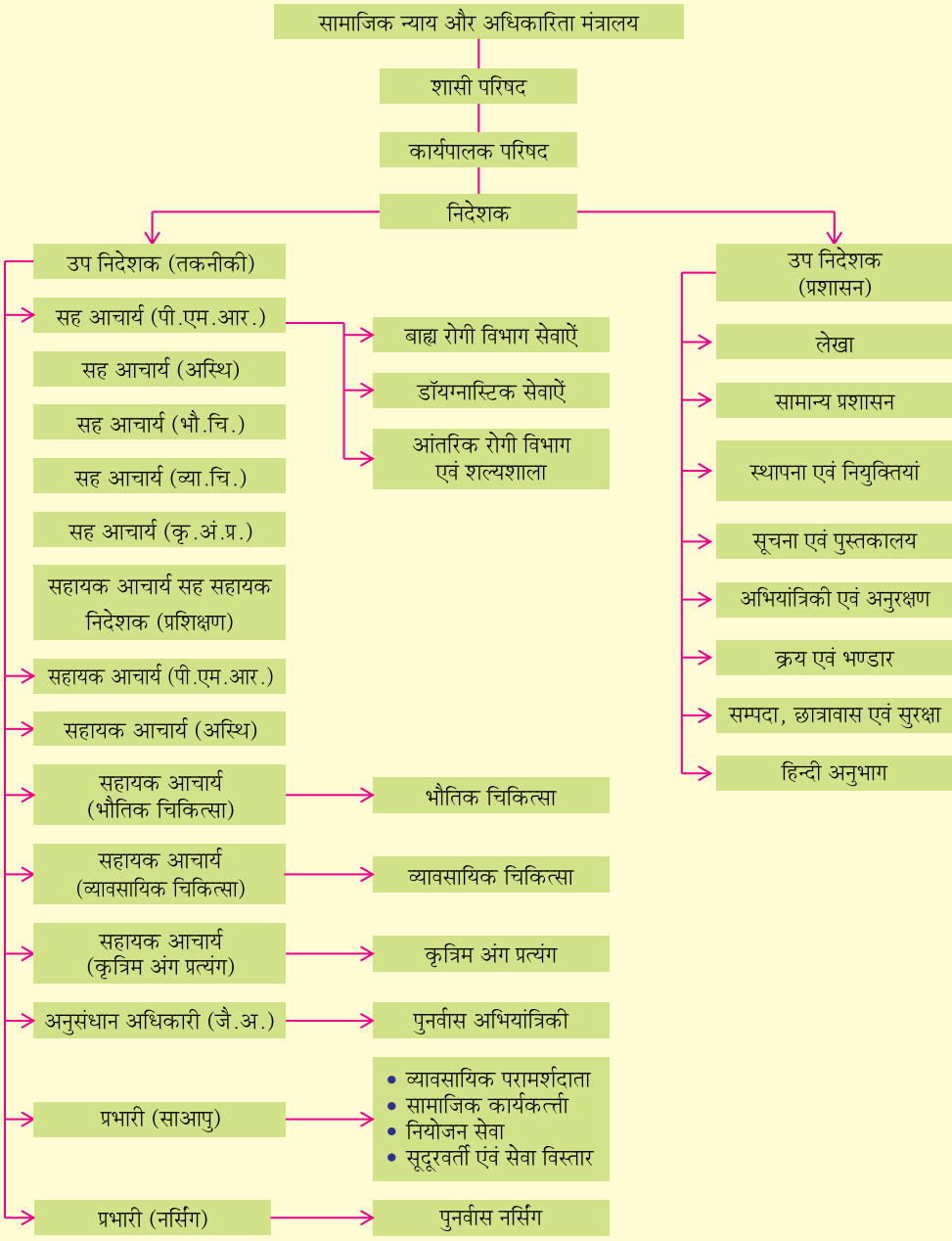

कार्मिकगण

वर्ष (01-04-2024 से 31-03-2025) तक एसआईयू मुल्यांकन रिपोर्ट के बाद विभिन्न पदों पर स्वीकृत पद

वर्ग	स्वीकृत पद	पूरित पद	रिक्त पद	पदों की संख्या को समाप्त किया जा सकता है। जैसे ही मौजूदा पदाधिकारी सेवानिवृत्ति/इस्तीफे देते है अथवा वर्तमान पदधारी पद को छोड़ देते जो भी पहले / संभव है उस पद को समाप्त किया जा सकता है अथवा पुनर्नियोजन किया जा सकता है	पदों के पुन: प्रवर्तन के अधीन
समूह-क	33	14	19	03	13
समूह-ख	37	35	02	03	--
समूह-ग	39	33	06	01	01
अधिसंख्य पद समूह -घ	02	02	--	02	--
कुल	**111**	**84**	**27**	**09**	**14**

नई नियुक्ति (01-04-2024 से 31-03-2025 अवधि तक)

क्र. सं.	नाम	पदनाम	वर्ग	नियुक्ति का दिनांक
01	श्री नवदीप मीना	स्टाफ नर्स	समूह-ख	22-04-2024
02	श्रीमती शायनी पोंडा	स्टाफ नर्स	समूह-ख	29-04-2024
03	श्रीमती एम श्रीयालक्ष्मी	विशेष शिक्षक	समूह-ख	27-06-2024
04	श्री सुधीर दीक्षित	सहायक भण्डारपाल	समूह-ग	24-06-2024
05	श्री सरोज करनार	इलेक्ट्रीशियन सह जनरेटर प्रचालक(आवासीय)	समूह-ग	03-07-2024
06	डॉ.श्रीपर्नादास	महिला चिकित्सा अधिकारी	समूह-क	04-10-2024
07	श्रीमती इन्द्राणी सेन	अवर श्रेणी लिपिक	समूह-ग	20-01-2025

विभागीय पदनोन्नती समिति (01-04-2024 से 31-03-2025अवधि तक) (01-04-2023 से 31-03-2024 अवधि तक)

क्र. सं.	नाम	पदोन्नति	वर्ग	पदोन्नति का दिनांक
01	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

सेवानिवृत्ति, (01/04/2023 mes 31.03.2024 अवधि तक)

क्रं.सं	नाम	पदनाम	वर्ग	सेवानिवृत्ति का दिनांक
01	श्री तापस नाथ	पुरुष आया	समूह-ग	30-04-2024
02	श्री चित्रभानु चक्रवर्ती	पुस्तकालय सहायक	समूह-ग	31-05-2024
03	श्रीमती मालिना रॉय	बहु-कार्य कर्मचारी	समूह-ग	30-11-2024
04	श्री विश्वनाथ चटर्जी	एमटीएस	समूह-ग	30-11-2024

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति /अन्य पिछड़ा वर्ग/दिव्यांगजन (श्र.दि.) द्द.दि.)/अल्पसंख्यक के अंतर्गत कर्मचारियों की सूची

समूह	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अ.दि.	श्र.दि	द्द.दि	अल्पसंख्यक
समूह -क	--	01	03	शून्य	शून्य	शून्य	02
समूह -ख	06	03	09	01	01	शून्य	01
समूह -ग	14	01	03	02	शून्य	01	02
कुल	20	05	15	03	01	01	05

31.03.2024 (01.04.2024 से 31.03.2025) तक कार्यरत कर्मी

क्र. सं.	पदनाम समूह-क	पदोंकी सं	पूरित पद	रिक्त पद	वेतनमान	एसआईयू द्वारा रद्द किये गये पद
01	निदेशक	01	01	--	लेवेल-13	--
02	उप निदेशक (तकनीकी)	01	--	01	लेवेल-13	--
03	उप निदेशक (प्रशासन)	01	01	--	लेवेल-12	--
04	सह आचार्य (पीएमआर)	01	--	01	लेवेल-12	--
05	सह आचार्य(अस्थि)	01	--	01	लेवेल-12	--
06	सह आचार्य (कृअंप्र)	01	--	01	लेवेल-12	--
07	सहआचार्य (भौ.चि.)	01	--	01	लेवेल-12	--
08	सह आचार्य (व्या.चि.)	01	01	--	लेवेल-12	--
09	सहायक आचार्य (पीएमआर)	02	--	02	लेवेल-11	--
10	सहायक आचार्य (अस्थि)	02	--	02	लेवेल-11	--
11	सहायक आचार्य सह सहायक निदेशक (प्रशिक्षण)	01	01	-	लेवेल-11	--
12	लेखा अधिकारी	01	01	--	लेवेल-11	--
13	सहायक आचार्य (कृअंप्र)	01	01	--	लेवेल-11	--
14	सहायक आचार्य (भौ.चि.)	01	01	--	लेवेल-11	--
15	सहायक आचार्य (व्या.चि.)	01	--	01	लेवेल-11	--
16	सहायक आचार्य (पुनर्वास)	01	--	01	लेवेल-11	--
17	निवासी चिकित्सा अधिकारी	02	01	01	लेवेल-10	--
18	निवासी चिकित्सा अधिकारी सह संज्ञाहरक	01	01	--	लेवेल-10	--
19	महिला चिकित्सा अधिकारी	01	01	--	लेवेल-10	--
20	प्राध्यापक (प्रोस्थेटिक्स)	01	--	01	लेवेल-10	--
21	प्राध्यापक (ऑर्थोटिक्स)	01	--	01	लेवेल-10	--
22	प्राध्यापक (भौ.चि.)	02	--	02	लेवेल-10	--
23	प्राध्यापक (व्या.चि.)	02	01	01	लेवेल-10	--
24	प्राध्यापक (नर्सिंग)	01	--	01	लेवेल-10	--
25	अनुसंधान अधिकारी (जै.अ.)	01	01	--	लेवेल-10	01
26	प्राध्यापक (साआपु)	01	--	01	लेवेल-10	--
27	कार्यक्रम अधिकारी	01	01	--	लेवेल-10	01
28	प्राध्यापक सह सहायक नर्सिंग पर्यवेक्षक	01	01	--	लेवेल-10	01
	कुल	**33**	**14**	**19**		**03**

* (03) पदों को समाप्त किया जा सकता है। जैसे ही मौजूदा पदाधिकारी सेवानिवृत्ति/इस्तीफा देते है अथवा वर्तमान पदधारी पद को छोड़ देते है जो भी पहले / संभव है उस पद को समाप्त किया जा सकता है अथवा पुनर्नियोजन किया जा सकता है।

क्र. सं.	पदनाम समूह-क	पदों की सं	पूरित पद	रिक्त पद	वेतनमान	एसआईयू द्वारा रद्द किये गये पद
01	नैदानिक अनुदेशक सह नर्सिंग सिस्टर	02	02	--	लेवेल-08	**02**
02	सम्पदा अधिकारी	01	01	--	लेवेल-07	--
03	वरिष्ठ भौतिक चिकित्सक सह कनिष्ठ प्राध्यापक	01	01	--	लेवेल-07	--
04	वरिष्ठ व्यावसायिक चिकित्सक सह कनिष्ठ प्राध्यापक	01	01	--	लेवेल-07	--
05	सेवा विस्तार अधिकारी	01	01	--	लेवेल-07	--
06	स्टाफ नर्स	08	06	02	लेवेल-07	--
07	निदेशक के निजी सहायक	01	01	--	लेवेल-06	--
08	पैथोलॉजी तकनीशियन	01	01	--	लेवेल-06	--
09	एकस-रे तकनीशियन	01	01	--	लेवेल-06	--
10	सहायक	01	01	--	लेवेल-06	--
11	लेखाकार	01	01	--	लेवेल-06	--
12	निदर्शक (प्रोस्थेटिक्स)	01	01	--	लेवेल-06	--
13	निदर्शक (आर्थोटिक्स	02	02	--	लेवेल-06	--
14	कनिष्ठ आर्थोटिस्ट	01	01	--	लेवेल-06	--
15	कनिष्ठ प्रोस्थेटिक्स	01	01	--	लेवेल-06	--
16	निदर्शक (भौ.चि.)	02	02	--	लेवेल-06	--
17	निदर्शक (व्या.चि.)	02	02	--	लेवेल-06	--
18	भौतिक चिकित्सक	02	02	--	लेवेल-06	--
19	व्यावसायिक चिकित्सक	02	02	--	लेवेल-06	--
20	मीडिया अधिकारी	01	01	--	लेवेल-06	**01**
21	विशेष शिक्षक	01	01	--	लेवेल-06	--
22	वरिष्ठ भण्डारपाल	01	01	--	लेवेल-06	--
23	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)	01	01	--	लेवेल-06	--
24	पुस्तकालयाध्यक्ष	01	01	--	लेवेल-06	--
	कुल	**37**	**35**		**02**	**03**

* (03) पदों को समाप्त किया जा सकता है। जैसे ही मौजूदा पदाधिकारी सेवानिवृत्ति/इस्तीफा देते है अथवा वर्तमान पदधारी पद को छोड़ देते है जो भी पहले / संभव है उस पद को समाप्त किया जा सकता है अथवा पुनर्नियोजन किया जा सकता है।

31.03.2025 तक कार्यरत कर्मी

क्र. सं.	पदनाम समूह-क	पदोंकी सं	पूरित पद	रिक्त पद	वेतनमान	एसआईयू द्वारा रद्द किये गये पद
01	हिन्दी अनुवादक	01	01	--	लेवेल-05	--
02	खजांची	01	01	--	लेवेल-05	--
03	आशुलिपिक- ग्रेड-III	01	01	--	लेवेल-04	--
04	वरिष्ट शल्य शाला तकनीशियन	01	01	--	लेवेल-04	--
05	ईएमजी तकनीशियन	01	01	--	लेवेल-04	--
06	प्रयोगशाला तकनीशियन	01	01	--	लेवेल-04	--
07	प्रवर श्रेणी लिपिक	06	05	01	लेवेल-04	--
08	सहायक भण्डारपाल	01	01	--	लेवेल-04	--
09	पुस्तकालय सहायक	01	--	01	लेवेल-04	--
10	शल्याशाला तकनीशियन	01	01	--	लेवेल-04	--
11	अवर श्रेणी लिपिक	06	06	--	लेवेल-02	--
12	टंकक	02	01	01	लेवेल-02	--
13	सर्जिकल बुट मेकर -ग्रेड-III	01	01	--	लेवेल-02	--
14	भौतिक चिकित्सा सहायक	01	01	--	लेवेल-02	01
15	मल्टी टास्किंग स्टाफ	12	09	03	लेवेल-01	--
16	बिजली मिस्त्री सह जनरेटर प्रचालक (आवासीय)	01	01	--	लेवेल-01	--
17	बिजली मिस्त्री सह पम्प प्रचालक (आवासीय)	01	01	--	लेवेल-01	--
कुल		**39**	**33**		**06**	**01**
01	अधिसंख्य पद समूह -घ डमंत्रालय के पत्रांक एफ. संख्या 12-5/2007-एनआई दिनांक 16.08.2018 और 25.09.2018 द्वारा स्वीकृत	02	02	--	लेवेल-01	02
कुल		02	02	00		02

* (03) पदों को समाप्त किया जा सकता है।जैसे ही मौजूदा पदाधिकारी सेवानिवृत्ति /इस्तीफा देते है अथवा वर्तमान पदधारी पद को छोड़ देते है जो भी पहले / संभव है उस पद को समाप्त किया जा सकता है अथवा पुनर्नियोजन किया जा सकता है।

सिविल इंजीनियरिंग एवं सम्पदा विभाग

रागदिसं,कोलकाता का सम्पदा एवं सिविल अभियांत्रिकी विभाग संस्थान की संरचनात्मक देखभाल, उन्नयन और विस्तार में एक केंद्रीय भूमिका निभाता है। यह विभाग दिव्यांगजन की बढ़ती आवश्यकताओं के-साथ संस्थान की शैक्षणिक, आवासीय और सेवा-संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु निरंतर प्रयासरत है।

विभाग का उद्देश्य संस्थान के मुख्य परिसर एवं इसके क्षेत्रीय और समेकित क्षेत्रिय केन्द्रों में सुरक्षित, सुलभ और सतत सुविधाएँ सुनिश्चित करना है, ताकि सभी उपयोगकर्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और भरोसेमंद सेवाएँ उपलब्ध हो सकें।

महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ

- मुख्य परिसर में नागरिक संरचनाओं और विद्युत प्रतिष्ठानों का नियमित रखरखाव।
- प्रमुख निर्माण और आधुनिकीकरण परियोजनाओं का कार्यान्वयन और पर्यवेक्षण।
- क्षेत्रीय केंद्रों (आरसी) और समग्र क्षेत्रीय केंद्रों (सीआरसी) के लिए बुनियादी ढाँचा की देखभाल और रखरखाव।
- आउटसोर्स की गई जनशक्ति और बुनियादी ढाँचा सेवाओं के लिए वैधानिक दिशानिर्देशों का अनुपालन।

प्रमुख उपलब्धियाँ 2024-25

पूर्ण परियोजनाएँ:

आवासीय क्वार्टरों का नवीनीकरण:

कर्मचारियों के आरामदायक जीवन को सुनिश्चित करने के लिए ए, बी और सी प्रकार के स्टाफ क्वार्टरों के सामान्य क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों का नवीनीकरण।

सुगम्यता अवसंरचना:

दिव्यांगजनों के लिए परिसर की सुगम्यता बढ़ाने हेतु -मुक्त बाहरी शौचालय परिसर का निर्माण।

जारी परियोजनाएँ:

हरित ऊर्जा पहल:

नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए ग्रिड से जुड़े रूफटॉप सौर फोटोवोल्टिक पावर प्लांट की स्थापना।

शैक्षणिक ब्लॉक का उन्नयन:

आधुनिक शिक्षण वातावरण के लिए नए शैक्षणिक भवन में फाल्स सीलिंग और एक केंद्रीकृत एयर कंडीशनिंग प्रणाली की स्थापना।

अग्नि सुरक्षा उन्नयन:

मुख्य संस्थान भवन में अग्नि हाइड्रेंट प्रणाली, अग्नि सायरन और अग्नि अलार्म/डिटेक्शन प्रणालियों की स्थापना।

जल आपुर्ति अवसंरचना:

निर्बाध जल वितरण के लिये नई जल आपुर्ति पाइप लाइने बिछाना

जल संरक्षण विकास:

निर्बाध जल वितरण के लिये नई जल आपुर्ति पाइप लाइने बिछाना जल संग्रहण क्षमता बढ़ाने के लिए 3,00,000 लीटर क्षमता वाले भूमिगत नाबदान और पंप कक्ष का निर्माण।

छात्रावास मरम्मत:

छात्रों कीरहने की स्थिति में सुधार के लिए दो G+1 मंजिला बालक छात्रावासों की व्यापक मरम्मत और रखरखाव।

कर्मचारी आवासों का संतुलन:

कार्य उचित स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए A, B और C प्रकार के कर्मचारी आवासों की पर्याप्त जल निकासी व्यवस्था के साथ चबूतरे की सुरक्षा।

भावी अवसंरचना विकास:

सीआरसी आगरतला:

सुगम्यता और सेवाओं को सुदृढ़ीकरण के लिए अगरतला, त्रिपुरा में एक नए सीआरसी भवन का विकास।

संपदा विभाग के कार्य

परिसर प्रबंधन:

मुख्य संस्थान भवन, शैक्षणिक ब्लॉक, अतिथि गृह, लड़कों और लड़कियों के छात्रावासों और कर्मचारियों के आवासीय क्वार्टरों का कुशल रखरखाव।

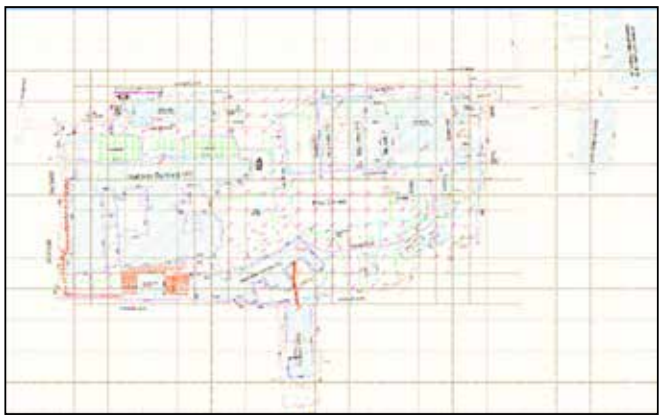

अतिथि गृह सेवाएं:

गणमान्य व्यक्तियों, कर्मचारियों और आगंतुकों के लिए आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित चार अतिथि गृह।

विनियामक अनुपालन:

भारत सरकार के दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन, सुरक्षा, हाउसकीपिंग और लैंडस्केपिंग कर्मचारियों सहित आउटसोर्स किए गए कर्मचारियों का पूरा रिकॉर्ड, साथ ही वेतन, ईपीएफ और ईएसआई सहित वैधानिक अनुपालन।

सहायक सेवाएँ:

पूरे वर्ष आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सम्मेलनों, सेमिनारों और कार्यशालाओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ और भौतिक अवसंरचना सहायता प्रदान करना।

सिविल परियोजनाएँ:

- **पूर्ण हुई परियोजनाएँ**
  - A, B एवं C प्रकार के स्टाफ क्वार्टरों का नवीनीकरण।
  - दिव्यांगजनों के उपयोग हेतु बैरियर-फ्री शौचालय परिसर का निर्माण।
  - प्रधान मंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र (पीएमबीजेके) की स्थापना, जिससे किफायती और गुणवत्तापूर्ण दवाइयाँ उपलब्ध कराई जा सकें।
- **प्रगति पर परियोजनाएँ**
  - हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने हेतु ग्रिड-संयुक्त रूफटॉप सोलर पीवी प्लांट की स्थापना।
  - अकादमिक ब्लॉक का उन्नयन (फाल्स सीलिंग और केंद्रीकृत एयर-कंडीशनिंग सहित)।
  - अग्नि सुरक्षा उन्नयन, जिसमें हाइड्रेंट, सायरन, अलार्म/डिटेक्शन सिस्टम शामिल हैं।
  - जल आपूर्ति अवसंरचना को सुदृढ़ करना, नए पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से।
  - 3,00,000 लीटर क्षमता वाला अंडरग्राउंड संप और पंप कक्ष का निर्माण।
  - बॉयज हॉस्टल (G+1) की व्यापक मरम्मत।
  - स्टाफ क्वार्टरों में प्लिंथ सुरक्षा और ड्रेनेज कार्यों का संचालन।
- **भविष्य की परियोजनाएँ**
  - नया सीआरसी भवन का विकास, अगरतला, त्रिपुरा में, ताकि उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में सेवाओं का विस्तार।

राजभाषा विभाग

सरकारी भाषा नीति की दिशा में प्रयास: भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुरूप रागदिसं ने एक समर्पित हिन्दी विभाग स्थापित किया है, जिसमें हिन्दी अनुवादक और टंकक कार्यरत हैं। इसके साथ ही एक समूहीकृत 'क' अधिकारी को हिन्दी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। यह पहल संस्थान की सभी स्तरों पर हिन्दी के प्रयोग और प्रचार की प्रतिबद्धता को सशक्त करती है, जो इसके क्षेत्रीय शाखाओं और सीआरसी तक विस्तारित है।

हिंदी अनुभाग की वार्षिक उपलब्धियाँ (2024–25): वर्ष 2024–25 के दौरान राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान (NILD) के हिंदी अनुभाग ने संस्थान के कार्यकलापों में हिंदी के संवर्धन एवं प्रभावी प्रयोग की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की। हिंदी भाषा की सशक्त उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु अनुभाग द्वारा निरंतर प्रयास किए गए।

1. द्विभाषी संचार: कुल 254 कार्यालय आदेश और परिपत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में जारी किए गए।
2. सेवा रिकॉर्ड में राजभाषा का समावेश: सभी सेवा पुस्तिकाओं में द्विभाषी प्रविष्टियाँ सुनिश्चित की गईं।
3. द्विभाषी कार्यालयीन टिप्पणी: संस्थान के अधिकारीगण द्वारा लिखे गए टिप्पणी हिन्दी का समावेश किया गया।
4. हिन्दी पत्राचार: हिन्दी में प्राप्त पत्राचार का हिन्दी में उत्तर दिया गया।
5. हिन्दी लिफाफे: सभी लिफाफों पर पते किए गए।
6. हिन्दी कार्यान्वयन समिति की बैठकें:संस्थान में हिन्दी के प्रचार और कार्यान्वयन के लिए समय-समय पर बैठकें आयोजित की गईं।
7. अवकाश आवेदन में हिन्दी: अधिकारीगण अर्जित अवकाश, आकस्मिक अवकाश और प्रतिबंधित छुट्टियों के आवेदन हिन्दी में प्रस्तुत करते हैं।
8. द्विभाषी प्रकाशन:फॉर्म और कार्ड हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रकाशित किए गए।
9. हिन्दी में भरे गए प्रपत्रों को प्राथमिकता: हिन्दी में लिखे या भरे गए फॉर्मों और आवेदन पत्रों को प्राथमिकता दी गई।
10. हिन्दी जागरूकता सामग्री:दिव्यांगजन और आगंतुकों के लिए हिन्दी में मुद्रित, प्रदर्शित और वितरित सामग्री उपलब्ध कराई गई।
11. साहित्यिक संवर्धन: संस्थान में हिन्दी कवियों और लेखकों के उद्धरण को कोरिडोर में प्रदर्शित किया गया।
12. द्विभाषी बैनर: आधिकारिक कार्यक्रमों और बैठकों के लिए कुल 18 द्विभाषी बैनर बनाए गए।
13. हिन्दी पखवाड़ा समारोह: रागदिसं ने 14 से 28 सितंबर 2024 तक हिन्दी पखवाड़ा उत्साहपूर्वक मनाया। इस दौरान हिन्दी पठन ,पत्र लेखन,निबंध और क्विज जैसे आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें अधिकारीगण सक्रिय रूप से भाग लिए।

हिन्दी पखवाड़ा उद्घाटन।

हिन्दी पखवाड़ा के दौरान समूह चित्र।

कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पहल और उपलब्धियाँ

परिचय:

कोलकाता स्थित राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान 2024–25 के दौरान कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंडिंग जुटाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रारंभ में, सीएसआर-1 प्रमाणपत्र की अनुपस्थिति के कारण संस्थान सीएसआर सहायता के लिए पात्र नहीं था। लेकिन 1 फरवरी 2024 को प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात, रागदिसं ने पात्रता हासिल की और मरीजों की देखभाल, पुनर्वास सेवाओं तथा शैक्षिक अवसंरचना को सशक्त बनाने के लिए प्रमुख संगठनों के साथ सक्रिय साझेदारियाँ शुरू कीं।

सीएसआर पहल:

सीएसआर फंडिंग का अधिकतम लाभ उठाने के लिए रागदिसं कोलकाता ने निम्नलिखित संगठनों के साथ रणनीतिक रूप से संपर्क और सहयोग स्थापित किया:

- कोल इंडिया
- इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन
- भारतीय स्टेट बैंक कोलकाता सर्कल
- भारतीय स्टेट बैंक फाउंडेशन
- दामोदर घाटी कॉर्पोरेशन
- संमार्ग
- आर्टिफिशियल लिम्ब्स मैन्युफैक्चरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया

2024–25 के मुख्य उपलब्धियाँ:

1. भारतीय स्टेट बैंक कोलकाता सर्कल द्वारा परियोजनाओं की स्वीकृति

- 28 अक्टूबर 2024 को, रागदिसं के अधिकारी सहायक निदेशक (प्र.), उप निदेशक(प्र.), और नोडल अधिकारी– सीएसआर ने भारतीय स्टेट बैंक कोलकाता सर्कल के मुख्य महाप्रबंधक के साथ बैठक की। इस बैठक में मुख्य महाप्रबंधक ने प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए सक्रिय समर्थन और सहयोग का आश्वासन दिया।

सीएसआर पहल और प्रमुख उपलब्धियाँ (2024–25)

- **भारतीय स्टेट बैंक कोलकाता सर्कल द्वारा परियोजनाओं की स्वीकृति**

  भारतीय स्टेट बैंक कोलकाता सर्कल ने 30.12.2024 को पत्र संख्या 2024-25/CSB/74 के माध्यम से तीन प्रमुख परियोजनाओं के लिए 96,80,000 की मंजूरी प्रदान की:

  - C-Arm मशीन की खरीद
  - ओपन जिम की स्थापना
  - 3D प्रिंटर उपकरण की खरीद

  7 मार्च 2025 को, एस.बी.आई. ने न्यूटाउन कार्यालय भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में 96,80,000 की प्रतीकात्मक चेक रागदिसं को सौंपा।

2. एल्मिको, कानपुर द्वारा परियोजना स्वीकृति

एल्मिको, कानपुर ने क्रॉस-डिसेबिलिटी अर्ली इंटरवेंशन सेंटर के लिए सेंसरी पार्क के विकास परियोजना के लिए 15,00,000/- रुपये स्वीकृत किए (पत्र संख्या CS 2E 93, दिनांक 02.01.2025)।

3. भारतीय स्टेट बैंक फाउंडेशन के साथ सक्रिय सहभागिता

11 नवंबर 2024 को, रागदिसं के निदेशक, उप निदेशक(प्र), और नोडल अधिकारी-सीएसआर ने मुंबई स्थित भारतीय स्टेट बैंक फाउंडेशन मुख्यालय का दौरा किया और प्रबंध निदेशक के साथ परियोजनाओं पर चर्चा की। इस यात्रा का समन्वय डॉ. योगेश दुबे (कार्यकारी समिति सदस्य, रागदिसं) ने किया।

समर्थन दस्तावेज रागदिसं पत्र संख्या CSR Fund/2679/RE2019/NILD/SBIF/1928, दिनांक 24.12.2024 के माध्यम से भारतीय स्टेट बैंक फाउंडेशन को प्रेषित किए गए।

4. दामोदर घाटी कॉर्पोरेशन का दौरा

लगातार फॉलो-अप के पश्चात 18 सितंबर 2024 को, दामोदर घाटी कॉर्पोरेशन की टीम ने रागदिसं का दौरा कर सीएसआर सहयोग के अवसरों का मूल्यांकन किया।

5. इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन का दौरा

17 अक्टूबर 2024 को, इंडियन ऑयल के प्रतिनिधियों ने संस्थान का दौरा किया और चल रही सीएसआर पहल पर विचार-विमर्श किया।

उल्लेखनीय योगदान और प्रभाव

- डॉ. योगेश दुबे ने भारतीय स्टेट बैंक फाउंडेशन के साथ चर्चाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने रागदिसं की पहलों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।
- दामोदर घाटी कॉर्पोरेशन, इंडियन ऑयल और भारतीय स्टेट बैंक कोलकाता सर्कल के साथ लगातार फॉलो-अप और प्रयासों ने ठोस स्वीकृतियाँ सुनिश्चित कीं।

सारांश:

2024–25 के दौरान, संस्थान ने व्यवस्थित संपर्क और सक्रिय फॉलो-अप के माध्यम से महत्वपूर्ण फंडिंग हासिल कीं और आने वाली परियोजनाओं के लिए मजबूत आधार तैयार किया, जो पुनर्वास अवसंरचना, रोगी सेवाओं और समावेशी शिक्षा को सुदृढ़ बनाएंगे।

सूचना का अधिकार पर की गई कार्रवाई

वार्षिक रिपोर्ट: अप्रैल 2024 से मार्च 2025

क्र.सं	पंजीकरण संख्या	संबंधित CPIO	प्राप्ति तिथि	कार्रवाई की स्थिति
1	NIFOH/R/T/24/00020	ईवा स्नेहलता कुजूर	01/05/2024	अनुरोध निस्तारित
2	NIFOH/R/T/24/00021	ईवा स्नेहलता कुजूर	02/05/2024	अनुरोध निस्तारित
3	NIFOH/R/E/24/00025	ईवा स्नेहलता कुजूर	02/10/2024	अनुरोध निस्तारित
4	NIFOH/R/T/25/00005	ईवा स्नेहलता कुजूर	03/02/2025	अनुरोध निस्तारित
5	NIFOH/R/T/24/00019	ईवा स्नेहलता कुजूर	03/04/2024	अनुरोध निस्तारित
6	NIFOH/R/T/24/00026	ईवा स्नेहलता कुजूर	03/06/2024	अनुरोध निस्तारित
7	NIFOH/R/T/24/00027	ईवा स्नेहलता कुजूर	03/06/2024	अनुरोध निस्तारित
8	NIFOH/R/E/24/00012	ईवा स्नेहलता कुजूर	03/07/2024	अनुरोध निस्तारित
9	NIFOH/R/E/24/00013	ईवा स्नेहलता कुजूर	03/07/2024	अनुरोध निस्तारित
10	NIFOH/R/E/24/00007	ईवा स्नेहलता कुजूर	04/05/2024	अनुरोध निस्तारित
11	NIFOH/R/T/24/00060	ईवा स्नेहलता कुजूर	04/12/2024	अनुरोध निस्तारित
12	NIFOH/R/E/25/00001	ईवा स्नेहलता कुजूर	05/01/2025	अनुरोध निस्तारित
13	NIFOH/R/E/25/00002	ईवा स्नेहलता कुजूर	05/01/2025	अनुरोध निस्तारित
14	NIFOH/R/T/25/00007	ईवा स्नेहलता कुजूर	06/03/2025	अनुरोध निस्तारित
15	NIFOH/R/E/24/00008	ईवा स्नेहलता कुजूर	06/05/2024	अनुरोध निस्तारित
16	NIFOH/R/E/24/00022	ईवा स्नेहलता कुजूर	06/09/2024	अनुरोध निस्तारित
17	NIFOH/R/T/24/00041	ईवा स्नेहलता कुजूर	06/09/2024	अनुरोध निस्तारित
18	NIFOH/R/T/24/00042	ईवा स्नेहलता कुजूर	06/09/2024	अनुरोध निस्तारित
19	NIFOH/R/T/24/00061	ईवा स्नेहलता कुजूर	06/12/2024	अनुरोध निस्तारित
20	NIFOH/R/E/24/00026	ईवा स्नेहलता कुजूर	07/10/2024	अनुरोध निस्तारित
21	NIFOH/R/T/24/00033	ईवा स्नेहलता कुजूर	08/07/2024	अनुरोध निस्तारित
22	NIFOH/R/T/24/00034	ईवा स्नेहलता कुजूर	08/07/2024	अनुरोध निस्तारित
23	NIFOH/R/T/24/00035	ईवा स्नेहलता कुजूर	08/07/2024	अनुरोध निस्तारित
24	NIFOH/R/E/24/00015	ईवा स्नेहलता कुजूर	08/08/2024	अनुरोध निस्तारित
25	NIFOH/R/T/24/00043	ईवा स्नेहलता कुजूर	08/09/2024	अनुरोध निस्तारित
26	NIFOH/R/E/24/00032	ईवा स्नेहलता कुजूर	08/12/2024	अनुरोध निस्तारित
27	NIFOH/R/T/24/00022	ईवा स्नेहलता कुजूर	09/05/2024	अनुरोध निस्तारित
28	NIFOH/R/T/24/00023	ईवा स्नेहलता कुजूर	09/05/2024	अनुरोध निस्तारित
29	NIFOH/R/E/24/00033	ईवा स्नेहलता कुजूर	09/12/2024	अनुरोध निस्तारित
30	NIFOH/R/E/25/00003	ईवा स्नेहलता कुजूर	10/01/2025	अनुरोध निस्तारित
31	NIFOH/R/T/25/00001	ईवा स्नेहलता कुजूर	10/01/2025	अनुरोध निस्तारित
32	NIFOH/R/T/24/00048	ईवा स्नेहलता कुजूर	10/10/2024	अनुरोध निस्तारित
33	NIFOH/R/E/25/00004	ईवा स्नेहलता कुजूर	11/01/2025	अनुरोध निस्तारित
34	NIFOH/R/E/25/00005	ईवा स्नेहलता कुजूर	11/01/2025	अनुरोध निस्तारित
35	NIFOH/R/E/25/00006	ईवा स्नेहलता कुजूर	11/01/2025	अनुरोध निस्तारित
36	NIFOH/R/X/25/00001	ईवा स्नेहलता कुजूर	11/02/2025	अनुरोध निस्तारित
37	NIFOH/R/X/25/00002	ईवा स्नेहलता कुजूर	11/02/2025	अनुरोध निस्तारित
38	NIFOH/R/X/25/00003	ईवा स्नेहलता कुजूर	11/02/2025	अनुरोध निस्तारित
39	NIFOH/R/X/25/00004	ईवा स्नेहलता कुजूर	11/02/2025	अनुरोध निस्तारित
40	NIFOH/R/T/24/00028	ईवा स्नेहलता कुजूर	11/06/2024	अनुरोध निस्तारित
41	NIFOH/R/T/24/00029	ईवा स्नेहलता कुजूर	11/06/2024	अनुरोध निस्तारित

क्र.सं	पंजीकरण संख्या	संबंधित CPIO	प्राप्ति तिथि	कार्रवाई की स्थिति
42	NIFOH/R/T/24/00036	ईवा स्नेहलता कुजूर	12/07/2024	अनुरोध निस्तारित
43	NIFOH/R/E/24/00016	ईवा स्नेहलता कुजूर	12/08/2024	अनुरोध निस्तारित
44	NIFOH/R/E/24/00017	ईवा स्नेहलता कुजूर	12/08/2024	अनुरोध निस्तारित
45	NIFOH/R/E/24/00018	ईवा स्नेहलता कुजूर	12/08/2024	अनुरोध निस्तारित
46	NIFOH/R/X/25/00005	ईवा स्नेहलता कुजूर	13/02/2025	अनुरोध निस्तारित
47	NIFOH/R/E/24/00009	ईवा स्नेहलता कुजूर	13/06/2024	अनुरोध निस्तारित
48	NIFOH/R/E/24/00010	ईवा स्नेहलता कुजूर	13/06/2024	अनुरोध निस्तारित
49	NIFOH/R/E/24/00019	ईवा स्नेहलता कुजूर	13/08/2024	अनुरोध निस्तारित
50	NIFOH/R/E/24/00028	ईवा स्नेहलता कुजूर	13/11/2024	अनुरोध निस्तारित
51	NIFOH/R/T/24/00056	ईवा स्नेहलता कुजूर	13/11/2024	अनुरोध निस्तारित
52	NIFOH/R/T/24/00057	ईवा स्नेहलता कुजूर	13/11/2024	अनुरोध निस्तारित
53	NIFOH/R/T/24/00058	ईवा स्नेहलता कुजूर	13/11/2024	अनुरोध निस्तारित
54	NIFOH/R/E/25/00007	ईवा स्नेहलता कुजूर	14/01/2025	अनुरोध निस्तारित
55	NIFOH/R/E/24/00029	ईवा स्नेहलता कुजूर	14/11/2024	अनुरोध निस्तारित
56	NIFOH/R/E/24/00014	ईवा स्नेहलता कुजूर	15/07/2024	अनुरोध निस्तारित
57	NIFOH/R/E/25/00008	ईवा स्नेहलता कुजूर	16/01/2025	अनुरोध निस्तारित
58	NIFOH/R/E/24/00027	ईवा स्नेहलता कुजूर	16/10/2024	अनुरोध निस्तारित
59	NIFOH/R/E/25/00009	ईवा स्नेहलता कुजूर	17/03/2025	अनुरोध निस्तारित
60	NIFOH/R/T/24/00030	ईवा स्नेहलता कुजूर	18/06/2024	अनुरोध निस्तारित
61	NIFOH/R/T/24/00031	ईवा स्नेहलता कुजूर	18/06/2024	अनुरोध निस्तारित
62	NIFOH/R/E/24/00023	ईवा स्नेहलता कुजूर	18/09/2024	अनुरोध निस्तारित
63	NIFOH/R/T/24/00044	ईवा स्नेहलता कुजूर	18/09/2024	अनुरोध निस्तारित
64	NIFOH/R/T/24/00045	ईवा स्नेहलता कुजूर	18/09/2024	अनुरोध निस्तारित
65	NIFOH/R/T/24/00046	ईवा स्नेहलता कुजूर	18/09/2024	अनुरोध निस्तारित
66	NIFOH/R/T/24/00062	ईवा स्नेहलता कुजूर	20/12/2024	अनुरोध निस्तारित
67	NIFOH/R/T/25/00002	ईवा स्नेहलता कुजूर	21/01/2025	अनुरोध निस्तारित
68	NIFOH/R/T/25/00003	ईवा स्नेहलता कुजूर	21/01/2025	अनुरोध निस्तारित
69	NIFOH/R/T/25/00004	ईवा स्नेहलता कुजूर	21/01/2025	अनुरोध निस्तारित
70	NIFOH/R/T/25/00006	ईवा स्नेहलता कुजूर	21/02/2025	अनुरोध निस्तारित
71	NIFOH/R/E/24/00011	ईवा स्नेहलता कुजूर	21/06/2024	अनुरोध निस्तारित
72	NIFOH/R/E/25/00010	ईवा स्नेहलता कुजूर	22/03/2025	अनुरोध निस्तारित
73	NIFOH/R/E/24/00020	ईवा स्नेहलता कुजूर	23/08/2024	अनुरोध निस्तारित
74	NIFOH/R/E/24/00024	ईवा स्नेहलता कुजूर	23/09/2024	अनुरोध निस्तारित
75	NIFOH/R/X/24/00001	ईवा स्नेहलता कुजूर	23/10/2024	अनुरोध निस्तारित
76	NIFOH/R/X/24/00002	ईवा स्नेहलता कुजूर	23/10/2024	अनुरोध निस्तारित
77	NIFOH/R/T/24/00049	ईवा स्नेहलता कुजूर	24/10/2024	अनुरोध निस्तारित
78	NIFOH/R/T/24/00050	ईवा स्नेहलता कुजूर	25/10/2024	अनुरोध निस्तारित
79	NIFOH/R/T/24/00051	ईवा स्नेहलता कुजूर	25/10/2024	अनुरोध निस्तारित
80	NIFOH/R/T/24/00037	ईवा स्नेहलता कुजूर	26/07/2024	अनुरोध निस्तारित
81	NIFOH/R/T/24/00059	ईवा स्नेहलता कुजूर	26/11/2024	अनुरोध निस्तारित
82	NIFOH/R/X/24/00003	ईवा स्नेहलता कुजूर	26/12/2024	अनुरोध निस्तारित
83	NIFOH/R/T/24/00032	ईवा स्नेहलता कुजूर	27/06/2024	अनुरोध निस्तारित
84	NIFOH/R/E/24/00006	ईवा स्नेहलता कुजूर	28/04/2024	अनुरोध निस्तारित
85	NIFOH/R/T/24/00024	ईवा स्नेहलता कुजूर	28/05/2024	अनुरोध निस्तारित

क्र.सं	पंजीकरण संख्या	संबंधित CPIO	प्राप्ति तिथि	कार्रवाई की स्थिति
86	NIFOH/R/T/24/00025	ईवा स्नेहलता कुजूर	28/05/2024	अनुरोध निस्तारित
87	NIFOH/R/T/24/00052	ईवा स्नेहलता कुजूर	28/10/2024	अनुरोध निस्तारित
88	NIFOH/R/T/24/00053	ईवा स्नेहलता कुजूर	28/10/2024	अनुरोध निस्तारित
89	NIFOH/R/T/24/00054	ईवा स्नेहलता कुजूर	28/10/2024	अनुरोध निस्तारित
90	NIFOH/R/T/24/00055	ईवा स्नेहलता कुजूर	28/10/2024	अनुरोध निस्तारित
91	NIFOH/R/E/24/00030	ईवा स्नेहलता कुजूर	28/11/2024	अनुरोध निस्तारित
92	NIFOH/R/E/24/00021	ईवा स्नेहलता कुजूर	29/08/2024	अनुरोध निस्तारित
93	NIFOH/R/T/24/00038	ईवा स्नेहलता कुजूर	29/08/2024	अनुरोध निस्तारित
94	NIFOH/R/T/24/00039	ईवा स्नेहलता कुजूर	29/08/2024	अनुरोध निस्तारित
95	NIFOH/R/T/24/00040	ईवा स्नेहलता कुजूर	29/08/2024	अनुरोध निस्तारित
96	NIFOH/R/T/24/00047	ईवा स्नेहलता कुजूर	30/09/2024	अनुरोध निस्तारित
97	NIFOH/R/E/24/00031	ईवा स्नेहलता कुजूर	30/11/2024	अनुरोध निस्तारित

आरटीआई अपील अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक

क्रमांक	पंजीकरण संख्या	संबंधित अधिकारी	प्राप्ति तिथि	कार्रवाई की स्थिति
1	NIFOH/A/E/24/00003	सौगत बनर्जी	27/05/2024	अनुरोध निस्तारित
2	NIFOH/A/E/24/00006	सौगत बनर्जी	09/09/2024	अनुरोध निस्तारित
3	NIFOH/A/E/24/00010	सौगत बनर्जी	19/11/2024	अनुरोध निस्तारित
4	NIFOH/A/E/24/00011	सौगत बनर्जी	26/11/2024	अनुरोध निस्तारित
5	NIFOH/A/E/24/00009	सौगत बनर्जी	09/12/2024	अनुरोध निस्तारित
6	NIFOH/A/E/24/00012	सौगत बनर्जी	13/12/2024	अनुरोध निस्तारित
7	NIFOH/A/E/24/00013	सौगत बनर्जी	29/12/2024	अनुरोध निस्तारित
8	NIFOH/A/E/24/00014	सौगत बनर्जी	30/12/2024	अनुरोध निस्तारित

आफलाइन आरटीआई अनुरोध अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक

क्रमांक	पंजीकरण संख्या	संबंधित अधिकारी	प्राप्ति तिथि	कार्रवाई की स्थिति
1	F-N-1306/4/2024-NI	ईवा स्नेहलता कुजूर	14/08/2024	अनुरोध निस्तारित
2	F-N-2206/54/2024-NDODAF/ R/E/24/1212.	ईवा स्नेहलता कुजूर	10/10/2024	अनुरोध निस्तारित
3	F-N-2206/54/2024-NDODAF/ R/E/24/01220.	ईवा स्नेहलता कुजूर	10/10/2024	अनुरोध निस्तारित
4	No A/43011/81/2024-RTI-cell	ईवा स्नेहलता कुजूर	18/10/2024	अनुरोध निस्तारित
5	----------	ईवा स्नेहलता कुजूर	18/12/2024	अनुरोध निस्तारित

आफलाइन आरटीआई अनुरोध अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक

1	CIC/NIFOH/A/2024/600896	ईवा स्नेहलता कुजूर	सुनवाई की तिथि - 11/02/2025 निर्णय तिथि - 11/02/2025	अपील खारिज और वापसी की गई
कुल				**111**

प्रबंधन

संस्थान में दो संवैधानिक निकाय कार्यरत हैं– शासी परिषद एवं कार्यकारी परिषद। शासी परिषद संस्थान की नीतियों का निर्धारण करती है, जबकि कार्यकारी परिषद संस्थान के विभिन्न परियोजनाओं के प्रबंधन, प्रशासन एवं वित्तीय अनुमोदन की जिम्मेदारी निभाती है।

शासी परिषद

संस्थान के उपविधियों एवं नियमावली की धारा 3.1 (e) के अनुसार, मंत्रालय के पत्रांक 2202/17/2023-NI दिनांक 5 दिसंबर 2023 द्वारा निम्नलिखित गैर-सरकारी सदस्यों दो वर्ष की अवधि अथवा उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति तक जो भी पहले हो के लिए नामांकित किया गया।

सदस्यों की सूची

भारत सरकार के सचिव दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली	अध्यक्ष
संयुक्त सचिव दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य
वित्तीय सलाहकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य
महानिदेशक, रोजगार एवं प्रशिक्षण श्रम मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
अध्यक्ष, एलिम्को	सदस्य
स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार का एक नामांकित सदस्य	सदस्य
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का एक नामांकित सदस्य	सदस्य
पश्चिम बंगाल सरकार के दो नामांकित सदस्य (सचिव, सामाजिक कल्याण तथा स्वास्थ्य सेवा निदेशक)	सदस्य
निदेशक, रागदिसं, कोलकाता (भारत सरकार द्वारा नामित विशेज्ञ/सवैक्षिक संगठनों के प्रतिनिधि /क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता)	सदस्य सचिव

i	**डॉ. जितेन्द्र कुमार जैन, प्रयागराज (उ.प्र.)** (5 दिसंबर, 2023 से अब तक)	सदस्य
ii	**डॉ. प्रशांत मिश्रा, कानपुर (उ.प्र.)** (5 दिसंबर, 2023 से अब तक)	सदस्य
iii	**श्री भवन चंदर गुनवंत, नैनीताल (उत्तराखंड)** (5 दिसंबर, 2023 से अब तक)	सदस्य
iv	**श्री अनिख बनर्जी, कोलकाता (प. बंगाल)** (5 दिसंबर, 2023 से अब तक)	सदस्य
v	**डॉ. प्रदीप दूबे, जबलपुर (म.प्र.)** (5 दिसंबर, 2023 से अब तक)	सदस्य
vi	**डॉ. विनोद अग्रवाल, नई दिल्ली** (5 दिसंबर, 2023 से अब तक)	सदस्य

कार्यकारी परिषद

संस्थान के उपविधियों एवं नियम तथा विनियमों की धारा 3.1 (ई) के अनुसार, निम्नलिखित गैर-सरकारी सदस्यों को मंत्रालय के पत्र संख्या—2204/1/2023-NI दिनांक 8 फरवरी, 2024 द्वारा दो वर्षों की अवधि के लिए नामित किया गया है।

सदस्यों की सूची

संयुक्त सचिव, भारत सरकार दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	अध्यक्ष
वित्तीय सलाहकार, भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य
डॉ. योगेश दूबे, मुंबई (8 फरवरी, 2024 से अब तक)	सदस्य
डॉ. मोहित टांटिया, राजस्थान (8 फरवरी, 2024 से अब तक)	सदस्य
निदेशक, रागदिसं, कोलकाता	सदस्य सचिव

शैक्षणिक समिति

संस्थान के उपविधियों एवं नियमों तथा विनियमों की धारा 3 (i) एवं धारा 11.5 के अनुसार, मंत्रालय के पत्र संख्या N-1202/18/2024-NI, दिनांक 27 अगस्त, 2024 एवं 18 नवम्बर, 2024 के माध्यम से निम्नलिखित सदस्यों को शैक्षणिक समिति हेतु नामित किया गया है।

आ (डॉ) संजय केशकर आचार्य एवं प्रमुख, आर्थोपेडिक्स विभाग, ई एस आई सी मेडिकल कॉलेज, जोका, कोलकाता	सदस्य
आ. (डॉ.) संजय पांडे आचार्य एवं प्रमुख, भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग एम्स, पटना	सदस्य
आ.सूरज कुमार आचार्य जामिया मिलिया इस्लामिया केंद्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	सदस्य
श्री शोवन साहा एसोसिएट प्रोफेसर, मणिपाल कॉलेज ऑफ हेल्थ प्रोफेशन, मणिपाल	सदस्य
श्री जी पंडिन विभागाध्यक्ष, कृअंप्र पं. दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय दिव्यांगजन पुनर्वास संस्थान, नईदिल्ली	सदस्य
डॉ. आलोक कुमार भुवन पुनर्वास विज्ञान एवं विशेष शिक्षा में विशेषज्ञ	सदस्य
आ. सुभासिस भौमिक आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, यांत्रिकी विभाग, भारतीय अभियानात्रकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, हावड़ा, पश्चिम बंगाल– 711103	सदस्य
निदेशक भारतीय सांख्यिकी संस्थान 203, बी.टी. रोड, कोलकाता– 700108	सदस्य
निदेशक, रागदिसं, कोलकाता	सदस्य सचिव

अध्याय 9

क्षेत्रीय केंद्र, आइजॉल

रागदिसं -आरसी, आइजॉल की स्थापना वर्ष 2004 में भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा एक अस्थायी भवन में की गई थी, जो नि:शुल्क राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, चाल्तलांग, आइजॉल के परिसर में स्थित था। अगस्त 2024 से रागदिसं डी-आरसी, आइजॉल का दूसरा परिसर जोरम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ कार्य करने लगा:

- दिव्यांगजनों के लिए पुनर्वास सेवाएं प्रदान करना
- प्रशिक्षण और मानव संसाधन विकास
- सहायक उपकरणों का निर्माण, प्रोत्साहन एवं वितरण परामर्श

एनआईएलडी-आरसी, आइजॉल में उपलब्ध सुविधाएं

रागदिसं-आरसी, आइजोल में क.अं.प्र, भौतिक चिकित्सा, व्यावसायिक चिकित्सा, बौद्धिक दिव्यांगता तथा स्पीच थेरेपी एवं ऑडियोलॉजी के सुव्यवस्थित और सुसज्जित विभाग मौजूद हैं। यह केंद्र टीम आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से समग्र पुनर्वास सेवाएं प्रदान करता है, जिसमें चिकित्सा विशेषज्ञ, भौतिक चिकित्सा, व्यावसायिक चिकित्सा, स्पीच थेरेपिस्ट एवं ऑडियोलॉजिस्ट, बौद्धिक दिव्यांग, क.अं.प्र, तथा विशेष शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत पेशेवर शामिल हैं। यह सेवाएं विशेष रूप से उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और मिजोरम के जरूरतमंद लोगों को प्रदान की जाती हैं।एनआईएलडी-आरसी, आइजोल निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करता है:-

- मूल्यांकन, चिकित्सकीय मार्गदर्शन और शल्य चिकित्सा के लिए संदर्भ
- सहायक उपकरण जैसे व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, कैलिपर, बैसाखी, कृत्रिम अंग, श्रवण यंत्र आदि (एडीआईपी योजना के अंतर्गत)
- फिजियोथेरेपी सेवाएं जैसे व्यायाम चिकित्सा, यूएस, टेन्स, वैक्स बाथ आदि
- व्यावसायिक चिकित्सा जैसे विकासात्मक चिकित्सा, एडीएल, हाथ की गतिविधियां, खेल चिकित्सा, साप्लंट्स, अनुकूल उपकरण आदि
- श्रवण स्क्रीनिंग, ऑडियोग्राम, भाषण चिकित्सा आदि
- विशेष शिक्षा, परामर्श एवं व्यवहार संशोधन, शीघ्र हस्तक्षेप सेवाएं आदि
- शिविरों के माध्यम से आउटरीच सेवाएं

वर्ष के दौरान प्रदत्त सेवाओं का विवरण	2022-23	2023-24	2024-25
ओपीडी में पंजीकृत नए मरीज	258	335	215
पुराने मरीज	1098	1047	996
कुल मरीजों की संख्या	1356	1402	1211
ओपीडी में वितरित सहायक उपकरण	29	24	19
आयोजित शिविरों की संख्या	04	04	2
शिविरों के माध्यम से लाभार्थियों की संख्या	331	312	46
शिविरों में वितरित सहायक उपकरण	138	210	81

क्र.सं	दिव्यांगता के प्रकार	2022-23	2023-24	2024-25
1	ऑर्थोपेडिक			
	नए रोगीजन	294	182	189
	पुराने रोगीजन	1170	1055	725
	कुल	1464	1267	914
2	वाक एवं श्रवण			
	नए रोगीजन	87	179	18
	पुराने रोगीजन	--	--	--
	कुल	87	179	18
3	बौद्धिक एवं ऑटिजम			
	नए रोगीजन	16	05	08
	पुराने रोगीजन	146	120	271
	कुल	162	125	279

वर्षवार सेवा का सारांश

क्र. सं.	सेवा का नाम	2022-23			2023-24			2024-25		
		नए	पुराने	कुल	नए	पुराने	कुल	नए	पुराने	कुल
1	भौतिक चिकित्सा	258	1098	1353	141	829	970	149	671	820
2	व्यावसायिक चिकित्सा	11	64	75	19	170	189	42	254	296
3	कृत्रिम अंग प्रत्यंग	25	08	33	22	16	38	18	2	20

क्र. सं.	सेवा का नाम	2022-23			2023-24			2024-25		
		नए	पुराने	कुल	नए	पुराने	कुल	नए	पुराने	कुल
4	विशेष शिक्षा	16	146	162	05	120	125	4	206	210
5	वाक एवं श्रवण	87	00	87	179	--	179	18	0	18
6	कुल	397	1316	1713	366	1135	1501	231	1133	1364
	सहायक सेवाऐं		1408			1717			1867	

2 (दो) शिविरों का आयोजन दिव्यांगजनों के लाभ हेतु किया गया

क्र.सं.	राज्य, जिला एवं शिविर का स्थान	शिविर की तिथि	लाभार्थियों की संख्या
1	एक दिवसीय मूल्यांकन सह पहचान शिविर (सहायक उपकरण हेतु) – एससीईआरटी कैंपस, चालतलांग, आइजोल, मिजोरम	19 जुलाई 2025	47
2	एक दिवसीय वितरण शिविर (सहायक उपकरण हेतु) – एस सी ई आर टी कैंपस, चालतलांग, आइजोल, मिजोरम	17 सितम्बर 2025	46

वर्ष 2024–2025 में दिव्यांगजनों के लिए आउटरीच शिविर की झलकियाँ

अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों की कुल संख्या: 8

प्रतिभागियों की कुल संख्या: 271

क्र. स.	कार्यक्रम का नाम	तिथि एवं स्थान	उद्देश्य	प्रतिभागियों की संख्या	प्रतिभागियों का स्तर
1	विश्व स्पाइनल कॉर्ड इंजरी दिवस के अवसर पर रीढ़ की हड्डी की चोट पर जागरूकता कार्यक्रम	5 सितम्बर 2024, आरसी- आइजॉल	दिव्यांगजन, पेशेवरों एवं समुदाय में जागरूकता पैदा करना	14	रीढ़ की हड्डी की चोट वाले व्यक्ति, रोगी एवं आरसी-आइजॉल के कर्मचारी
2	विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर फिजियोथेरेपी पर जागरूकता कार्यक्रम	9 सितम्बर 2024, आरसी- आइजॉल	पेशेवरों, रोगियों एवं समुदाय में जागरूकता पैदा करना	10	अभिभावक, पेशेवर एवं आरसी-आइजॉल के कर्मचारी

क्र. स.	कार्यक्रम का नाम	तिथि एवं स्थान	उद्देश्य	प्रतिभागियों की संख्या	प्रतिभागियों का स्तर
3	दिव्यांग प्रबंधन, यूडीआईडी एवं आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम	13 सितम्बर 2024, एससी ईआरटी सभागार	डीआईईटी आइजॉल के बी.एड (सामान्य) छात्रों में जागरूकता पैदा करना	46	डीआईईटी आइजोल के बीएड जनरल छत्रों के बीच जागरूकता पैदा करना
4	शीघ्र पहचान एवं हस्तक्षेप पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम	27 सितम्बर 2024, एससी ईआरटी सभागार	सिनॉड अस्पताल, डुर्टलांग के नर्सिंग छात्रों में जागरूकता पैदा करना	32	सिनोड अस्पताल डर्टलैंग के नर्सिंग छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करना
5	विश्व डिस्लेक्सिया दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम	8 अक्टूबर 2024, एससी ईआरटी बी.एड कक्षा	एससीईआरटी के बी.एड (विशेष शिक्षा) छात्रों में जागरूकता पैदा करना	60	एस सी ई आर टी छात्र, शिक्षक एवं कर्मचारी
6	विश्व स्ट्रोक दिवस पर स्ट्रोक पर जागरूकता कार्यक्रम	29 अक्टूबर 2024, आरसी-आइजॉल	पेशेवरों, रोगियों एवं समुदाय में जागरूकता पैदा करना	12	आर.सी आइजॉल के पेशेवर, रोगी एवं कर्मचारी
7	दिव्यांग प्रबंधन एवं पुनर्वास पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम	20 नवम्बर 2024, मोंटफोर्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रामलुन नॉर्थ	कक्षा 12 के छात्रों एवं व्याख्याताओं में जागरूकता पैदा करना	31	मोनफार्ट हायर सेकेन्डरी स्कूल, रामहुलुन नार्थ के कक्षा 12 के छात्र एवं आचार्य
8	आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 एवं दिव्यांगजनों हेतु योजनाओं पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम	27 नवम्बर 2024, ग्रेस थियोलॉजिकल कॉलेज, डुर्टलांग	ग्रेस थियोलॉजिकल कॉलेज के छात्रों में जागरूकता पैदा करना	66	ग्रेस थियोलॉजिकल कॉ लेज डरेटलैंग के छात्र

वेबिनार आयोजित :

कुल वेबिनार की संख्या : 7

कुल प्रतिभागियों की सख्या-283

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांकऔर समय	उद्देश्य	प्रतिभागियों की संख्या	प्रतिभागियों का स्तर
1	विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2024 के अवसर पर वेबिनार– कार्य स्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का समय आ गया है	10 अक्टूबर 2024 (दोपहर 3 से 4 बजे तक)	मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना	30	विद्यार्थी
2	यूडीआईडी, योजनाएं, सुविधाएं और दिव्यांगजनों के लिए रियायतें	5 दिसंबर 2024 (दोपहर 3 से 4 बजे तक)	यूडीआईडी एवं विभिन्न योजनाओं, सुविधाओं और रियायतों के प्रति जागरूकता	56	मेंटर एवं एनजी(कुडुंबश्री) स्थानीय कार्यकर्ता–रिएकब्लॉक
3	दिव्यांगतापुर्ण प्रबंधन एवं पुनर्वास	27 जनवरी 2025 (सुबह 11 से 12 बजे तक)	दिव्यांगतापुर्ण प्रबंधन एवं पुनर्वास के प्रति जागरूकता	68	मेंटर एवं एनजीओ (कुडुंबश्री) के स्थानीय कार्यकर्ता–ईस्ट लुंगदार एवं हतिआलब्लॉक

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांकऔर समय	उद्देश्य	प्रतिभागियों की संख्या	प्रतिभागियों का स्तर
4	दिव्यांजनों के लिए ओरो मोटर देखभाल एवं श्रवण यंत्र की देखभाल	28 जनवरी 2025 (दोपहर 12 से 1 बजे तक)	ओरो मोटर देखभाल एवं श्रवण यंत्र की देखभाल के प्रति जागरूकता	28	बी.एड स्पेशल एजुकेशन द्वितीय सेमेस्ट केविद्यार्थी
5	अंतर्राष्ट्रीय एस्पर्जर दिवस के अवसर पर कार्यक्रम	18 फरवरी 2025 (शाम 4 से 5 बजे तक)	एस्पर्जर सिंड्रोम के प्रति जागरूकता	86	मेंटर, एनजीओ कुडुंबश्री के स्थानीय कार्य कर्ता एवं एससीईआरटी के बीएड स्पेशल एजुकेशन विद्यार्थी
6	दिव्यांगजनों के लिए विशेष शिक्षकों की जिम्मेदारी	28 फरवरी 2025 (दोपहर 12 से 1 बजे तक)	पाठ्यक्रम अनुकूलन एवं शैक्षिक समर्थन की जानकारी देना	15	एससीईआरटी के बीएड स्पेशल एजुकेशन विद्यार्थी
7	मिजोरम में दिव्यांगजनों के लिए शैक्षिक अवसरों पर वेबिनार	19 मार्च 2025 (सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक)	मिजोरम में दिव्यांगजनों के लिए शैक्षिक अवसरों की जानकारी	124	आरसी आई पंजीकृत पेशेवर

वर्ष 2024-25 को संचालित जागरूकता कार्यक्रम

वर्ष 2024-2025 के महत्वपूर्ण दिवसों का अवलोकन

योग दिवस का पालन :

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2024 को एनआईएलडी-आरसी कार्यालय में मनाया गया। आरसी के सभी कर्मचारियों ने इसमें भाग लिया और विभिन्न योगासन किए।

स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन:

स्वच्छता पखवाड़ा 22 जुलाई से 30 जुलाई 2024 तक निम्नलिखित गतिविधियों के माध्यम से मनाया गया:

स्वच्छता पखवाड़ा की झलकियाँ:

स्वतंत्रता दिवस एवं हर घर तिरंगा अभियान का पालन

दिनांक 15 अगस्त 2024 को रागदिसं-क्षे.के., आइजोल कार्यालय में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

क्षे.के आइजोल के कर्मचारियों द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत 15 अगस्त 2024 को अपने-अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

बाल दिवस का आयोजन

14 नवंबर 2024 को क्षे.के.-आइजोल के कर्मचारियों, विशेष बच्चों एवं उनके अभिभावकों के साथ मिलकर बाल दिवस मनाया ।

संविधान दिवस का आयोजन

संविधान दिवस पर सभी कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया और 'रीड द प्रीएम्बल' प्रतिज्ञा में 'माय गव' पोर्टल पर भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस का आयोजन: :

एनआईएलडी आरसी, आइजोल ने समाज कल्याण और जनजातीय विभाग, मिजोरम सरकार और मिजोरम दिव्यांग संगठन महासंघ के सहयोग से 3 दिसंबर 2024 को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस मनाया।

पी लालरिनपुई, माननीय मंत्री, समाज कल्याण और जनजातीय मामले, महिला एवं बाल विकास इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। पी वनलालडिकी सेलो, राज्य के दिव्यांगजन आयुक्त सम्मानित अतिथि थे और समाज कल्याण एवं जनजातीय मामलों के निदेशक डॉ. लालहरियात्जुअली कार्यक्रम के अध्यक्ष थे। सचिव और संयुक्त सचिव, एसडब्ल्यूएंडटीए विभाग, मिजोरम सरकार। इस कार्यक्रम में शामिल हुए एक समावेशी रैली का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के साथ-साथ सभी दिव्यांगजनों और विभिन्न संगठनों के लोगों ने भाग लिया। यह रैली सुबह 10:30 बजे ए.आर. मेन गेट, जोडिन स्क्वायर से जर्कावत मनोरंजन केंद्र तक निकाली गई।

रैली के बाद, आधिकारिक समारोह और एक समावेशी संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह के अध्यक्ष ने सभी उपस्थित लोगों का स्वागत किया और आईईटी के साल्वेशन आर्मी अधिकारी द्वारा एक संक्षिप्त भक्ति कार्यक्रम का संचालन किया गया। मुख्य अतिथि ने समावेशिता के महत्व पर भाषण दिया और आश्वासन दिया कि सरकार मिजोरम के दिव्यांग समुदाय के लाभ के लिए अथक प्रयास कर रही है। एनआईएलडी आरसी-आइजोल की प्रभारी अधिकारी सुश्री सरजू मोइरंगथेम ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

कोलासिब, डर्टलांग स्थित दृष्टिबाधित साल्वेशन आर्मी हॉस्टल का लाइव बैंड, एफाथा स्पेशल स्कूल का स्किट, गिलियड स्पेशल स्कूल और रिडीम गार्डन, डर्टलांग का नृत्य, स्पेशल ब्लाइंड स्कूल, डर्टलांग का गीत, मिजोरम ब्लाइंड सोसाइटी के कुलपति पुवनलालफेला और शाइनिंग स्टार स्पेशल स्कूल का समूह गान जैसे विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मिजोरम के युवा प्रतीक श्री लालसांगलियाना और मिजोरम के दो अन्य प्रसिद्ध गायकों, सुश्री सियाम्पुई राल्ते और पु वनलालहलाना ने भी इस शुभअवसर पर प्रस्तुति की। स्पास्टिक सोसाइटी ऑफ मिजोरम द्वारा एक लकी ड्रॉ भी निकाला गया।

वर्ष 2024-2025 की अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस की झलकियाँ

सुगम्य यात्रा:

सुगम्ययात्रा का शुभारंभ 21 फरवरी 2025 को मिजोरम राज्य के दिव्यांगजन आयुक्त तथा RC-आइजोल (जो कि राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कार्यरत है) के संयुक्त तत्वावधान में आइजोल, मिजोरम में किया गया।

सुगम्य यात्रा की टीम में निम्नलिखित सदस्य शामिल थे:

1. श्रीमती वानलालडिकी सैलो – एससीपीडी, मिजोरम
2. श्रीमती कैरोलीन हिमिंगथांजुआली – उप निदेशक, समाज कल्याण एवं जनजातीय मामले विभाग, मिजोरम सरकार
3. श्रीमती सरजू मोइरंगथेम – प्रभारी एवं प्राध्यापक सह कार्यक्रम अधिकारी (ओटी), एनआईएलडी-आरसी आइजॉल
4. श्रीमती थिंगोम चेरीता देवी – फिजियोथेरेपिस्ट, एनआईएलडी-आरसी आइजॉल
5. श्रीमती जोनुनमावी – प्राचार्य, शाइनिंग स्टार स्कूल
6. श्रीमती सी. लालछुआनावमी – सांकेतिक भाषा दुभाषिया
7. श्री कॉल्लरामथांगा – दिव्यांगजन (लोकोमोटर)
8. श्री लालबुआत्साइहा – दिव्यांगजन (दृष्टिबाधित)
9. श्रीमती लालमालसावमी – दिव्यांगजन (श्रवण बाधित)
10. श्री एल्फ्रेड लालछानहिमा – दिव्यांगजन (श्रवण बाधित)
11. सुश्री रूथी लालरुआतफेली – दिव्यांगजन (बौद्धिक दिव्यांगता)
12. मास्टर मेसक लालछानहिमा – दिव्यांगजन (बौद्धिक दिव्यांगता)
13. श्री लालमुआनावमा – एएमसी टाउन प्लानर

राज्य दिव्यांगजन आयुक्त के कार्यालय के सभी कर्मचारी

सुगम्य यात्रा के दौरान जिन भवनों का दौरा किया गया, वे इस प्रकार हैं:

1. आइजोल नगरपालिका निगम कार्यालय, थुआंपुई
2. क्षेत्रीय पैरामेडिकल और नर्सिंग विज्ञान संस्थान (RIPANS), जेमाबॉक
3. जेमाबॉक कैंसर अस्पताल, जेमाबॉक
4. मिजोरम प्रेस्बिटेरियनचर्च, कॉलेजवेंग
5. एस.पी. सुरक्षा, आइजोल, माइनको
6. डीएचएमई, माइनको
7. नया सचिवालय भवन, माइनको

उपरोक्त भवनों का मूल्यांकन Yes to Access ऐप का उपयोग करके किया गया, जिसमें ऐप में दिए गए सभी फीचर्स जैसे पार्किंग क्षेत्र, प्रवेश द्वार, पहुँच, शौचालय और आंतरिक स्थान की जांच की गई। यह मूल्यांकन थ. चेरीता देवी, फिजियोथेरेपिस्ट, RC-आइजोल एवं सरजू मोइरांगथेम, प्रभारी अधिकारी, RC-आइजोल द्वारा उपरोक्त स्थानों पर किया गया।

सुगम्य यात्रा की झलकियां

पर्पल फेयर – आइजॉल एवं लुंगलेई जिला

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार, राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान – क्षेत्रीय केंद्र, आइजॉल द्वारा दिव्यांगजनों हेतु पर्पल फेयर का आयोजन 12 मार्च 2025 को एआर ग्राउंड, लाममुआल, आइजॉल एवं 26 मार्च 2025 को सरकारी उच्च विद्यालय मैदान, लुंगलेई में किया गया।

12 मार्च 2025 को एआर ग्राउंड में दिव्यांगजनों के लिए पर्पल फेयर की गतिविधियाँ

1. कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में आइजोल के उपायुक्त श्री इंजी. लालहरियातपुइया द्वारा किया गया, मिजोरम सरकार की दिव्यांगजन आयुक्त श्रीमती वनलालडिकी सैलो विशिष्ट अतिथि थीं। श्रीमती कैरोलीन जोरमथांगी, निदेशक, एससीईआरटी निदेशालय, मिजोरम सरकार मुख्य अतिथि थीं और श्रीमती कैरोलीन हमिगथानजुआली, उप निदेशक, एसडब्ल्यू एवं टीए निदेशालय, मिजोरम सरकार अध्यक्ष थीं। प्रेस्बिटेरियन चर्च के रामहलुन नॉर्थ बायल के प्रो पास्टर डेविड लालनुनपुइया द्वारा भक्ति गीत प्रस्तुत किया गया। गिलियड स्पेशल स्कूल के छात्रों और ह्रंगबाना कॉलेज के शिक्षा विभाग के छठे सेमेस्टर के छात्रों द्वारा सांकेतिक भाषा में भक्ति गीत प्रस्तुत किया गया, जो दिव्यांगजनों की समावेशिता को दर्शाता है। प्रभारी एवं प्राध्यापक सह कार्यक्रम अधिकारी (ओटी) श्रीमती सरजू मोइरंगथेम ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।
2. कला और शिल्प की प्रदर्शनी - कुल लगभग पंद्रह स्टॉल थे। तीन स्टॉल एनजीओ एससीआई और पीएलडब्ल्यूएसएम को, दो स्टॉ ल एफाथा विशेष विद्यालय (बधिर और कम सुनने वाले) को, एक स्टॉल रिडीम गार्डन स्कूल (विशेष खंड) को, पाँच स्टॉल गिलियड विशेष विद्यालय को, एक स्टॉल शाइनिंग स्टार विशेष विद्यालय को, एक स्टॉल पीएमडीके, आइजोल एएलआईएमसीओ को, एक स्टॉल समाज कल्याण और जनजातीय कार्य निदेशालय, मिजोरम सरकार को और एक स्टॉल समग्र शिक्षा, मिजोरम को आवंटित किए गए थे। स्टॉलों में दिव्यांग व्यक्तियों द्वारा बनाए गए उत्पाद जैसे डोरमैट, लिफाफे, साबुन, पेपर प्लेट, अचार, चाबी के छल्ले, ऊन से बने फूल, मोतियों के आभूषण, बर्तन धोने का तरल और पेंटिंग प्रदर्शित किए गए थे। गिलियड विशेष विद्यालय और एफाथा विशेष विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रदर्शित फेस पेंटिंग के लिए भी दो स्टॉल थे।
3. सांस्कृतिक कार्यक्रम - एकल गायन और नृत्य, कविता पाठ, कीबोर्ड वादन, आराधना नृत्य और छीह लाम, सिकटुइथियांग लाम, सरलामकै जैसे सांस्कृतिक नृत्य और दिव्यांगजनों के लाइव बैंड का प्रदर्शन आइजोल के विशेष विद्यालयों के छात्रों द्वारा किया गया।
4. खेल - दिव्यांगजनों के लिए व्हीलचेयर दौड़, ब्लाइंड हिट, रस्साकशी, चम्मच दौड़, डिस्पोजेबल कप चुनौती और चिप्स मिलान चुनौती जैसी खेल सामग्री का आयोजन किया गया।
5. मनोरंजन खेल - बाउंसी कैसल भी स्थापित किया गया।
6. सहायक उपकरण और उपकरणों का वितरण पीएमडीके आइजोल, एएलआईएमसीओ द्वारा कुल 23 सहायक उपकरण वितरित किए गए। ये हैं कमोड-2 नग, केबी-2 नग, एलएस-4 नग, जीईएल-3 नग डब्ल्यू/एस एडज (1 नग) व्हीलचेयर (4 नग), बीटीई-III (श्रवण सहायता): 5 नग, स्पाइनल सपोर्ट-1 नग, कॉलर सपोर्ट-1 नग।

आइजोल के एआर ग्राउंड में दिव्यांगजनों के लिए पर्पल मेले की झलकियाँ (12 मार्च 2025)

26 मार्च 2025 को सरकारी उच्च विद्यालय मैदान में दिव्यांगजनों के लिए पर्पल फेयर की गतिविधियाँ

1. कार्यक्रम का उद्घाटन सुबह 10 बजे से 11 बजे तक हुआ। मुख्य अतिथि श्री वी. मालसावमटलोंगा, विधायक एवं उच्च स्तरीय समिति के उपाध्यक्ष, लुंगलेई थे। अध्यक्षता श्रीमती के. लालरिंतलुआंगी, डीपीसी, समग्र शिक्षा, लुंगलेई, मिजोरम सरकार ने की।रेव. इजराइल लालरेमटलोंगा, बैप्तिस्ट मसीही मिशन सेंटर, लुंगलेई द्वारा किया गया। टी.एन.टी. होम की चलरोसियामा ने भक्ति गीत प्रस्तुत किया, इसके बाद टी.एन.टी. होम के प्रतिनिधि जामुआना ने दिव्यांगों के पक्ष से एक संक्षिप्त सम्भाषण दिया।मुख्य अतिथि द्वारा पीएमडीके-एल्मिको, आइजोल से एक बड़ी व्हीलचेयर और सुगम्य छड़ी का वितरण किया गया। धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती सरजू मोइरांगथेम, प्रभारी अधिकारी एवं व्याख्याता (ओ.टी.), रागदिसं, क्षे.के.-आइजोल ने किया।
2. कला और शिल्प प्रदर्शनी –लगभग पाँच स्टॉल थे, जिन्हें गै.स.सं., विशेष स्कूलों और सरकारी कार्यालयों को आवंटित किया गया था। प्रत्येक को एक-एक स्टॉल दिया गया था: टी.एन.टी. होम, लुंगलेई; ऑनिक्स स्पेशल स्कूल; दिव्यांगों के लिए प्रशिक्षण केंद्र, लुंगलेई; और पीएमडीके-एल्मिको, आइजोल। एक स्टॉल श्रीमती वी. लालरेमरुआती (श्रवण बाधित) और श्री ललनुनपुइया (गतिशीलता दिव्यांगता) को दिया गया था। प्रदर्शनी में दिव्यांगजनों द्वारा बनाए गए उत्पाद जैसे पॉट होल्डर, बैग, कंगन, हेयर बैंड, पेंसिल बैग, वॉल बैग, पेंसिल स्टैंड, की चेन, बच्चों के कपड़े, एप्रन, मफलर और खाद्य पदार्थ जैसे चना, पापड़, जूस आदि शामिल थे।
3. सांस्कृतिक कार्यक्रम – विशेष स्कूल और टी.एन.टी. होम के विद्यार्थियों द्वारा दिव्यांगजनों की तरफ से एकल गायन और नृत्य, कविता पाठ, समूह नृत्य, छेहलाम जैसे सांस्कृतिक नृत्य और फैशन शो प्रस्तुत किया गया।
4. खेलकूद – दिव्यांगजनों के लिए व्हीलचेयर रेस, ब्लाइंड हिट, रस्साकशी, स्पून रेस, डिस्पोजेबल कप चैलेंज और चिप्स मैचिंग चैलेंज जैसे खेल आयोजित किए गए।
5. सहायक उपकरणों का वितरण – पीएमडीके आइजोल, एलिम्को द्वारा एडीप योजना के तहत 22 लाभार्थियों को कुल 24 सहायक उपकरण वितरित किए गए। इनमें शामिल हैं:बड़ी व्हीलचेयर – 5, श्रवण यंत्र – 8 , सफेद छड़ी – 5, क्रच – 2, छोटी व्हीलचेयर – 2, वाकिंग स्टिक – 2, इसके अतिरिक्त, RVY योजना के तहत PMDK आइजोल, ALIMCO द्वारा कुल 42 सहायक उपकरण वितरित किए गए। इनमें शामिल हैं:कॉमोड – 11, केबी – 2, एलएस – 5, जेल – 10, व्हीलचेयर एडजस्टमेंट – 10, व्हीलचेयर – 1, स्पाइनल सपोर्ट – 1, कॉलर सपोर्ट – 1, क्रच – 1।

सरकारी उच्च विद्यालय मैदान में दिव्यांगजनों के लिए पर्पल फेयर की झलकियाँ (26 मार्च 2025)

अन्य अतिरिक्त गतिविधियाँ :

- निदेशक, उप निदेशक, उत्तर-पूर्व समन्वयक एवं नोडल अधिकारी ने 2 और 3 मई 2024 को आरसी- आइजॉल का दौरा किया।
- श्री दास सूर्यवंशी, राज्य आयुक्त (दिव्यांगजन), कर्नाटक एवं सुश्री वानलालडिकी सैलो, राज्य आयुक्त (दिव्यांगजन), मिजोरम ने 13 जून 2024 को आरसी का दौरा किया।
- 27 जून 2024 को एससीईआरटी द्वारा आयोजित 42 वीं राज्य स्तरीय विज्ञान, गणित एवं पर्यावरण प्रदर्शनी (एड्यूटेक फेस्टिवल)में भाग लिया।
- प्रभारी सरजू मोइरंगथेम ने 7 सितम्बर 2024 को रागदिसं द्वारा आयोजित विश्व ड्युचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी दिवस के अवसर पर वेबिनार में भाग लिया।
- 14 एवं 16 सितम्बर 2024 को एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के

तहत सभी कर्मचारियों ने एक पौधा लगाकर उसे अपनी माताओं को समर्पित किया।

- 14 नवम्बर 2024 को दूरदर्शन द्वारा एनआईएलडी -आरसी आइजॉल का डॉक्यूमेंट्री शूट किया गया, जो 21 नवम्बर 2024 को डीडीके आइजॉल पर प्रसारित हुआ।
- प्रभारी सरजू मोइरंगथेम ने 18 नवम्बर 2024 को अर्जुन पोर्टल पर ऑनलाइन प्रशिक्षण में शाम 3 बजे भाग लिया।
- सुश्री सरजू मोइरंगथेम (प्रभारी एवं प्राध्यापक सह कार्यक्रम अधिकारी–ओटी) ने एनआईईपीआईडी द्वारा किए गए भारत में बौद्धिक एवं विकासात्मक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों में मृत्यु दरविषयक प्रोजेक्ट में मिजोरम से आंकड़ा संग्रहण कार्य में भाग लिया।

चल रहे शोध कार्य :

सुश्री सरजू मोइरंगथेम प्रभारी प्राध्यापक सह कार्यक्रम अधिकारी – (ओटी) वर्तमान में मिजोरम में दिव्यांगजनों की कार्य सहभागिता में सुधार के लिए कार्यरत एनजीओ के अनुभवों का अन्वेष: एक गुणात्मक अध्ययन विषय पर शोध कर रही हैं।

क्षेत्रीय केन्द्र-नहरलगुन-अरूणाचल प्रदेश

प्राक्कथन:

रागदिसं क्षेत्रीय केंद्र नाहरलागुन अरुणाचल प्रदेश की स्थापना सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान द्वारा वर्ष 2016 को एक अस्थायी किराये की इमारत में की गई जो अरूणाचल प्रदेश के डी सेक्टर, पाचिन कॉलोनी, नाहरलागुन, पापुम परे में स्थित है।

लक्ष्य और उद्देश्य :

- गतिशील दिव्यांगता के साथ-साथ अन्य प्रकार की दिव्यांगता की सेवाएं प्रदान करना।
- दिव्यांगजनों को उपयुक्त सहायक उपकरणों को प्रदान करने तथा दिव्यांगता की जांच के लिए शिविर आयोजित करना।
- गै.स.सं के पदाधिकारियों और अन्य अधिकारियों के बीच दिव्यांगता से संबंधित जागरूकता पैदा करना।

रागदिसं - क्षे.के.नाहरलागुन में उपलब्ध सुविधाएं:

- यह केंद्र भौतिक चिकित्सक, व्यावसायिक चिकित्सक और अन्य सहायक कर्मचारियों से युक्त टीम दृष्टिकोण के माध्यम से व्यापक पुनर्वास सेवाएं प्रदान करता।
- यह केंद्र चिकित्सीय सेवाऐं , वाचिक चिकित्सा, ऑडियोलॉजी, कृत्रिम अंग प्रत्यंग,मानसिक मंदता और विशेष शिक्षा के माध्यम से पुनर्वास सेवाएं प्रदान करता है।
- भारत सरकार की एडिप योजना के कार्यान्वयन हेतु रागदिसं, कोलकाता द्वारा संचालित किए जा रहे शिविरों का समन्वय और सहायता करना।

केन्द्र में प्रदत्त सेवओं का सारांश :

सेवाएं	2022-23	2023-24	2024-25
नए रोगीजन	246	417	229
पुराने रोगीजन	1318	1297	854
कुल	**1564**	**1714**	**1153**

अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम:

क्र.सं	कार्यक्रम	दिनांक	स्थान	ब्यौरा
1.	विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस	10.10.2024	एससी एचडब्ल्यूसी जुलांग, ईटानगर	40
2.	अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस	03.12.2024	ओजू मिशन स्कूल, नाहरलागुन	50
3.	एसजेईटीए द्वारा आयोजित पर्पल फेस्ट में प्रदर्शनी स्टॉल	10.03.2025	स्टेट बैंक्वेट हॉल, ईटानगर	80
4.	दिव्यांग बच्चों की पहचान पर आशा कार्यकर्ताओं के लिए मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम	11.03.2025	एनएचएम कॉन्फ्रेंस हॉल, नाहरलागुन	08
5.	पर्पल फेयर 2025	21.03.2025	ड्री ग्राउंड, नाहरलागुन	180
6.	दिव्यांग बच्चों की पहचान पर आशा कार्यकर्ताओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, डीएमई, अरुणाचल प्रदेश सरकार के सहयोग से	22.03.2025	न्येदर नामलो, ईटानगर	140

अध्याय 10

दिव्यांगजनों के कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण हेतु समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) - पटना

क्षेत्रीय समेकित केन्द्र-पटना

समेकित क्षेत्रीय दिव्यांगजन कौशल विकास, पुनर्वास एवं सशक्तिकरण केंद्र (सीआरसी), पटना की स्थापना 2009 में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई थी। यह राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य कर रहा है।

सीआरसी पटना इस क्षेत्र में एक शीर्ष संस्थान के रूप में कार्य करता है, जो तीन मुख्य कार्य करता है: प्रशिक्षण, अनुसंधान और सभी प्रकार की दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए सेवा प्रावधान। केंद्र दीर्घकालिक और अल्पकालिक मानव संसाधन विकास कार्यक्रमों, सेवा वितरण मॉडलों के विकास, सूचना के दस्तावेजीकरण और प्रसार, समुदाय-आधारित पुनर्वास, विस्तार और सुदूरवर्ती कार्यक्रमों, और सहायक उपकरणों के निर्माण और स्थापना के माध्यम से दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के अपने मिशन में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

इस केंद्र का ध्यान क्षेत्र में वंचितों तक पहुँचने पर विशेष केंद्रित रहा है। निरंतर व्यावसायिक प्रयासों के माध्यम से, सीआरसी पटना का लक्ष्य दिव्यांजनों को पुनर्वास हस्तक्षेपों की एक व्यापक श्रृंखला तक पहुंच की सुविधा प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाता है जैसे - शैक्षिक, चिकित्सीय, व्यावसायिक, रोजगार-संबंधी, साथ ही अवकाश, खेल, सांस्कृतिक भागीदारी और पूर्ण सामाजिक समावेशन के अवसर।

2. सीआरसी पटना के उद्देश्य

समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी), पटना की स्थापना दिव्यांगजनों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से की गई थी। इसके प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

1. संसाधन केन्द्र: दिव्यांगजनों के लिए पुनर्वास और विशेष शिक्षा सेवाओं के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करना।
2. मानव संसाधन विकास: सरकारी और गैर-सरकारी दोनों क्षेत्रों में पुनर्वास पेशेवरों, बहु-पुनर्वास कार्यकर्ताओं, ग्राम-स्तरीय कार्यकर्ताओं और संबंधित कर्मियों को प्रशिक्षित करना।
3. सार्वजनिक शिक्षा और जागरूकता: दिव्यांगता से संबंधित मुद्दों और समावेशी प्रथाओं पर माता-पिता और आम जनता के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना।
4. सहायक उपकरण और अन्य उपकरण: ऐसे सहायक उपकरणों और अन्य उपकरणों को डिजाइन, निर्माण और फिट करना जो गतिशीलता, स्वतंत्रता और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करते हैं।
5. शिक्षा और कौशल विकास: दिव्यांग व्यक्तियों के रोजगार, संचार, गतिशीलता और सामाजिक एकीकरण को बढ़ावा देने वाली शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना।
6. अनुसंधान एवं विकास: क्षेत्रीय दिव्यांगता प्रोफाइल के आधार पर अनुसंधान गतिविधियाँ शुरू करना, विशिष्ट आवश्यकताओं और चुनौतियों का समाधान करना।
7. सेवा वितरण रणनीतियाँ: पुनर्वास सेवाओं के प्रभावी वितरण के लिए सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त और क्षेत्र-विशिष्ट रणनीतियाँ विकसित करना।
8. स्वैच्छिक संगठनों के लिए समर्थन: दिव्यांगता सेवाओं के विस्तार में स्वैच्छिक संगठनों, अभिभावक संघों और स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित करना और उनकी सहायता करना।
9. संपर्क और विस्तार सेवाएँ:मौजूदा चिकित्सा, शैक्षिक और रोजगार सेवाओं के साथ सहयोग स्थापित करना और ग्रामीण क्षेत्रों में समुदाय-आधारित पुनर्वास का विस्तार करना।

3. छात्रावास अवसंरचना विकास

क्षेत्र में दिव्यांगजनों की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, एक समर्पित छात्रावास भवन की आधारशिला 8 जुलाई 2018 को तत्कालीन माननीय कैबिनेट मंत्री श्री थावरचंद गहलोत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा रखी गई थी। 100 बिस्तरों (लड़के और लड़कियों दोनों) की प्रवेश क्षमता वाले छात्रावास भवन का उद्घाटन 21 फरवरी 2024 को डॉ. वीरेंद्र कुमार, माननीय कैबिनेट मंत्री, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया था। छात्रावास परिसर में विकास कार्य प्रगति पर है।

4. लक्षित जनसंख्या

भारत के 2011 के जनगणना के अनुसार, देश में 2.68 करोड़ दिव्यांगजन हैं, जो कुल जनसंख्या का 2.21% है। बिहार राज्य में दिव्यांगजनों की जनसंख्या 23.31 लाख दर्ज की गई है, जो भारत की कुल दिव्यांगजन जनसंख्या का 8.69% और बिहार की जनसंख्या (कुल जनसंख्या: 10.41 करोड़) का 2.23% है।

5. 2024–25 के दौरान सीआरसी पटना में आयोजित दीर्घकालिक पाठ्यक्रम:

क्र. सं.	पाठ्यक्रमों का नाम	अवधि	शुरूआत	प्रवेश क्षमता	2024–25 में नामांकित छात्र
1	श्रवण, भाषा और वाणी में डिप्लोमा (डीएचएलएस)	1 वर्ष	2010	30	30
2	विशेष शिक्षा में डिप्लोमा - श्रवण दिव्यांगता (डी.एड-एसई-एचआई)	2 वर्ष	2015	35	35
3	विशेष शिक्षा में डिप्लोमा - दृष्टिबाधितार्थ (डी.एड-एसई-VI)	2 वर्ष	2015	35	35
4	विशेष शिक्षा में डिप्लोमा - मानसिक मंदता (डी.एड-एसई आईडीडी)	2 वर्ष	2023	35	35
5	सांकेतिक भाषा अनुवाद में डिप्लोमा (डीआईएसएलआई)	2 वर्ष	2023	30	30
	कुल			**165**	**165**

क. वर्ष के दौरान प्रदान की गई पुनर्वास सेवाओं की कुल संख्या

सेवाऐं	2022-23	2023-24	2024-25
नए रोगीजन	2071	1906	4224
अनुवर्ती मामले	33138	32406	10964
सहायक सेवा (ओपीडी + ओआरएस)	33885	27516	35357
कुल	**69094**	**61828**	**50545**

ख. वर्ष के दौरान प्राप्त लक्ष्य: शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र डेटा

नया												अनुवर्ती								
क्र.सं.	महीना	कुल	लिंग		उम्र		श्रेणी				कुल	लिंग		उम्र		श्रेणी				
			पुरूष	महीला	0-3	3 - 6	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.		पुरूष	महीला	0-3	3- 6	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.
1	अप्रैल	38	30	7	12	25	13	21	2	1	232	199	33	78	154	55	155	21	1
2	मई	37	16	6	7	16	12	25	0	0	278	199	79	95	183	80	172	23	3
3	जून	39	30	9	13	26	8	28	3	0	169	120	69	50	119	45	103	20	1
4	जुलाई	79	67	12	15	64	15	59	5	0	167	116	51	55	112	42	106	19	0
5	अगस्त	42	28	14	13	29	10	30	2	0	263	198	65	105	158	47	197	18	1
6	सितम्बर	38	20	18	12	26	8	26	4	0	184	143	41	84	100	36	133	15	0
7	अक्टुबर	46	30	16	13	33	11	32	3	0	139	98	41	42	97	36	81	22	0
8	नवम्बर	39	20	19	14	25	12	21	6	0	167	105	62	62	105	42	111	14	0
9	दिसम्बर	55	40	15	7	48	7	46	2	0	229	201	28	98	131	36	176	17	0
10	जनवरी	21	10	11	6	15	4	15	2	0	263	223	40	62	201	32	216	15	0
11	फरवरी	31	22	9	9	22	9	21	1	0	251	207	44	85	166	31	207	13	0
12	मार्च	39	29	10	8	31	10	25	4	0	195	108	87	87	108	39	134	22	0
कुल		**504**	**342**	**146**	**129**	**360**	**119**	**349**	**34**	**1**	**2537**	**1917**	**640**	**903**	**1634**	**521**	**1791**	**219**	**6**

ग. ए. पी एंड ओ यूनिट की रिपोर्ट (पीएमडीके और पी एंड ओ यूनिट सीआरसी पटना रिपोर्ट)

ओपीडी के माध्यम से प्रदत्त की जाने वाली पुनर्वास सेवाएं

	आर.भी.वाई		एडीप	
	लाभार्थियों की संख्या (एनओबी)	सहायता एवं उपकरणों की संख्या (एनओए)	लाभार्थियों की संख्या (एनओबी)	सहायता एवं उपकरणों की संख्या (एनओए)
अप्रैल 2024	44	253	25	42
मई 2024	287	1445	46	113
जून 2024	391	1846	37	68
जुलाई 2024	121	632	32	55
अगस्त 2024	198	1039	37	64
सितम्बर 2024	141	810	27	49
अक्टुबर 2024	121	638	41	72
नवम्बर 2024	101	532	43	67
दिसम्बर 2024	138	727	38	63
जनवरी 2025	98	505	25	45
फरवरी 2025	74	396	29 (फैब – 02 समाहित)	48 (फैब -03 समाहित)
मार्च 2025	44	221	29	55
कुल	**1758**	**9044**	**409**	**741**

कुल सेवायें

लाभार्थियों की कुल संख्या	2167
वितरित सहायक एवं उपकरणों की कुल संख्या	9785

6. अन्य सेवाये:

समावेशी सेवा वितरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अधीन, सीआरसी पटना ने तीन जिलों में 100 दिनों के विजन के तहत मूल्यांकन शिविर आयोजित किए और सहायक उपकरण और खरीद/फिटिंग के लिए दिव्यांगजनों की सहायता (एडीप) योजना के अधीन मुख्यालय में वितरण किया। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य जरूरतमंद दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडीएस) को टिकाऊ, वैज्ञानिक रूप से डिजाइन किए गए और आधुनिक सहायक उपकरण प्राप्त करने में सहायता करता है, जिससे उनके शारीरिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक पुनर्वास में मदद मिल सके। इन सहायक उपकरणों का उद्देश्य दिव्यांगजनों के स्वतंत्र कामकाज को बढ़ाना, दिव्यांगता के प्रभाव को कम करना और माध्यमिक दिव्यांगता की शुरुआत को रोकना है, साथ ही साथ लाभार्थियों के आर्थिक सशक्तिकरण में योगदान देना है।

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, कुल 315 दिव्यांगजन इन आउटरीच प्रयासों से लाभान्वित हुए, जिन्हे सीआरसी पटना द्वारा आयोजित कई मूल्यांकन और वितरण शिविरों के माध्यम से 177 सहायक उपकरण यंत्र प्राप्त हुये।

7. एडीप शिविरों का विवरण:

क्र. सं.	जिला का नाम	शिविर स्थल	शिविर की तिथि/ अवधि	उपस्थित दिव्यांगजन	वितरित सहायता
1.	सीआरसी पटना	सीआरसी पटना हेड क्वाटर	01.04.2024 से 31.03.2025	131	177
2.	सहरशा	बुनियाद केन्द्र	29.08.2024	55	-
3.	मधुबनी	बुनियाद केन्द्र	30.08.2024	25	-
4.	दरभंगा	बहादुरपुर	31.08.2024	104	-
	कुल			**315**	**177**

8. 2024-25 के दौरान सीआरसी, पटना द्वारा आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

विवरण	कार्यक्रमों की संख्या
सीआरई	05
एजीपी	23
कैलेंडर इवेंट	37
प्रदर्शनी	3
वेबिनार	14
अन्य जागरुकता कार्यक्रम	10
कुल	**92**

क. सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम (सीआरई)

क्र. सं.	दिनांक	विषय	लक्ष्य समूह	दिनों की संख्या	कार्यक्रम समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या
1	08-01-2025	आरपीडब्ल्यूडी में न्यूरो विकासात्मक दिव्यांगताओं के लिए मूल्यांकन दिशानिर्देश, 2016	पुनर्वास पेशेवर	1	डॉ अनिल कुमार	250
2	15-01-2025	विशिष्ट अधिगम अक्षमताओं के लिए हस्तक्षेप रणनीतियाँ	पुनर्वास पेशेवर	1	डॉ राजेन्द्र कुमार प्रवीण	250
3	24-01-2025	दिव्यांगजनों के पुनर्वास के लिए कौशल विकास पर व्यावसायिक प्रशिक्षण का महत्व	पुनर्वास पेशेवर	1	श्री शान्तनु	250
4	10-03-2025	बाल चिकित्सा में कूल्हे के जन्मजात अव्यवस्था (सीडीएच) के लिए एक व्यापक पुनर्वास प्रक्रिया	पुनर्वास पेशेवर	1	श्री पार्थसारथी स्वैन	250
5	15-03-2025	भारतीय सांकेतिक भाषा की मूल बातें	पुनर्वास पेशेवर	1	सुश्री प्रियदर्शिनी	250
		कुल				**1250**

ख. जागरूकता सृजन कार्यक्रम (एजीपी)

क्र. सं.	दिनांक	विषय	स्थान/जिला	प्रतिभागियों की संख्या
1	1-10-24	स्कूल की गतिविधियों के साथ चिकित्सा को एकीकृत करना	सीआरसी, पटना	159
2	20-09-2024	सीडीईआईसी के माता-पिता के लिए परिवार केंद्रित हस्तक्षेप	सीआरसी, पटना	200

क्र. सं.	दिनांक	विषय	स्थान/जिला	प्रतिभागियों की संख्या
3	26-09-2024	विषय- टीएलएम, चार्ट, फ्लैश कार्ड, वर्कशीट तैयार करना। (एसआईपीडीए के तहत जागरूकता सृजन और प्रचार योजना)	सीआरसी, पटना	120
4	15-10-2024	भाषा विकास एवं गतिविधियाँ	सीआरसी, पटना	120
5	28-10-2024	प्रारंभिक बचपन में संगीत नृत्य नाटक की प्रभावशीलता	सीआरसी, पटना	100
6	27-11-2024	कृ अंग प्र के स्मार्ट सामाग्रियां	सीआरसी, पटना	120
7	12-12-2024	अभिभावक सशक्तिकरण	सीआरसी, पटना	122
8	14-12-2024	जागरूकता कार्यक्रम सह यूडीआईडी एवं निरामय	रक्सौल	512
9	29-01-2025	बिहार और उसके आसपास के क्षेत्र में दिव्यांगजनों के खानपान में सीआरसी पटना की भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम।	औरंगाबाद	115
10	29-01-2025	बिहार और उसके आसपास के क्षेत्र में दिव्यांगजनों के खानपान में सीआरसी पटना की भूमिका और जिम्मेदारियां।	नवादा	115
11	31-01-2025	बिहार और उसके आसपास के क्षेत्र में दिव्यांगजनों के खानपान में सीआरसी पटना की भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम।	बोध गया	150
12	31-01-2025	सीआरसी पटना पुनर्वास एवं सशक्तिकरण एवं एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम की भूमिका	शेखपुरा	150
13	17-02-2025	बिहार और उसके आसपास के क्षेत्र में दिव्यांगजनों के खानपान में सीआरसी पटना की भूमिका और जिम्मेदारियों पर जागरूकता कार्यक्रम।	पुर्निया	247
14	18-02-2025	आकांक्षी जिला।	अररिया	185
15	21-02-2025	बिहार और उसके आसपास के क्षेत्र में दिव्यांगजनों के खानपान में सीआरसी पटना की भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम।	कटिहार	130
16	27-02-2025	यूडीआईडी मार्गदर्शन और दिव्यांगता प्रमाण पत्र	रक्सौल	143
17	25-03-2025	विश्राम की पूर्वी विधियाँ	मसौर्ही	150
18	05-02-2025	बिहार और उसके आसपास के क्षेत्र में दिव्यांग व्यक्तियों के खानपान में सीआरसी पटना की भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम।	बेगुसराय	100
19	05-02-2025	बिहार और उसके आसपास के क्षेत्र में दिव्यांग व्यक्तियों के खानपान में सीआरसी पटना की भूमिका और जिम्मेदारियां।	सीतामरही	120
20	05-03-2025	बिहार और उसके आसपास के क्षेत्र में दिव्यांग व्यक्तियों के खानपान में सीआरसी पटना की भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम।	जमुई	140
21	07-02-2025	बिहार और उसके आसपास के क्षेत्र में दिव्यांग व्यक्तियों के खानपान में सीआरसी पटना की भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम।	खगरिया	102
22	07-02-2025	बिहार और उसके आसपास के क्षेत्र में दिव्यांग व्यक्तियों के खानपान में सीआरसी पटना की भूमिका और जिम्मेदारियां।	मुजफ्फरपुर	102
23	07-03-2025	बिहार और उसके आसपास के क्षेत्र में दिव्यांग व्यक्तियों के खानपान में सीआरसी पटना की भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम।	बंका	170
		कुल		**3572**

ग. कैलेंडर ईवेंट:

क्र. सं.	दिनांक	विषय	लक्षित जनसंख्या	प्रतिभागियों की संख्या
1	26-04-2024	विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस	कर्मचारी, छात्र और लाभार्थी	55
2	11-04-2024	विश्व पार्किसंस दिवस	कर्मचारी, छात्र और लाभार्थी	85
4	03-05-2024	विश्व मल्टीपल स्केलेरोसिस दिवस	दिव्यांगन, पुनर्वास पेशेवर, पुनर्वास पृष्ठभूमि वाले विभिन्न कॉलेजों के छात्र	50
5	08-05-2024	विश्व थैलेसीमिया दिवस	कर्मचारी, छात्र और लाभार्थी	48
6	17-05-2024	विश्व सुगम्य जागरूकता दिवस	कर्मचारी, छात्र और लाभार्थी	45
8	19-06-2024	विश्व सिकल सेल दिवस	कर्मचारी, छात्र और लाभार्थी	110
9	21-06-2024	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	कर्मचारी, छात्र और लाभार्थी	114
10	27-06-2024	हेलेन केलर दिवस	कर्मचारी, छात्र और लाभार्थी	55
11	15-07-2024	स्वतंत्रता दिवस	कर्मचारी, छात्र और लाभार्थी	250
12	05-09-2024	रीढ़ की हड्डी की चोट दिवस	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	78
13	07-09-2024	विश्व ड्यूचेन मस्कुलर डिस्ट्राफी	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	210
14	09-09-2024	विश्व भौतिक चिकित्सक दिवस 2024	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	120
15	14-09-2024 to 29-09-2024	हिंदी पखवाड़ा	कर्मचारी, छात्र और लाभार्थी	120
16	04-10-2024	विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	110
17	08-10-2024	डिस्लेक्सिया दिवस	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	110
18	15-10-2024	वाइट केन डे	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	101
19	29-10-2024	विश्व व्यावसायिक चिकित्सा दिवस	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	65
20	29-10-2024	विश्व स्ट्रोक दिवस -2024	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	50
21	31-10-2024	राष्ट्रीय एकता दिवस	लाभार्थी तथा छात्र	150
22	31-10-2024 to 06-11-2024	सतर्कता जागरूकता सप्ताह	लाभार्थी, अभिभावक और छात्र	40
23	05-11-2024	अंतर्राष्ट्रीय प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक दिवस	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	50

क्र. सं.	दिनांक	विषय	लक्षित जनसंख्या	प्रतिभागियों की संख्या
24	14-11-2024	बाल दिवस समारोह	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	209
25	25-11-2024	बुनियादी जीवन समर्थन कौशल	लाभार्थी, अभिभावक और छात्र	100
26	26-11-2024	संविधान दिवस	लाभार्थी और छात्र	110
27	03-12-2024 से 06-12-24	दिव्यांजनों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस -2024	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	987
28	12-12-2024	दिव्यांगजनों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस -2024	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	67
29	24-12-2024	सीडीईआईसी इकाई, सीआरसी पटना द्वारा क्रिसमस दिवस समारोह	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	60
30	03-01-2025	विश्व ब्रेल दिवस 2025,	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	80
31	10-01-2025	विश्व हिन्दी दिवस	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	125
32	13-01-2025	राष्ट्रीय युवा दिवस	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	70
33	26-01-2025	गणतंत्र दिवस	लाभार्थी, अभिभावक और छात्र	150
34	03-03-2025	अंतर्राष्ट्रीय व्हील चेयर दिवस	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	75
35	06-03-2025	विश्व मल्टीपल स्केलेरोसिस दिवस	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	110
36	08-03-2025	अंतरराष्ट्रीय एकता दिवस	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	44
37	21-03-2025	विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस	छात्र, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता, छात्र, पेशेवर और दिव्यांगजन	469
		कुल		

प्रदर्शनी :

क्र. सं.	दिनांक	विषय	जिला/स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1	20-12-2024	रोजगार मेला	सीआरसी, पटना	391
2	21-03-2025	एनबीटी पुस्तक मेले में भारतीय सांकेतिक भाषा के प्रति जागरूकता पर स्टॉल	गांधी मैदान, पटना	453
3	22-03-2025	बिहार दिवस के अवसर पर स्टॉल	गांधी मैदान, पटना	453

घ. वेबिनार:

क्र. सं.	दिनांक	विषय	लक्षित जनसंख्या	प्रतिभागियों की संख्या
1	10-04-2024	दृष्टिबाधितार्थों के लिए सहायक उपकरणों का महत्व	लाभार्थी, अभिभावक और छात्र	85
2	16-04-2024	शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र और दिव्यांगताओं का प्रबंधन	लाभार्थी, अभिभावक और छात्र	65
3	23-04-2024	VI के लिए अभिविन्यास और गतिशीलता का महत्व	लाभार्थी, अभिभावक और छात्र	105
4	29-04-2024	समुदाय आधारित पुनर्वास (सीबीआर)	लाभार्थी, अभिभावक और छात्र	65
5	18-07-2024	बौद्धिक अक्षमता का प्रबंधन	लाभार्थी, अभिभावक और छात्र	72
		कुल		**392**

अन्य जागरूकता कार्यक्रम

क्र. सं.	दिनांक	विषय	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1	07-10-2024	मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह	सीआरसी, पटना	167
2	28-08-2024	प्रशिक्षकों का 70 घंटे का आवासीय रोजगार कौशल प्रशिक्षण (टीओटी)	सीआरसी, पटना	14
3	20-09 -2024	सीडीईआईसी के माता-पिता के लिए परिवार केंद्रित हस्तक्षेप	सीआरसी, पटना	200
4	26-09-2024	विषय- टीएलएम, चार्ट, फ्लैश कार्ड, वर्कशीट तैयार करना। (एसआईपीडीए के अधीन जागरूकता सृजन और प्रचार योजना)	सीआरसी, पटना	120
5	10-08-2024	दिव्यांगजनों के लिए रोजगार कौशल प्रशिक्षण	सीआरसी, पटना	30
6	15-10-2024	भाषा विकास एवं गतिविधियाँ	सीआरसी, पटना	120
7	28-10-2024	बाल्यावस्था में संगीत नृत्य नाटक की प्रभावशीलता	सीआरसी, पटना	100
8	12-12-2024	अभिभावक सशक्तिकरण	सीआरसी, पटना	122
9	08-03-2025	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए शैक्षिक चुनौतियाँ और समाधान (समावेशी शिक्षा)	सीआरसी, पटना	220

प्रशिक्षकों का 70 घंटे का आवासीय रोजगार कौशल प्रशिक्षण (टीओटी) 28-08-2024

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के रागदिसं कोलकाता के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सीआरसी पटना ने 21 जून 2024 को एक योग सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य योगाभ्यास के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना था। कर्मचारियों, छात्रों और दिव्यांगजनों ने स्वयं और समाज के लिए योग की भावना को अपनाते हुए इस सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया।

78वाँ स्वतंत्रता दिवस

भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अंतर्गत दिव्यांगजन कौशल विकास, पुनर्वास एवं सशक्तिकरण हेतु समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी), पटना ने शेखपुरा, बेली रोड, पटना स्थित अपने परिसर में बड़े गर्व और उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक श्रीमती प्रियदर्शिनी द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई, जिसके बाद कर्मचारियों, छात्रों और लाभार्थियों की उपस्थिति में राष्ट्रगान और ध्वज गीत गाया। दिव्यांग बच्चों द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता और मनमोहक फैंसी ड्रेस प्रस्तुति भी आयोजित की गई। विजेताओं को पदक और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। इस समारोह में केंद्र के सभी कर्मचारियों, अधिकारियों, छात्रों और प्रशिक्षुओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

दिव्यांगजनों के लिए एक दिवसीय अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम

1 अक्टूबर 2024 को, सीआरसी पटना के सभागार में विद्यालय गतिविधियों के साथ चिकित्सा का एकीकरण विषय पर एक दिवसीय अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री कार्तिकेय सिंह, सदस्य, बिहार विधान परिषद थे। मुख्य अतिथि ने अपने प्रेरक भाषण से प्रतिभागियों को आशीर्वाद दिया और एक पेड़ माँ के नाम पहल के तहत परिसर में एक वृक्षारोपण भी किया।

राष्ट्रीय एकता दिवस

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर 2024 को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर, सीआरसी पटना में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक श्रीमती प्रियदर्शिनी के नेतृत्व में एकता शपथ के साथ हुई, जिसके बाद राष्ट्रीय एकता के महत्व और एकता एवं अखंडता के मूल्यों को बनाए रखने में युवाओं की भूमिका पर जोर देते हुए एक संबोधन दिया गया। छात्रों, कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसमें राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भाषण, समूह चर्चा और जागरूकता गतिविधियाँ शामिल थीं। कार्यक्रम ने सभी उपस्थित लोगों में देशभक्ति और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना का सफलतापूर्वक संचार किया।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस (आईडीपीडी) सप्ताह

समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी), पटना ने 2 से 6 दिसंबर 2024 तक अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस (आईडीपीडी) सप्ताह बड़े उत्साह और जनभागीदारी के साथ मनाया। इस समारोह का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना, समावेशिता को बढ़ावा देना और दिव्यांगजनों के कौशल और योगदान को मान्यता देना था।

पूरे सप्ताह, दिव्यांगजनों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने और उनकी क्षमता को उजागर करने के लिए नुक्कड़ नाटक, चित्रकला प्रतियोगिता, वॉलीबॉल मैच और दौड़ सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। 6 दिसंबर 2024 को भव्य समापन समारोह में दिव्यांगजनों द्वारा हस्तनिर्मित उत्पादों की एक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें उनकी व्यावसायिक प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया गया। उसी दिन, गतिशीलता और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए लाभार्थियों को व्हीलचेयर और मोटर चालित ट्राइसाइकिल जैसे सहायक उपकरण वितरित किए गए।

इस कार्यक्रम में माननीय सांसद श्री रविशंकर प्रसाद और विधायक डॉ. संजीव चौरसिया भी उपस्थित थे, जिन्होंने संयुक्त रूप से सहायक उपकरण वितरित किए। दोनों गणमान्यों ने दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के लिए सीआरसी पटना के निरंतर प्रयासों की सराहना की और समुदाय की अधिक से अधिक भागीदारी एवं समावेशन को प्रोत्साहित किया। दिव्यांगजन सशक्तिकरण सप्ताह के सफल आयोजन ने दिव्यांगजनों की पहुँच, समान अवसर और समग्र सशक्तिकरण के प्रति सीआरसी पटना की प्रतिबद्धता को और पुष्ट किया।

अभिभावक सशक्तिकरण पर कार्यशाला:

दिव्यांगजन अधिनियम के कार्यान्वयन हेतु योजना (सिपडा) की पहल के अंतर्गत, सीआरसी पटना में अभिभावक सशक्तिकरण हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दैनिक स्कूली गतिविधियों और घर-आधारित शिक्षा में चिकित्सीय हस्तक्षेपों के एकीकरण के बारे में दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों में जागरूकता बढ़ाना था। कार्यशाला में नैदानिक मनोविज्ञान, वाक एवं श्रवण, भौतिक चिकित्सक और विशेष शिक्षा विभागों के विशेषज्ञों द्वारा विशेषज्ञ वार्ताएँ और व्यावहारिक प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए।

मुख्य विषयों में शिक्षण-अधिगम सामग्री (टीएलएम) का उपयोग, समावेशी शिक्षा रणनीतियाँ और ADIP, UDID और निरामय जैसी सरकारी कल्याणकारी योजनाएँ शामिल थीं। कार्यशाला में सीआरसी पटना के कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं के साथ-साथ 100 से अधिक अभिभावकों और देखभाल करने वालों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय व्हीलचेयर दिवस समारोह

सीआरसी पटना ने 3 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय व्हीलचेयर दिवस सफलतापूर्वक मनाया, जिसमें 75 से अधिक लाभार्थियों, छात्रों और उनके परिवारों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर, व्हीलचेयर सहित कुल 50 सहायक उपकरण और उपकरण, योग्य व्यक्तियों को वितरित किए गए। बाल चिकित्सा सीडीएच पुनर्वास पर ऑनलाइन सीआरई कार्यक्रम

10 मार्च 2025 को, सीआरसी पटना ने बाल चिकित्सा में कूल्हे के जन्मजात अव्यवस्था (सीडीएच) के लिए एक व्यापक पुनर्वास प्रक्रिया पर आरसीआई-अनुमोदित ऑनलाइन सीआरई कार्यक्रम आयोजित किया।

आराम के पूर्वी तरीके पर जागरूकता कार्यक्रम - मसौढ़ी प्रखंड, पटना

सार्वभौमिक स्वास्थ्य दिवस

सार्वभौमिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर, सीआरसी पटना ने सभी के लिए स्वास्थ्य विषय पर एक दिवसीय जागरूकता एवं आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों के लिए सुलभ और समावेशी स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व पर प्रकाश डालना था।

रक्सौल, पूर्वी चंपारण में यूडीआईडी, निरामय और आरवीवाई योजना पर जागरूकता

13 और 14 दिसंबर 2024 को, सीआरसी पटना ने मशाल संस्था के सहयोग से पूर्वी चंपारण के रक्सौल के हरिया में दो दिवसीय जागरूकता एवं पंजीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यूडीआईडी, निरामय, कौशल और आरवीवाई योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाना था। 14 दिसंबर को, मशाल के चेष्टा परिसर में एक बड़े पैमाने पर जागरूकता एवं पंजीकरण अभियान चलाया गया, जिसमें कुल 512 लाभार्थियों ने भाग लिया। इस पहल ने क्षेत्र में दिव्यांगजनों के लिए सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तक पहुँच और समावेशन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बिहार के आकांक्षी जिलों में जागरूकता सृजन एवं प्रचार कार्यक्रम (सिपडा योजना)

सीआरसी पटना ने एसआईपीडीए योजना के अधीन बिहार के विभिन्न आकांक्षी जिलों में 13 जागरूकता सृजन कार्यक्रम (एजीपी) आयोजित करके एक महत्वपूर्ण पहल की।

इन कार्यक्रमों का उद्देश्य भारत सरकार की विभिन्न पहलों के अधीन सीआरसी पटना द्वारा दी जाने वाली पुनर्वास सेवाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों और सशक्तिकरण योजनाओं के बारे में निम्न स्तर के हितधारकों- विशेष रूप से दिव्यांगजनों, उनके परिवार के सदस्यों, जीविका और स्थानीय समुदाय के नेताओं - के बीच जागरूकता को बढ़ावा देना और उन्हें संवेदनशील बनाना था।

आयोजित आउटरीच कार्यक्रमों का विवरण:

क्र. सं.	जिला (एस) अन्तर्गत	दिनांक (एस)	कार्मिकों की तैनाती
1.	नवादा और शेखपुरा	29–31 जनवरी 2025	श्री विद्या भूषण, श्री लाल चन्द्र
2.	गया और औरंगाबाद	31 जनवरी 2025	डॉ. अनिल कुमार, श्री अमित कुमार
3.	मुजफ्फरपुर और सीतामढ़ी	05–07 फरवरी 2025	श्री राजेंद्र के. प्रवीण, श्री प्रदीप के. सिंह
4.	बेगूसराय और खगड़या	07 फरवरी 2025	श्री सूर्यकांत बेहरा, श्री शांतनु
5.	पूर्णिया, कटिहार और अररिया	10–21 फरवरी 2025	श्री भारत भूषण, श्री पार्थसारथी स्वैन
6.	जमुई और बांका	05–07 मार्च 2025	श्री शिव कुमार, श्री अक्षय के. पाल

प्रत्येक कार्यक्रम में दिव्यांगजनों और सामुदायिक कार्यकर्ताओं सहित 120 से 150 व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सत्रों के दौरान, प्रतिभागियों के प्रश्नों का विस्तार से समाधान किया गया और कार्यक्रमों की प्रभावशीलता और प्रासंगिकता का आकलन करने के लिए प्रतिक्रिया ली गई। यह व्यापक आउटरीच पहल, बिहार के वंचित और आकांक्षी क्षेत्रों तक अपनी सेवाएँ पहुँचाने में सीआरसी पटना के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिससे समावेशी सशक्तिकरण और सतत विकास के प्रति इसकी प्रतिबद्धता और मजबूत हुई है।

बिहार दिवस 2025 एवं गांधी मैदान में आयोजित राष्ट्रीय पुस्तक मेले में सीआरसी पटना का प्रदर्शनी स्टॉल:

20 से 22 मार्च 2025 तक बिहार दिवस 2025 के भव्य समारोह और 21 से 27 मार्च 2025 तक पुस्तक मेले के दौरान, सीआरसी पटना ने अपनी गतिविधियों का प्रदर्शन किया और दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के उद्देश्य से दिव्यांग पुनर्वास सेवाओं, सहायक उपकरणों और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाई। इस अवसर पर, भारतीय सांकेतिक भाषा के माध्यम से सुलभ संचार और दिव्यांगता समावेशन पर भी चर्चा की गई।

सीआरसी पटना और आईसीआईसीआई फाउंडेशन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के माध्यम से सीएसआर पहल

13 दिसंबर 2024 को, सीएसआर योजना के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण अवसंरचना के विकास हेतु समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी), पटना और आईसीआईसीआई फाउंडेशन के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर सफलतापूर्वक हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग का उद्देश्य सीआरसी पटना में डेटा एंट्री ऑपरेटरों के लिए एक कौशल प्रशिक्षण प्रयोगशाला और दिव्यांगजनों के लिए एक संचार प्रयोगशाला स्थापित करना है।

सीआरसी पटना और आईसीआईसीआई फाउंडेशन के गणमान्य व्यक्तियों और अधिकारियों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। सीआरसी पटना की निदेशक श्रीमती प्रियदर्शिनी ने दिव्यांगजनों में रोजगार क्षमता और संचार क्षमता बढ़ाने के लिए कौशल-आधारित प्रशिक्षण के महत्व पर बल दिया। उन्होंने पुनर्वास सेवाओं को सुदृढ़ बनाने और समावेशी अवसर सृजित करने में कॉर्पोरेट साझेदारी की भूमिका की सराहना की।

यह सहयोग प्रौद्योगिकी-सक्षम कौशल विकास के माध्यम से दिव्यांजनों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो आजीविका और सामाजिक समावेशन के लिए नए रास्ते खोलेगा।

रोजगार मेला

दिव्यांगजनों (दिव्यांगजनों) के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए, अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से सीआरसी पटना द्वारा 20 दिसंबर 2024 को एक दिवसीय रोजगार मेला (रोजगार मेला) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य दिव्यांगजनों को सीधे नियोक्ताओं से जोड़कर उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करना और उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाना था। इस रोजगार मेले में बिहार भर से कुल 390 दिव्यांगजनों ने भाग लिया। इनमें से 48 उम्मीदवारों को मौके पर ही नौकरी के प्रस्ताव मिले, जबकि 100 अन्य को आगामी भर्ती दौरों के लिए चुना गया।

मेले में मिसो, फ्लिपकार्ट, डोमिनोज पिज्जा, बिग बाजार, एयरटेल और टेक महिंद्रा जैसी अग्रणी कंपनियों ने भाग लिया।

अन्य गतिविधियाँ और समारोह:

विश्व पर्यावरण दिवस का उत्सव

प्रवेश जागरूकता अभियान

सतर्कता सप्ताह का पालन

गणतंत्र दिवस समारोह – 2025

समेकित क्षेत्रीय केंद्र, पटना ने 26 जनवरी 2025 को देशभक्ति के जोश और उत्साह के साथ 76वां गणतंत्र दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत केंद्रीय अनुसंधान केंद्र, पटना की निदेशक सुश्री प्रियदर्शिनी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई, जिसके बाद कर्मचारियों, छात्रों और लाभार्थियों की उपस्थिति में राष्ट्रगान हुआ। छात्रों और विभिन्न दिव्यांग बच्चों ने रंगोली प्रतियोगिता और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भाग लिया।

सुश्री ज्योति सिन्हा – राष्ट्रीय श्रेष्ठ दिव्यांगजन पुरस्कार विजेता 2023 का अभिनंदन

28 जनवरी 2024 को, सीआरसी पटना को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय श्रेष्ठ दिव्यांगजन पुरस्कार 2023 की प्राप्तकर्ता सुश्री ज्योति सिन्हा को सम्मानित करने का सम्मान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में सीआरसी पटना के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया।

सुश्री ज्योति सिन्हा ने अपने संबोधन में अपनी प्रेरक यात्रा साझा की और इस सम्मान के लिए सीआरसी पटना, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी), सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से जुड़ी चुनौतियों पर काबू पाने और भारत के राष्ट्रपति से पुरस्कार प्राप्त करने के महत्वपूर्ण अवसर पर विचार व्यक्त किए।

रोजगार कौशल पर प्रशिक्षकों का 70 घंटे का आवासीय प्रशिक्षण:

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के मार्गदर्शन में सीआरसी पटना ने 70 घंटे के रोजगार कौशल पर पाँच दिवसीय आवासीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें अन्य सीआरसी और अन्य राज्यों से आए पुनर्वास पेशेवर शामिल हुए।

सुगम्य यात्रा 2025 – दिव्यांगजनों के लिए सुगम्यता को बढ़ावा देना

गणमान्य अतिथि का आगमन – 21 फरवरी 2025

समावेशिता और सुगम्यता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (MSJE) के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (DEPwD) के निर्देशन में 7 फरवरी 2025 को सुगम्य यात्रा 2025 का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम सीआरसी पटना द्वारा बिहार के दिव्यांगजनों के राज्य आयुक्त (SCPD) के सहयोग से दिव्यांगजनों के अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और एक बाधा-मुक्त वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

इस अभियान का उद्घाटन श्री विजय प्रकाश मीणा, आईएएस, राज्य दिव्यांगजन आयुक्त/निदेशक, DEPwD ने सुश्री प्रियदर्शिनी, निदेशक, सीआरसी पटना और श्रीमती रूबी कुमारी और श्रीमती कुमारी प्रगति, राज्य अपर दिव्यांगजन आयुक्तों की उपस्थिति में किया।

इस दिन सुगम्य यात्रा ने पटना शहर के सात अंचलों को कवर किया, जिसमें 27 सदस्यों वाली सात समर्पित टीमें शामिल थीं, जिन्होंने समावेशिता, सुलभ बुनियादी ढाँचे और सामुदायिक संवेदनशीलता के महत्व को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया। एससीपीडी के निर्देशों के अनुसार, इस पहल को बिहार के सभी जिलों तक विस्तारित किया जाएगा। यह अभियान सभी के लिए एक समावेशी और सुलभ समाज के निर्माण के लिए सरकार और सीआरसी पटना की अटूट प्रतिबद्धता का एक सशक्त प्रतिबिंब है।

सीआरसी पटना में एनईपी 2020 पर पाँच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (17 से 21 फरवरी 2025)

एनसीईआरटी, नई दिल्ली के सहयोग से नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 विषय पर पाँच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ओडिशा, झारखंड, मध्य प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न राज्यों के कुल 50 प्रतिभागियों (शिक्षकों) ने भाग लिया। इस एफडीपी का उद्देश्य विशेष रूप से समावेशी शिक्षा के संदर्भ में, एनईपी 2020 को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए शिक्षकों और पुनर्वास पेशेवरों की क्षमता का निर्माण करना है।

21 फरवरी 2025 गरिमापूर्ण यात्रा

भारत सरकार के दिव्यांगजन मामलों के माननीय आयुक्त श्री एस. गोविंदराज ने 15 फरवरी, 2025 को सीआरसी पटना का दौरा किया। उन्होंने विभिन्न विभागों का दौरा किया और उनके कामकाज का अवलोकन किया। सभी इकाईयाँ सक्रिय नैदानिक सेवाओं, छात्रों की पोस्टिंग और लाभार्थियों के साथ बातचीत के साथ कार्यरत रहीं। गणमान्य व्यक्तियों ने दिव्यांगजनों के पुनर्वास, कौशल विकास और सशक्तिकरण में सीआरसी पटना के प्रयासों की सराहना की।

21 फरवरी 2025 को, सीआरसी पटना को बिहार सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) के निदेशक और सहायक निदेशक, तथा बिहार के पूर्व दिव्यांगजन राज्य आयुक्त श्री शिवाजी कुमार सहित कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों के आगमन का गौरव प्राप्त हुआ। यह कार्यक्रम समावेशी सेवा वितरण के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और सभी कर्मचारियों, छात्रों और हितधारकों के लिए प्रेरणा का क्षण था।

31 मार्च 2025 तक सीआरसी, पटना के कर्मचारियों की स्थिति

सीआरसी कर्मचारी

क्र.सं.	कर्चारियों के नाम	पदनाम
1	सुश्री प्रियादर्शिनी	निदेशक
2	डॉ अनिल कुमार	सहायक आचार्य (नैदानिक मनोविज्ञान)
3	श्री राजेन्द्र परविन	सहायक आचार्य (विशेष शिक्षक)
4	श्री विद्या भूषण	प्रवक्ता भौतिक चिकित्सक
5	श्री सूर्यकांत बेहरा	प्रशासनिक अधिकारी
6	श्री पार्थसारथी स्वैन	प्रोस्थेटिस्ट और ऑर्थोटिस्ट
7	श्री शिव कुमार	ओरिएनटेशन गतिशील इन्सट्रक्टर
8	श्री शांतनु	व्यावसायिक प्रशिक्षक
9	श्री अमित कुमार	सहायक
10	सुश्री चंद्रमाला शौर्य	नैदानिक सहायक (वाक चिकित्सक)
11	श्री कुमार भारत भूषण	नैदानिक सहायक (विकासात्मक चिकित्सक)
12	श्री अक्षय कुमार पाल	लिपिक/टंकक

सीडीइआईसी, डीआइएसएलआई और अन्य कर्मचारी

क्र. सं.	कर्मचारी के नाम	पदनाम
1	सुश्री स्वर्णलता	भौतिक चिकित्सक-सीडीइआईसी
2	श्री रोहित चंद	आईएसएल- प्रशिक्षक (बधिर)
3	सुश्री मोनिका सिंह	आईएसएल- दुभाषिया
4	श्री. लाल चन्द्र	अतिथि संकाय – डी.एड. विशेष. शिक्षा.(भी.आई.)
5	श्री प्रदीप कुमार सिंह	अतिथि संकाय - डी.एड.विशेष.शिक्षा.(भी.आई.)
6	सुश्री सुमन कुमारी	डाटा एंट्री ऑपरेटर
7	श्री इंद्रजीत कुमार	एमटीडब्ल्यु
8	श्री सुजीत कुमार	एमटीडब्ल्यु
9	श्री सत्येंद्र प्रसाद	अर्धकुशल श्रमिक

सीआरसी पटना की अखबार की प्रतियां

दरभंगा। सीआरसी, पटना के सहयोग से जागरूकता सृजन कार्यक्रम एवं निशुल्क सहायक उपक्रम वितरण हेतु मूल्यांकन शिविर समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र सीआरसी पटना बिहार के द्वारा सहायक उपकरण जांच 125 दिव्यांगो का परीक्षण किया गया। सीआरसी पटना से आये तकनीकी पदाधिकारी विद्या भूषण लेक्चर सह कैंप कोऑर्डिनेटर, लाल चंद्र लेक्चर स्पेशल एजुकेशन ,विहीन, अक्षय कुमार पाल आदि कार्यक्रम में उपस्थित थे। सहयोगी संस्था जितेंद्र कुमार शाखा सचिव स्माष्टिक सोसायटी इन ट्रस्ट भाग्य नारायण सह पीडब्लूडी अनुमंडल अध्यक्ष एवं मुकुंद राय मीडिया प्रभारी पीडब्लूडी मोहम्मद शोएब अध्यक्ष मिथिला दिव्यांग संघ, सोनू चौधरी सचिव मिथिला दिव्यांग संघ, बैद्यनाथ कुमार आनंद कुमार चौधरी, विनय चौधरी, लक्ष्मण पासवान ने दिव्यांगो का भरपूर सहयोग किया।

सीआरसी पटना द्वारा 'स्कूल गतिविधियों के साथ चिकित्सा को एकीकृत' करने हेतु कार्यशाला का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवम और शिवानी को खिताब

पटना (सं.प्र.)। दरभंगा के शिवम प्रभाकर एवं जहानाबाद की शिवानी कुमारी ने क्रमशः 12वीं बिहार राज्य बधिर शतरंज प्रतियोगिता में पुरुष व महिला वर्ग का खिताब जीत लिए। गया के प्रदुमन सिंह और वैशाली के गौरव कुमार दूसरे एवं तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में पटना की ज्योति का दूसरा तथा नालंदा की नेहा को तीसरा स्थान मिला।

■ जूनियर में आशादीप के खिलाड़ियों का दबदबा

जूनियर बालक-बालिका वर्ग में आर्यन सिंह, आरएम पाल एवं आकाश तथा अनिमा (आशादीप) का दबदबा रहा।
विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र पूर्व खेल निदेशक अरविंद ठाकुर एवं सीआरसी पटना की निदेशक प्रियदर्शिनी ने दिये। बिहार बधिर क्रीड़ा संघ के महासचिव मोहम्मद अतहर अली, गिरजेश कुमार चौधरी, सीताराम ... विजेताओं को शुभकामनाएं दी।

सीआरसी की ओर से कार्यशाला का आयोजन

पटना. पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केंद्र की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसका विषय स्कूल गतिविधियों के साथ चिकित्सा को एकीकृत करना था. कार्यक्रम में मौजूद लोगों को पुनर्वास सेवाएं और मानव संसाधन के क्षेत्र में कार्य कर रहे विद्यार्थियों को इसकी विस्तृत जानकारी दी गयी. इस अवसर मौजूद पदाधिकारियों ने एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण किया. मुख्य अतिथि विधान पार्षद कार्तिकेय सिंह, सीआरसी की निदेशक प्रियदर्शिनी, डॉ अनिल कुमार, राजेंद्र कुमार प्रवीण, प्रशासनिक अधिकारी सूर्यकांत बेहरा और ... स्वर्ण लता मौजूद रहीं.

दिव्यांगों के लिए 100 बेड के छात्रावास का हुआ उद्घाटन

सीआरसी पटना द्वारा 'स्कूल गतिविधियों के साथ चिकित्सा को एकीकृत' करने हेतु कार्यशाला का आयोजन

सवेरा टाइम्स संवाददाता

पटना। आज समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र, पटना, (दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा एक दिवसीय कार्यक्रम 'स्कूल गतिविधियों के साथ चिकित्सा को एकीकृत करना' के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्तिकेय सिंह (सदस्य) बिहार विधान परिषद्, बिहार। प्रियदर्शिनी, निदेशक, सीआरसी पटना, डॉ. अनिल कुमार, एपी (साइकोलॉजी), राजेन्द्र कुमार प्रवीण, एपी (स्पेशल एडुकेशन), ...

शिवम और शिवानी को खिताब

पटना (सं.प्र.)। दरभंगा के शिवम प्रभाकर एवं जहानाबाद की शिवानी कुमारी ने क्रमशः 12वीं बिहार राज्य बधिर शतरंज प्रतियोगिता में पुरुष व महिला वर्ग का खिताब जीत लिए। गया के प्रदुमन सिंह और वैशाली के गौरव कुमार दूसरे एवं तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में पटना की ज्योति का दूसरा तथा नालंदा की नेहा को तीसरा स्थान मिला।

■ जूनियर में आशादीप के खिलाड़ियों का दबदबा

जूनियर बालक-बालिका वर्ग में आर्यन सिंह, आरएम पाल एवं आकाश तथा अनिमा (आशादीप) का दबदबा रहा।
विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र पूर्व खेल निदेशक अरविंद ठाकुर एवं सीआरसी पटना की निदेशक प्रियदर्शिनी ने दिये। बिहार बधिर क्रीड़ा संघ के महासचिव मोहम्मद अतहर अली, गिरजेश कुमार चौधरी, सीताराम ... विजेताओं को शुभकामनाएं दी।

पंडौल स्थित बुनियादी केंद्र में सरकारी लाभ के बारे में बताते टीम से सदस्य।

शिविर में 27 दिव्यांगजन हुए शामिल

पंडौल। जागरूकता सृजन कार्यक्रम एवं निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण के लिए मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। शुक्रवार को समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र सीआरसी पटना के द्वारा शिविर का आयोजन पंडौल अंचल मुख्यालय स्थित बुनियादी केंद्र पर किया गया। शिविर में कल 27 दिव्यांगजनों ने हिस्सा लिया।

سی آر سی پٹنہ نے پرجوش طریقے سے معذور افراد کا عالمی دن (IDPD) 2024 منایا

कृत्रिम अंग व प्रत्यंग क्षेत्र में आधुनिकीकरण पर कार्यशाला

पटना/संवाददाता। बुधवार को समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र में कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग निर्माण में आधुनिकीकरण और उन्नत सामग्री विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ एनआईएलडी कोलकाता के निदेशक डॉ. ललित नारायण एवं निदेशक प्रियदर्शिनी ने किया। मौके पर कार्यक्रम समन्वयक व्याख्याता विद्या भूषण ने अतिथियों को परिचय कराते हुए कार्यक्रम के विषय पर प्रकाश डाला। इसके बाद विशिष्ट अतिथि के रूप में सहायक प्रोफेसर डॉ. अभय कुमार जयसवाल ने दिव्यांगजनों को कार्यक्रम से लाभान्वित व संस्थान से आधुनिक कृत्रिम अंग और प्रत्यंग प्राप्त कर जीवन को सरल बनाने के लिए प्रेरित किया।

दैनिक भास्कर मधुबनी 31-08-2024

सहायक उपकरण के लिए मूल्यांकन शिविर में 27 दिव्यांगजन शामिल हुए

पंडौल(आजकल)या सृजन कार्यक्रम एवं निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण के लिए मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। शुक्रवार को समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास,पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र सीआरसी पटना के द्वारा शिविर का आयोजन पंडौल अंचल मुख्यालय स्थित बुनियादी केंद्र पर किया गया। आयोजित शिविर में कुल 27 दिव्यांगजनों ने हिस्सा लिया जिसमे सभी का भौतिक सत्यापन, जांच तथा [illegible]

पड़ताल कि गयी। पटना सीआरसी से आये भौतिक चिकित्सक वि[illegible] भूषण ने बताया कि अब तक आ[illegible] दिव्यांग का सत्यापन व पंजीय[illegible] चल रहा है। जांच पूरी होने के बा[illegible] उनको सहायक अंग मुफ्त प्रदान कि[illegible] जाएगी। उन्होंने बताया कि [illegible] जरूरतमंद शिविर में नहीं आ सके है वे पटना स्थित सीआरसी कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। इस दौरान विशेष शिक्षक लाल चं[illegible] व लिपिक अक्षय कुमार पात[illegible] सरकार से मिलने वाली योजनाओं के बारे में बताया।

आधुनिक कृत्रिम अंग से जीवन को सरल बना सकते हैं दिव्यांग

जागरण संवाददाता, पटना : समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केन्द्र, शेखपुरा में कृत्रिम अंग निर्माण में आधुनिकीकरण और उन्नत सामग्री विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन डा. ललित नारायण, निदेशक एनआइएलडी कोलकाता के मार्गदर्शन और सीआरसी की निदेशक प्रियदर्शिनी के नेतृत्व में कार्यक्रम की शुरुआत हुई। दीप प्रज्वलन डा. अभय कुमार जायसवाल ने किया।

कार्यक्रम समन्वय विद्या भूषण ने किया। विशिष्ट अतिथि डा. अभय कुमार जायसवाल ने दिव्यांगजनों को कार्यक्रम से लाभान्वित व संस्थान से आधुनिक कृत्रिम अंग प्राप्त कर जीवन को सरल बनाने के लिए प्रेरित किया। संस्थान की निदेशक प्रियदर्शिनी ने सीआरसी और वयोश्री योजना के अंतर्गत प्रदान किए जाने वाले सहायक उपकरण और संस्थान द्वारा विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से बताया। संचालन स्वर्णलता ने किया। मौके पर संस्थान द्वारा वयोश्री योजना के तहत कुछ दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण आदि का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में 150 दिव्यांग लाभार्थी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस का समापन

पटना/संवाददाता। समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केंद्र में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर आयोजित सप्ताह भर चलनेवाले कार्यक्रमों का शुक्रवार को भव्य समापन किया। समापन समारोह का शुभारंभ सांसद रविशंकर प्रसाद, विधायक डॉ. संजीव चौरसिया और महापौर सीता साहू ने किया। मौके पर संस्थान की निदेशक ने दिव्यांग जनों के नेतृत्व को बढ़ावा देना, अवसर एवं सहभागिता आदि विषयों पर लोगों का ध्यानाकर्षण किया। संस्थान द्वारा 20 दिसंबर को दिव्यांगजनों के लिए एक विशाल रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा, जो उन्हें रोजगार के लाए अवसर प्रदान करेगा और आत्मनिर्भरता की ओर एक महावपूर्ण कदम होगा। कार्यक्रम का समापन दिव्यांगजनों के उत्साहवर्धन और समाज में उनकी भागीदारी बढ़ाने के संदेश के साथ हुआ।

एकदिवसीय दिव्यांगजन अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। समेकित क्षेत्रिय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केन्द्र (एन.आई.एल.डी. कोलकाता के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन) दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिव्यांगजन के माता पिता को भाषा विकास एवं क्रियात्मक सामग्री प्रशिक्षण विषय पर जानकारी प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सी आर सी के प्रभारी निदेशक डॉ अनिल कुमार सहायक प्राध्यापक (नैदानिक मनोविज्ञान चिकित्सा सी.आर.सी. पटना) के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। साथ ही साथ निदेशक ने अपने संबोधन में बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजन बच्चों का भाषा विकास सशक्त बनाने के लिए आयोजित किया गया है जिससे कि दैनिक कार्यों शिक्षा में आदि कार्य करने में कोई परेशानी न हो इसी क्रम में प्रथम वक्ता डॉ अनिल कुमार सहायक प्राध्यापक मनोवैज्ञानिक द्वारा भाषा विकास पर प्रकाश डाला गया। अतिथि प्रवक्ता धनंजय कुमार द्वारा आज के विषय-भाषा विकास पर क्रियात्मक प्रशिक्षण विषय पर विस्तार पूर्वक दिव्यांग बच्चों एवं उनके माता पिता को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। आज इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार पूर्वक सभी अभिभावकों ने प्रशिक्षण प्राप्त अपने बच्चों के प्रति जागरूक हुए। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम समन्वयक चन्द्रमाला सौर्या ने किया जिसमें संस्थान के सभी अधिकारी कर्मचारी व पुनर्वास विशेषज्ञ शामिल रहे। कार्यक्रम में कुल प्रतिभागियों की संख्या 120 रही साथ सी आर सी के सभी अधिकारी /कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

दिव्यांगजन अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम

पटना/संवाददाता। समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र द्वारा दिव्यांगजन के माता पिता को भाषा विकास एवं क्रियात्मक सामग्री प्रशिक्षण विषय पर जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ सीआरसी के प्रभारी निदेशक डॉ अनिल कुमार ने किया। मौके पर उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजन बच्चों का भाषा विकास सशक्त बनाना है, जिससे कि दैनिक कार्यो शिक्षा में आदि कार्य करने में कोई परेशानी न हो। इसी क्रम में उन्होंने भाषा विकास पर प्रकाश डाला। अतिथि प्रवक्ता धनंजय कुमार ने भाषा विकास पर क्रियात्मक प्रशिक्षण विषय पर विस्तार पूर्वक दिव्यांग बच्चों एवं उनके माता पिता को प्रशिक्षण प्रदान किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार पूर्वक सभी अभिभावकों ने प्रशिक्षण प्राप्त अपने बच्चों के प्रति जागरूक हुए। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम समन्वयक चन्द्रमाला सौर्या ने किया।

سی آر سی پٹنہ میں ایک روزہ معذور والدین کے تربیتی پروگرام کا انعقاد کیا گیا

انٹیگریٹڈ ریجنل سکل ڈیولپمنٹ، بحالی اور بااختیار بنانے کا مرکز برائے معذور افراد (CRC) (این آئی ایل ڈی، کولکتہ کے انتظامی کنٹرول کے تحت) معذور افراد کے والدین کو زبان کی نشوونما اور فنکشنل مواد

فراہم کرتا ہے۔ سماجی انصاف اور امپاورمنٹ، حکومت ہند پروگرام کا افتتاح اسسٹنٹ پروفیسر (کلینیکل سائیکالوجی، میڈیسن، سی آر سی، پٹنہ)، ڈائرکٹر انچارج سی آر سی نے چراغ جلا کر کیا۔ نے بتایا کہ اس پروگرام کا بنیادی مقصد معذور بچوں کی زبان کی نشوونما کو مضبوط بنانا ہے تاکہ وہ روزمرہ کے کام، تعلیم وغیرہ کرنے کے قابل ہو سکیں۔ اس بات کو یقینی بنانے کے لیے کہ کوئی مسئلہ نہ ہو، پہلے مقرر، ڈاکٹر انیل کمار، اسسٹنٹ پروفیسر، ماہر نفسیات، نے زبان کی نشوونما پر روشنی ڈالی۔ مہمان لیکچرار شری دھننجے کمار نے معذور بچوں اور ان کے والدین کو آج کے موضوع - زبان کی نشوونما پر عملی تربیت کے بارے میں تفصیلی تربیت فراہم کی۔

एकदिवसीय दिव्यांगजन अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। समेकित क्षेत्रिय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केन्द्र (एन.आई.एल.डी. कोलकाता के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन) दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिव्यांगजन के माता पिता को भाषा विकास एवं क्रियात्मक सामग्री प्रशिक्षण विषय पर जानकारी प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सी आर सी के प्रभारी निदेशक डॉ अनिल कुमार सहायक प्राध्यापक (नैदानिक मनोविज्ञान चिकित्सा सी.आर.सी. पटना) के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। साथ ही साथ निदेशक ने अपने संबोधन में बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजन बच्चों का भाषा विकास सशक्त बनाने के लिए आयोजित किया गया है जिससे कि दैनिक कार्यों शिक्षा में आदि कार्य करने में कोई परेशानी न हो इसी क्रम में प्रथम वक्ता डॉ अनिल कुमार सहायक प्राध्यापक मनोवैज्ञानिक द्वारा भाषा विकास पर प्रकाश डाला गया। अतिथि प्रवक्ता धनंजय कुमार द्वारा आज के विषय-भाषा विकास पर क्रियात्मक प्रशिक्षण विषय पर विस्तार पूर्वक दिव्यांग बच्चों एवं उनके माता पिता को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। आज इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार पूर्वक सभी अभिभावकों ने प्रशिक्षण प्राप्त अपने बच्चों के प्रति जागरूक हुए। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम समन्वयक चन्द्रमाला सौर्या ने किया जिसमें संस्थान के सभी अधिकारी कर्मचारी व पुनर्वास विशेषज्ञ शामिल रहे। कार्यक्रम में कुल प्रतिभागियों की संख्या 120 रही साथ सी आर सी के सभी अधिकारी /कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

سی آر سی پٹنہ میں دویانگجن روزگار میلہ 2024 بڑے جوش وخروش اور کامیابی کے ساتھ منعقد کیا گیا

The Domino's Pizza, Flipkart-Miso, Tech Mahindra, Airtel-Royal Bihar Youth for Sarthak Educational Trust Jobs

मेला में 48 दिव्यांगजनों को मिला रोजगार

...सीआरसी में ...न रोजगार मेला- ...ा आयोजन शुक्रवार ... गया। यह मेला ...माजिक न्याय और ...ता मंत्रालय के ...न सशक्तिकरण ...सीआरसी पटना और ... इंडिया फाउंडेशन ... प्रयास से आयोजित ...। कार्यक्रम का ...व्यांगजनों को रोजगार के अवसर प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। विभिन्न कंपनियों ने दिव्यांगजनों का साक्षात्कार लिया और उन्हें उनके कौशल ...भा के आधार पर रोजगार दिया। मेले में राज्यभर से 390 दिव्यांगजन शामिल ...त्कार के बाद 48 दिव्यांगजनों को तुरंत रोजगार दिया गया जबकि 100 ...नों को शॉर्टलिस्ट किया गया। रोजगार मेले में मीसो, फ्लिपकार्ट, डोमिनोज पिज्जा बिहार, एयरटेल, टेक महिंद्रा आदि कंपनियों ने भाग लिया। साथ ही दिव्यांगजनों ...साइन लैंग्वेज इंटरप्रेटर सहायक उपकरण और व्हीलचेयर जैसी सुविधाएं ...कराई गई। सीआरसी की निदेशक प्रियदर्शिनी ने कहा कि यह रोजगार मेला ...नों को सशक्त बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल करने की दिशा में ... पहल है। रोजगार के अवसर प्रदान कर हम न केवल उनकी आर्थिक स्वतंत्रता ...

सिटी बाइट्स

कार्यशाला में दिव्यांगों को दी गयी जानकारी

गिद्धौर. समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र पटना व जीविका गिद्धौर प्रखंड इकाई के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गयी. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला परियोजना प्रबंधक संजय कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक रणधीर कुमार, कार्यक्रम समन्वयक शिव कुमार कार्यक्रम समन्वयक अक्षय पाल सहायक सीआरसी पटना के प्रतिभागी मौजूद रहे. वहीं अतिथि जिला परियोजना प्रबंधक संजय कुमार ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य वंचित दिव्यांगों को मिलने वाली निःशुल्क सेवाओं का समुचित लाभ दिलाना है. सीआरसी पटना के कार्यक्रम समन्वयक शिव कुमार ने कहा कि प्रतिभागियों को वाणी चिकित्सा व भौतिक चिकित्सा, मनो चिकित्सा, व्यावसायिक चिकित्सा, विशेष शिक्षा, ओरिएन्टेशन मोबिलिटी प्रशिक्षण, शिशु हस्तक्षेप केंद्र अंतर्गत 21 प्रकार के दिव्यांगता पहचान के लक्षण एवं पुनर्वास प्रबंधन आदि के विषय में भी विस्तृत जानकारी दी गयी. कार्यक्रम के समापन उपरांत गिद्धौर प्रखंड परियोजना प्रबंधक रणधीर कुमार ने सभी आगंतुक अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया.

Thursday, March 6, 2025

रोजगार मेले में दिव्यांगों को मिली नौकरी

पटना। सीआरसी में दिव्यांगजन रोजगार मेला का आयोजन बड़े उत्साह और सफलता के साथ हुआ। यह मेला सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सीआरसी पटना और अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसर प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सशक्त बनाना था। मेले में 390 दिव्यांगजनों ने भाग लिया।

दिव्यांग होंगे सशक्त

स्वयं सहायता समूह से जोड़े जाएंगे जिले के दिव्यांग

سی آر سی، پٹنہ میں NCERT کے ذریعہ نئے تعلیمی نظام
2020 پر مبنی 5 روزہ FDP (فیکلٹی ڈیولپمنٹ پروگرام)

दिव्यांगजनों को मिला रोजगार

पटना/संवाददाता। सीआरसी पटना में दिव्यांगजन रोजगार मेला का आयोजन हुआ। यह मेला सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, सीआरसी पटना और अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसर प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सशक्त बनाना था। अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन के मार्गदर्शन में आयोजित इस रोजगार मेले में विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों ने दिव्यांगजनों का साक्षात्कार लिया और उन्हें उनके कौशल और प्रतिभा के आधार पर रोजगार प्रदान किया। मेले में राज्यभर से कुल 390 दिव्यांगजनों ने भाग लिया। साक्षात्कार के उपरांत 48 दिव्यांगजनों को तुरंत रोजगार प्रदान किया गया जबकि 100 दिव्यांगजनों को शॉर्टलिस्ट किया गया। सीआरसी की निदेशक प्रियदर्शिनी ने कहा यह रोजगार मेला दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

कौशल विकास, पुनर्वास और दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेतु समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी एसआरई), त्रिपुरा

केंद्र प्रोफाइल

सीआरसी एसआरई, त्रिपुरा के बारे में संक्षिप्त जानकारी:

त्रिपुरा में दिव्यांगजनों के कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तीकरण के लिए समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी एसआरई) की स्थापना सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांजनो के सशक्तीकरण विभाग के अधीन वर्ष 2017 में नरसिंहगढ़, अगरतला, त्रिपुरा में राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगता संस्थान (दिव्यांगजन), कोलकाता के प्रशासनिक नियंत्रण में की गई है। केंद्र का उद्घाटन 8 जून, 2018 को त्रिपुरा राज्य के माननीय मुख्यमंत्री, श्री बिप्लब कुमार देब और भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता के माननीय कैबिनेट मंत्री, श्री थावरचंद गहलोत द्वारा माननीय समाज कल्याण और सामाजिक शिक्षा मंत्री, त्रिपुरा सरकार, श्रीमती संताना चकमा, माननीय विधायक, बामुतिया निर्वाचन क्षेत्र के श्री कृष्णधन दास और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया था।

सीआरसी एसआरई, त्रिपुरा के मुख्य उद्देश्य:

1. दिव्यांजनों के पुनर्वास और विशेष शिक्षा के लिए संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करना।
2. दिव्यांजनों को सेवाएं प्रदान करने के लिए पुनर्वास पेशेवरों को प्रशिक्षण देकर मानव संसाधन विकास करना।
3. माता-पिता और समुदाय में जागरूकता पैदा करने के लिए सार्वजनिक शिक्षा कार्यक्रम चलाना।
4. सहायक उपकरणों और सहायक उपकरणों की डिजाइनिंग, निर्माण और फिटमेंट का कार्य करना।
5. शिक्षा और कौशल विकास की सेवाएं शुरू करना जिससे रोजगार, पुनर्वास, गतिशीलता, संचार, मनोरंजन और समाज में एकीकरण के अवसरों में वृद्धि हो सके।
6. क्षेत्र में दिव्यांगता की प्रकृति और गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, दिव्यांगजनों के विविध समूहों की आवश्यकताओं के विशिष्ट संदर्भ में अनुसंधान और विकास करना।

7. क्षेत्र की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के अनुरूप पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के लिए रणनीति विकसित करना।
8. स्वैच्छिक संगठन, अभिभावक समूहों और स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित और समर्थन देकर सेवाओं के विकास को प्रोत्साहित करना।
9. समुदाय आधारित पुनर्वास के सिद्धांतों का पालन करते हुए मौजूदा चिकित्सा, शैक्षिक और रोजगार सेवाओं के साथ संबंध स्थापित करना और ग्रामीण क्षेत्रों में विस्तार सेवाएं प्रदान करना।

सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा का विजन:

समाज और विकास के सभी क्षेत्रों में दिव्यंगजनों के अधिकारों और कल्याण को बढ़ावा देना, तथा शारीरिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक जीवन के हर पहलू में दिव्यांगजनों की स्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाना।

सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा का मिशन:

सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा का मिशन निरंतर व्यावसायिक प्रयासों के माध्यम से दिव्यांगजनों को पुनर्वास हस्तक्षेप की स्थिति तक पहुंचने के लिए सशक्त बनाना है, जैसे कि शैक्षिक, चिकित्सीय, व्यावसायिक, रोजगार, अवकाश और सामाजिक खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम और पूर्ण भागीदारी।

वर्तमान गतिविधियाँ

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा शैक्षणिक सत्र 2023-25 में निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। विवरण इस प्रकार है:

  भारतीय सांकेतिक भाषा व्याख्या पाठ्यक्रम में डिप्लोमा (DISLI)

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा की गतिविधियों में मोटे तौर पर निम्नलिखित क्षेत्र शामिल हैं:

1. मानव संसाधन विकास।
2. कौशल विकास से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।
3. दिव्यांजनों के लिए पुनर्वास सेवाएँ।
4. दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरणों का डिजाइन, निर्माण और फिटमेंट।
5. पुस्तकालय, प्रलेखीकरण और सूचना का प्रसार।
6. जागरूकता सृजन कार्यक्रम।
7. माता-पिता के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम
8. स्वच्छता अभियान
9. पर्पल फेयर
10. एक पेड़ माँ के नाम
11. आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दिव्यांगता की पहचान और रोकथाम के संबंध में प्रशिक्षण।
12. पुनर्वास पेशेवरों के लिए आरसीआई संबद्ध ऑनलाइन/ऑफलाइन सीआरई कार्यक्रम।
13. संकाय विकास कार्यक्रम।
14. अन्य गतिविधियाँ।

- उपरोक्त गतिविधियाँ विभिन्न इकाइयों द्वारा की जाती हैं:

1. भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास
2. नैदानिक मनोविज्ञानी
3. भौतिक चिकित्सक
4. व्यावसायिक चिकित्सा
5. कृत्रिम अंग प्रत्यंग
6. श्रवण एवं वाचिक रोगविज्ञान
7. विशेष शिक्षा
8. सामाजिक आर्थिक पुनर्वास
9. व्यावसायिक कौशल विकास
10. विकासात्मक चिकित्सा
11. पुस्तकालय, सूचना एवं प्रलेखन

भविष्यत योजनाएं

पाठ्यक्रम:

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा आगामी शैक्षणिक सत्र में निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित करने जा रहा है, जिसका विवरण इस प्रकार है:

1. दिव्यांगजनों के लिए नि:शुल्क कोचिंग
2. जन शिक्षण संस्थान (दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग) के तहत कौशल विकास प्रशिक्षण
3. दिव्यांगजनों के लिए 70 घंटे का रोजगार कौशल
4. केंद्र से दिव्यांगता प्रमाण पत्र और यूडीआईडी कार्ड जारी करना।
5. सीसीसीजीपी पाठ्यक्रम

कौशल विकास कार्यक्रम:

सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा दिव्यांगजनों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है, जो आगामी वर्ष में सीआरसी एसआरई, त्रिपुरा के प्रमुख लक्ष्यों में से एक है, ताकि दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) को कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से मुख्यधारा में लाया जा सके, ताकि वे आजीविका कमा सकें और मुख्यधारा के समाज में सम्मान का जीवन जी सकें।

क्रॉस डिसेबिलिटी अर्ली इंटरवेंशन सेंटर:

शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र , दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अंतर्गत कवर किए गए सभी प्रकार की दिव्यांगता वाले बच्चों (0-6 वर्ष) के लिए चिकित्सीय, पुनर्वास देखभाल सेवाएं और प्री-स्कूल प्रशिक्षण के लिए सन्निहित सुविधाएं प्रदान करेगा। ये सेवाएं सुलभ और सौंदर्यपूर्ण रूप से डिजाइन किए गए वातावरण में एक ही छत के नीचे प्रदान की जाएंगी।

ओपीडी में ग्राहक सेवाएं

प्रदत की गई ग्राहक सेवाओं का विवरण:

पिछले 07 (सात) वर्षों में ग्राहक सेवाओं का विवरण

वर्ष	नये रोगीजन	पुराने रोगीजन	सहायक सेवायें
2018-19	410	1251	2829
2019-20	935	3988	8899
2020-21	684	2109	4332
2021-22	725	2510	5245
2022-23	726	2592	5478
2023-24	644	2068	3490

2024-2025 में ग्राहक सेवाओं का विवरण

नये रोगीजन	पुराने रोगीजन	सहायक सेवायें
1,792	4,562	6,389

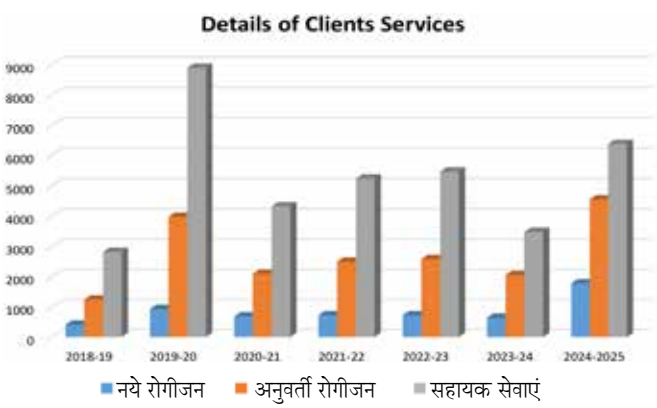

नए रोगीजन, अनुवर्ती और सहायक सेवाओं का मासिक जनसांख्यिकीय डेटा:

क्र. सं.	माह तथा समय	नये रोगीजन	पुराने रोगीजन	सहायक सेवायें
01.	अप्रैल, 2024	46	184	320
02.	मई, 2024	36	204	450
03.	जून, 2024	163	149	330
04.	जुलाई, 2024	97	294	420
05.	अगस्त, 2024	246	472	523
06.	सितम्बर, 2024	83	501	689
07.	अक्टुबर, 2024	339	353	419
08.	नवंबर, 2024	354	714	770
09.	दिसंबर, 2024	155	491	608
10.	जनवरी, 2025	117	448	678
11.	फरवरी, 2025	89	355	732
12.	मार्च, 2025	67	397	450
	कुल	1,792	4,562	6389

मासिकवार जनसांख्यिकीय आँकड़ा

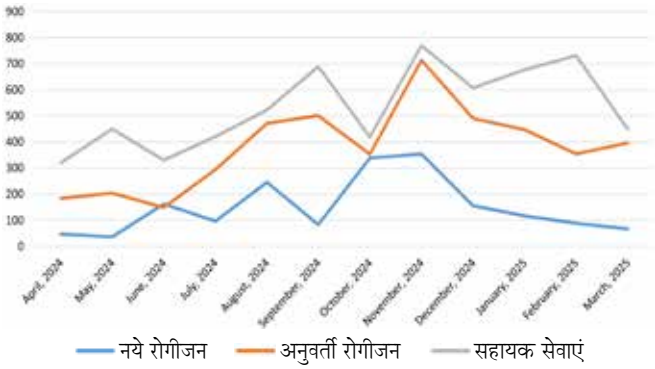

2024-2025 के लिए केंद्र आधारित नए रोगियों का पंजीकरण का जनसांख्यिकीय डेटा:

2024-2025 में 604 नए रोगियों के नाम पंजीकृत किये गये तथा जनसांख्यिकीय डेटा का लिंग और जातिवार विवरण निम्न दर्शाया गया है:

जाति	पुरूष	महिला	कुल
अनुसूचित जाति	129	109	238
अनुसूचित जनजाति	47	28	75
अन्य पिछड़ा वर्ग	213	130	343
अल्प संख्यक	58	29	87
सामान्य	157	84	241
कुल	**604**	**380**	**984**

केन्द्र आधारित नये उम्मीदवारों का जातिवार जनसांख्यिकीय डेटा

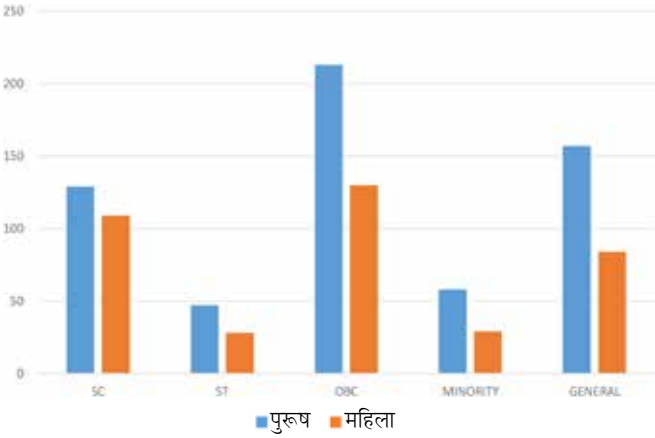

सहायता एवं उपकरणों के वितरण का दिव्यांगतावार डाटा

गतिशील दिव्यांगता	दृष्टिबाधितार्थ	श्रवणबाधितार्थ	बौद्धिक दिव्यांगता
425	36	86	96

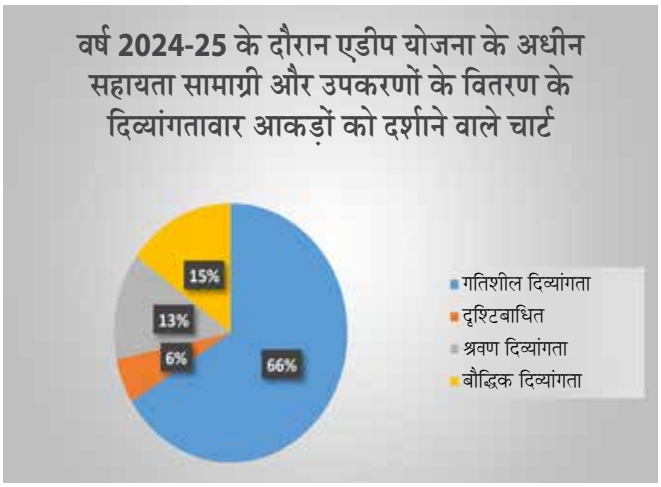

सहायक उपकरणों का वितरण का जातिवार डाटा

अ.जा.	अ.जन.	अ.पि.व.	सा.व.	कुल
96	34	106	144	380

2024–2025 सहायक उपकरणों का जाति के अनुसार विवरण डाटा

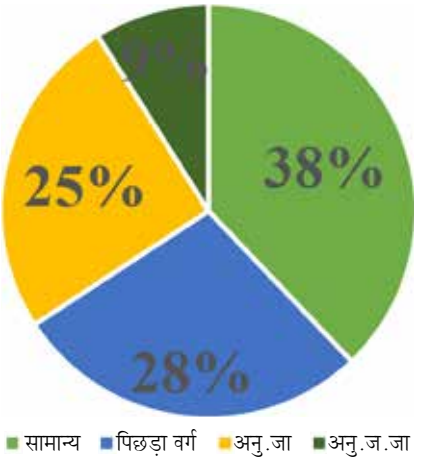

सहायक उपकरणों के वितरण का लिंग के अनुसार डेटा

पुरूष	महिला	कुल कवर किये गये लाभार्थी
261	119	380

केंद्र में उत्पन्न राजस्व के आधार पर तैयार वर्ष 2024–2025 के लिए वित्तीय उपार्जन का डेटा

2023-24	2024-25
125820	440440

इस केंद्र द्वारा की गई गतिविधियों का सारांश

कार्यक्रम की प्रवृति	2024-2025	
	कार्यक्रम की संख्या	कवर किए गए लाभार्थी
आउटरीच/केंद्र गतिविधियाँ:		
सीआरसी-त्रिपुरा परिसर में यूडीआईडी कार्ड के लिए पहचान-सह-मूल्यांकन शिविर/कार्यक्रम	01	82
उत्तर त्रिपुरा में यूडीआईडी कार्ड के लिए पहचान-सह-मूल्यांकन शिविर/ कार्यक्रम	05	118
एडीप योजना के अधीन वितरण शिविर	00	00
एडीप योजना के अधीन केंद्र आधारित वितरण	01	20
कैलेंडर गतिविधियाँ	33	1,331
ऑनलाइन वेबिनार	11	544
पर्पल फेयर-2025	02	752
जागरूकता सृजन कार्यक्रम (एजीपी)	08	739
त्रिपुरा के 8 जिलों में आशा नोडल अधिकारियों का प्रशिक्षण	08	156
नोडल अधिकारी द्वारा आशा कार्यकर्ता को दिव्यांगता जागरूकता किट का वितरण	154	7,666
सीआरसी-त्रिपुरा द्वारा आशा कार्यकर्ताओं को दिव्यांगता जागरूकता किट का वितरण	03	134
प्र.मं.दि.के., एलिम्को द्वारा मूल्यांकन शिविर	17	317
एडीप योजना के तहत प्र.मं.दि.के., एलिम्को द्वारा सहायक उपकरणों का वितरण	17	580
आरवीवाई योजना के अधीन प्र.मं.दि.के., एलिम्को द्वारा सहायक उपकरणों का वितरण	17	7283
सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई)ऑफलाइन	03	132
सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) ऑनलाइन	06	413
अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम:		
शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (संकाय विकास कार्यक्रम)	01	61
हवाई अड्डे के कर्मचारियों के लिए एसटीटीपी	01	16
अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम	00	00
कुल	**237**	**20344**

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान की जाने वाली आउटरीच गतिविधियों का विवरण

❖ 2024-25 में सीआरसी एसआरई – त्रिपुरा द्वारा एडीप योजना के अधीन मूल्यांकन शिविर आयोजित किए जाएंगे:

वर्ष 2024-25 में एडीप योजना के अंतर्गत निम्नलिखित मूल्यांकन शिविर आयोजित किए गए, इनका विवरण निम्नांकित है:

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 07/06/2024 को गंगानगर सामुदायिक हॉल, उत्तरी त्रिपुरा में एडीप मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया।

- सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा ने 08/06/2024 को हरुआ एच. एस. स्कूल, बागबासा, उत्तरी त्रिपुरा और प्रोटेकरॉय कम्युनिटी हॉल,बागबासा, उत्तरी त्रिपुरा में एडीप मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 09/06/2024 को इचैललचेरा, पंचायत कार्यालय, बागबासा, उत्तरी त्रिपुरा में एडीप मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया।

- बौद्धिक दिव्यांगता के लिए पहचान सह मूल्यांकन शिविर: सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 27/08/2024 को प्रात: 9 बजे से सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा परिसर में एडीप योजना के अधीन बौद्धिक दिव्यांगता के लिए पहचान और मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया।
- सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा ने 05/11/2024 को पी.मं.दि.के., त्रिपुरा टीम के साथ अभय आश्रम, गोकुलनगर, सिपाहीजला जिला, त्रिपुरा के सहयोग से एडीप योजना के अधीन दिव्यांगजनों के लिए स्क्रीनिंग सह मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया।

- **केंद्र आधारित:**
  सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा द्वारा एडीप योजन के अंतर्गत ओशोबानी सोसाइटी, त्रिपुरा, सीबीएम और पीएमडीके, त्रिपुरा के सहयोग से दिनांक 29/10/2024 को दिव्यांगजनों के लिए स्क्रीनिंग सह मूल्यांकन शिविर का आयोजन।

वितरण शिविर:

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 17/09/2024 को सुबह 10 बजे से सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा परिसर में एडीप योजना के अधीन बौद्धिक दिव्यांगो के लिए टीएलएम का वितरण शिविर आयोजित किया।

- सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा ने 01/10/2024 को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर एडीप और आरवीवाई योजना के अधीन एक वितरण शिविर का आयोजन किया। इसका आयोजन प्र.मं.दि.के., त्रिपुरा द्वारा सिपाहीजाला जिले में किया गया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 03/12/2024 को अभ्योय आश्रम में एडीप योजना के अधीन एक वितरण शिविर का आयोजन किया।

अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण

रोजगार कौशल प्रशिक्षण:

- सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा ने 01/10/2024 से एक महीने के लिए 70 घंटे का रोजगार कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

शैक्षिक कार्यक्रम

- सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पश्चिम त्रिपुरा और राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, त्रिपुरा के सहयोग से सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा के सम्मेलन हॉल में दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम, 2016 और नालसा योजना, 2015 पर शैक्षिक कार्यक्रम का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने अगरतला हवाई अड्डे के कर्मचारियों के लिए 01 दिवसीय भारतीय सांकेतिक भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम (आईएसएल) का आयोजन किया- क्या मैं आपकी मदद कर सकता हूँ?

संचालित संकाय विकास कार्यक्रम का विवरण

- सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा ने 25/02/2025 से 01/03/2025 तक सिपार्ड, अगरतला में पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

जागरूकता सृजन कार्यक्रमों का विवरण

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 24/12/2024 को धर्मनगर, उत्तरी त्रिपुरा में शीघ्र हस्तक्षेप और रेफरल पर एक दिवसीय जागरूकता सृजन कार्यक्रम (एजीपी) का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 07/01/2025 को मोहनपुर उपखंड के पंचायत समिति हॉल में दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम, 2016 पर जागरूकता सृजन कार्यक्रम (एजीपी) का आयोजन किया।

- सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा ने 24/01/2025 को भवन्स कॉलेज ऑफ टीचर ट्रेनिंग, नरसिंहगढ़ में नियमित सेटअप में दिव्यांगजनों के लिए सीबीएसई योजना और दिशानिर्देश विषय पर एक जागरूकता सृजन कार्यक्रम का आयोजन किया।

- सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा ने 06/02/2024 को खोवाई जिले में दिव्यांगजनों के लिए विकासात्मक मील का पत्थर विषय पर एक एजीपी कार्यक्रम का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने समुदाय आधारित पुनर्वास विषय पर एक एजीपी कार्यक्रम का आयोजन किया और 11/02/2025 को त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में आशा कार्यकर्ता को दिव्यांगता जागरूकता किट (दिव्यांगता की पहचान, रोकथाम और प्रारंभिक हस्तक्षेप) वितरित की।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने दिव्यांगता में जन्मजात स्थिति का शीघ्र पता लगाना और निवारक उपाय विषय पर एक एजीपी कार्यक्रम का आयोजन किया और 14/02/2025 को दक्षिण त्रिपुरा जिले में आशा कार्यकर्ता को दिव्यांगता जागरूकता किट (दिव्यांगता की पहचान, रोकथाम और प्रारंभिक हस्तक्षेप) वितरित की।

- सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा ने 06/03/2025 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सेंट्रल हॉल में दिव्यांगता पुनर्वास और आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम-2016 विषय पर एक जागरूकता सृजन कार्यक्रम का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने दिनांक 24/03/2025 को आईएएसई कुंजाबन, अगरतला में एनईपी-2020 में दिव्यांगजनों के लिए उच्च शिक्षा पर एक जागरूकता सृजन कार्यक्रम का आयोजन किया।

कैलेंडर की गतिविधियों का विवरण

वर्ष 2024-25 के दौरान सीआरसी एसआरई, त्रिपुरा द्वारा आयोजित कैलेंडर गतिविधियाँ

- सीआरसीएसआरई, त्रिपुरा ने 02/04/2024 को सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा कॉन्फ्रेंस हॉल, नरसिंहगढ़, पश्चिमी त्रिपुरा में विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर ऑटिज्म से ग्रस्त बच्चों के लिए एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

- सीआरसी एसआरई, त्रिपुरा ने 17.04.2024 को प्रातः 11 बजे से अपराह्न 2 बजे तक कर्मचारियों, लाभार्थियों और समुदाय के लोगों के साथ सीआरसी एसआरई, त्रिपुरा कॉन्फ्रेंस हॉल में ऑफलाइन कैलेंडर गतिविधि विश्व हीमोफिलिया दिवस का आयोजन किया है।

- सीआरसीएसआरइ ने 08/05/2024 को प्रात: 11.00 बजे से दोपहर अपराह्न 02.00 बजे तक सीआरसीएसआरइ, त्रिपुरा कॉन्फ्रेंस हॉल में ऑफलाइन कैलेंडर गतिविधि विश्व थैलेसीमिया दिवस का आयोजन किया है।

- सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा ने उन्नत अध्ययन संस्थान (आईएएसई), कुंजाबन अगरतला के सहयोग से 18/05/2024 को प्रात:11 बजे से अपराह्न 2 बजे तक कैलेंडर गतिविधि, वैश्विक सुगम्यता जागरूकता दिवस का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 24/05/2024 को सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रात:11 बजे से अपराहन 2 बजे तक कैलेंडर गतिविधि, विश्व सिजोफ्रेनिया दिवस का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 30/05/2024 को प्रात:11.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे तक सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा कॉन्फ्रेंस हॉल, सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा में कैलेंडर गतिविधि, विश्व मल्टीपल स्केलेरोसिस दिवस का आयोजन किया।

- 19/06/2024 को सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रात:11:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक कैलेंडर गतिविधि विश्व सिकल सेल दिवस का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 21/6/2024 को प्रात: 9.00 बजे से 10.00 बजे तक सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा कॉन्फ्रेंस हॉल में ऑफलाइन कैलेंडर गतिविधि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 22 जून 2024 को ऑफलाइन कैलेंडर गतिविधि लर्निंग डिसेबिलिटी अवेयरनेस वीक (17 से 23 जून, 2024) का आयोजन किया। यह कार्यक्रम लर्निंग डिसेबिलिटी विषय पर आयोजित किया गया था।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 27 जून 2024 को सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा कॉन्फ्रेंस हॉल में ऑफलाइन कैलेंडर गतिविधि हेलेन केलर दिवस का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 06/09/2024 को प्रात:11 बजे से अपराह्न 12.30 बजे तक सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा कॉन्फ्रेंस हॉल में ऑफलाइन कैलेंडर गतिविधि विश्व ड्यूचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी दिवस का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 01/09/2024 से 14/09/024 तक ऑफलाइन कैलेंडर गतिविधि हिंदी दिवस/हिंदी पखवाड़ा दिवस का आयोजन किया।
- सीआरसीई-त्रिपुरा ने 23/09/2024 को अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस/विश्व बधिर दिवस के अवसर पर एक ऑफलाइन कार्यक्रम कैलेंडर गतिविधि का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 07/10/2024 को विश्व **सेरेब्रल पाल्सी दिवस** के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया

- सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा ने 08/10/2024 को सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा परिसर में **विश्व डिस्लेक्सिया दिवस** के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

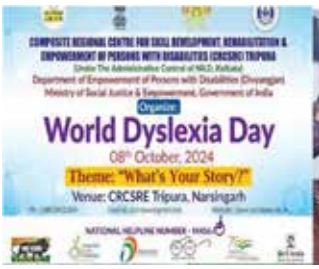

- आरसीएसआरई-त्रिपुरा ने 10/10/2024 को **विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस** के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई त्रिपुरा ने 15/11/2024 को विश्व **वाइट केन दिवस** के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

- सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा ने 25/10/2024 को **विश्व ड्राफिज्म दिवस** के अवसर पर कैलेंडर गतिविधि का आयोजन किया।

- सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा ने 27/10/24 को सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा परिसर में विश्व **व्यावसायिक चिकित्सा दिवस** के अवसर पर कैलेंडर गतिविधि का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा परिसर में 29/10/2024 और 30.10.2024 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया।

- सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा ने 31 अक्टूबर 2024 की पूर्व संध्या पर सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा परिसर में राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया।

- सीआरसीएसआरई-त्रिपुरा ने 05/11/24 को अभोय आश्रम, गोकुलनगर, सिपाहीजला जिले में कैलेंडर गतिविधि **अंतर्राष्ट्रीय प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक दिवस** का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 14.11.2024 को **बाल दिवस** के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 18.11.2024 को कैलेंडर गतिविधि, **राष्ट्रीय मिर्गी दिवस** का आयोजन किया।

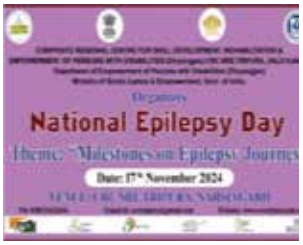

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 26.11.2024 को **भारतीय संविधान दिवस** पर उत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 03.12.2024 को विभिन्न 03 स्थानों पर अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

1. जी.टी.कॉलेज ग्राउन्ड,कुमारी तिला,आगरतला, डीडीआरसी, पश्चिम त्रिपुरा द्वारा आयोजित
2. सीआरसीएसआरई त्रिपुरा, नरसिंहगढ़
3. अभय आश्रम, सिपाहीजला

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 04.01.2025 को सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा कॉन्फ्रेंस हॉल में कैलेंडर गतिविधि **विश्व ब्रेल दिवस** का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 30.01.2025 को सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा परिसर में कैलेंडर गतिविधि विश्व कुष्ठ दिवस का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 20.02.2025 को सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा कॉन्फ्रेंस हॉल में विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर एक कैलेंडर गतिविधि का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 01.03.2025 को कॉन्फ्रेंस हॉल, पीएचसी नरसिंहगढ़, त्रिपुरा में कैलेंडर गतिविधि **अंतर्राष्ट्रीय व्हीलचेयर दिवस** का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 08.03.2025 को सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा कॉन्फ्रेंस हॉल में कैलेंडर गतिविधि **अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस** का आयोजन किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 21.03.2025 को सेमिनार हॉल, सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा में **विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस** के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया।

आयोजित वेबिनार का विवरण:

- सीआरसीएसआरई, त्रिपुरा ने 11 अप्रैल 2024 को प्रात: 11 बजे से 1 बजे अपराह्न तक विश्व पार्किंसंस दिवस-2024 पर एक वेबिनार का आयोजन किया है।

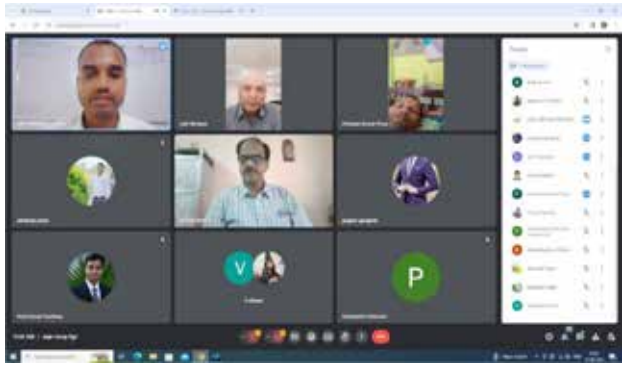

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने लर्निंग डिसेबिलिटी जागरूकता सप्ताह (17 से 23 जून, 2024) पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। यह कार्यक्रम 18 जून, 2024 को संध्या 4:00 बजे से 5:00 बजे तक आयोजित किया गया। यह ऑनलाइन वेबिनार लर्निंग डिसेबिलिटी वाले बच्चों की शीघ्र पहचान विषय पर आयोजित किया गया था।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 08/08/2024 को दोपहर 2:00 बजे से 3:00 बजे तक मोबिलिटी एड्स और उपकरणों के लिए प्रिसाक्रप्शन मानदंड विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। इस अवसर पर, संसाधन व्यक्ति डॉ. सुभाषिश पैकरे, सहायक प्रोफेसर, एमजीएम विश्वविद्यालय, नवी मुंबई ने एक उपयोगी प्रस्तुति दी और सहायक उपकरणों के उपयोग पर चर्चा की।

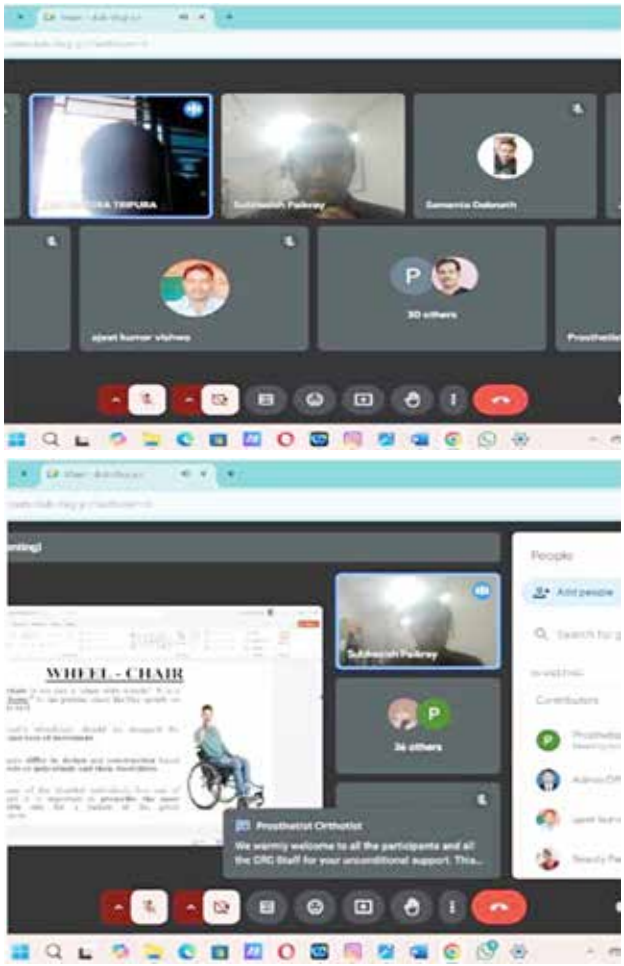

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 12.08.2024 को दोपहर 2:30 बजे से 3:30 बजे तक यूडीआईडी कार्ड (विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र) विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। इस अवसर पर, सीआरसी गुवाहाटी के पुनर्वास अधिकारी, रिसोर्स पर्सन श्री राज कमल पांडे ने पंजीकरण प्रक्रिया, विभिन्न प्रकार के यूडीआईडी कार्ड और उनके उपयोगों पर चर्चा करते हुए एक प्रस्तुति दी। उन्होंने वेबिनार में उपस्थित दर्शकों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

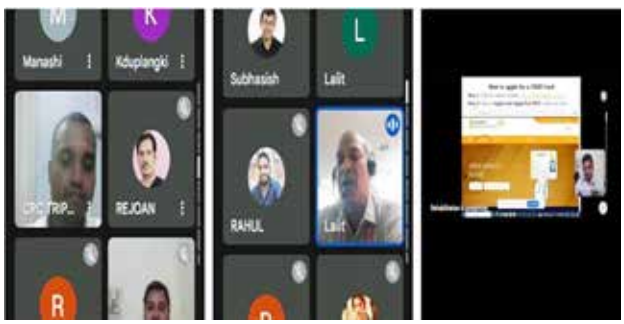

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 17.08.2024 को दोपहर 12:00 बजे से 01:08 बजे तक एएसडी से ग्रस्त बच्चों का प्रबंधन विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। इस अवसर पर, संसाधन व्यक्ति श्री प्रवाल यादव, वरिष्ठ विशेष शिक्षक, डीओई, एमसीडी, नई दिल्ली ने सीडब्ल्यूएएसडी के प्रबंधन पर चर्चा की।

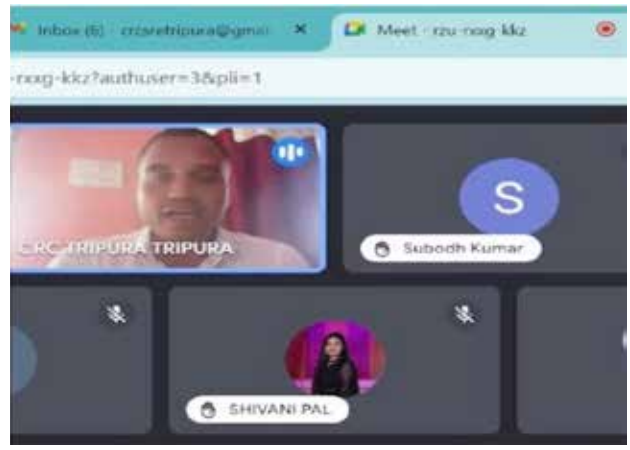

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 20.08.2024 को दोपहर 2:30 बजे से 3:30 बजे तक उच्च शिक्षा में उच्च शिक्षा प्राप्त बच्चों के सामने आने वाली शैक्षिक चुनौतियाँ विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। इस अवसर पर संसाधन व्यक्ति श्री सैकत दास, सहायक प्रोफेसर, विशेष शिक्षा, विकलांगता अध्ययन विभाग, रवींद्र भारती विश्वविद्यालय और पूर्व सहायक प्रोफेसर विशेष शिक्षा,अ.या. जं.रा.वा.ए.श्र.दि.सं. कोलकाता उपस्थित थे।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 22.08.24 को दोपहर 3:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक दिव्यांग व्यक्तियों के लिए रोजगार कौशल का महत्व विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। इस

अवसर पर, संसाधन व्यक्ति श्री पी. सम्मैह, पुनर्वास अधिकारी, वयस्क स्वतंत्र आवास विभाग, एनआईईपीआईडी, सिकंदराबाद ने दिव्यांगजनों को विभिन्न कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से भारत के आर्थिक विकास के महत्व पर चर्चा की।

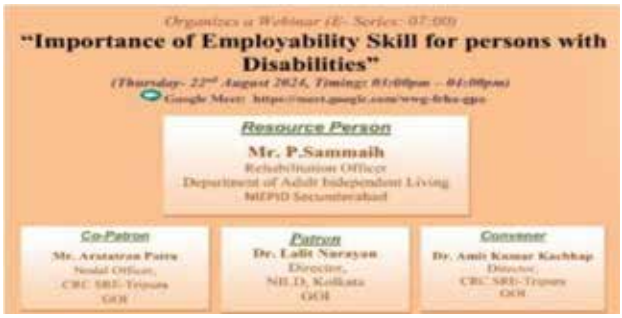

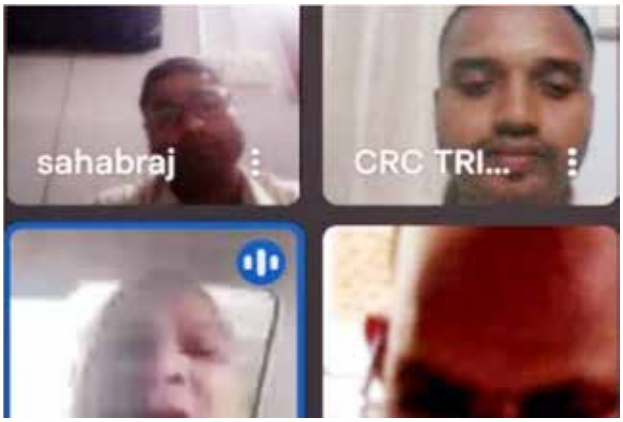

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 26.08.24 को अपराह्न 2:30 बजे से 3:30 बजे तक आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 के अधीन सीडब्ल्यूएसएन के लिए कानूनी पहुँच विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। इस अवसर पर संसाधन व्यक्ति डॉ. प्रोसेनजीत मजूमदार (समाज कल्याण कार्यालय, एवाईजेएनआईएसएचडी, कोलकाता) ने एक उपयोगी प्रस्तुति दी, चर्चा की और प्रश्नोत्तर लिए।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 28.08.24 को अपराह्न 2:30 बजे से 3:30 बजे तक निरामय सामाजिक सुरक्षा बीमा योजना विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। इस अवसर पर संसाधन व्यक्ति श्री नवनीत कुमार (कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय न्यास), श्री राजेश सचदेवा (उप निदेशक, राष्ट्रीय न्यास) ने राष्ट्रीय न्यास एवं निरामय योजना पर चर्चा की। तत्पश्चात सुश्री मोनिका वाधवा (सहायक, राष्ट्रीय न्यास) ने नामांकन प्रक्रिया पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी उत्साहित थे और सत्र बहुत ही संवादात्मक रहा।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने **विश्व डब्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी दिवस** के अवसर पर 07.09.24 को प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 12:00 बजे तक डब्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी में पुनर्वास पहलू विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। इस अवसर पर संसाधन व्यक्ति श्री देबाशीष राउत (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, स्कूल ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी चेट्टीनाड एकेडमी ऑफ रिसर्च एंड एजुकेशन, चेन्नई) ने एक बहुत ही उपयोगी प्रस्तुति दी।

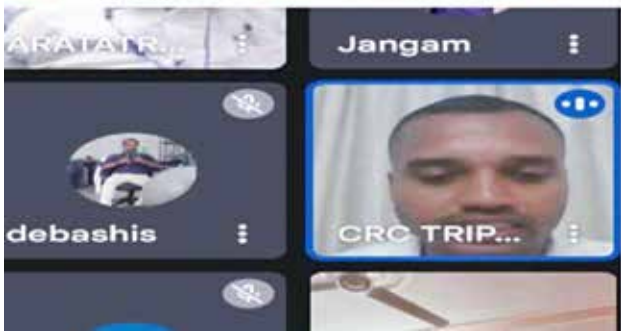

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 10.09.2024 को दोपहर 2.30 बजे से 3.30 बजे तक बचपन में दिव्यांग बच्चों के माता-पिता के सामने आने वाली चुनौतियाँ विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। इस अवसर पर संसाधन व्यक्ति डॉ. मिनातिरानी महापात्रा (सहायक प्रोफेसर, विशेष शिक्षा, सीआरसी एसआरई-शिलांग, मेघालय) ने शीघ्र पहचान और पुनर्वास रणनीति के महत्व पर बल दिया।
- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 06.10.2024 को विश्व **सेरेब्रल पाल्सी दिवस** के अवसर पर ऑनलाइन कला प्रतियोगिता का आयोजन किया।

कार्यान्वित किए गए सीआरई कार्यक्रमों का विवरण:

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 21 सितंबर, 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर आरसीआई मान्यता प्राप्त 02 घंटे का ऑनलाइन सीआरई कार्यक्रम आयोजित किया।

- सीआरसी एसआरई-त्रिपुरा ने 04.10.2024 को पाठ्यक्रम विकास कार्यक्रम के लिए समावेशी शिक्षा की आवश्यकताएं पर आरसीआई मान्यता प्राप्त 02 घंटे का ऑनलाइन सीआरई कार्यक्रम आयोजित किया।